RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

बोकारो, मंगलवार

16.6.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 234

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

भारत-स्लोवाकिया ने संबंधों को दिया 'व्यापक साझेदारी' का दर्जा, दोनों देशों के बीच 11 समझौते

एजेंसी, नई दिल्ली

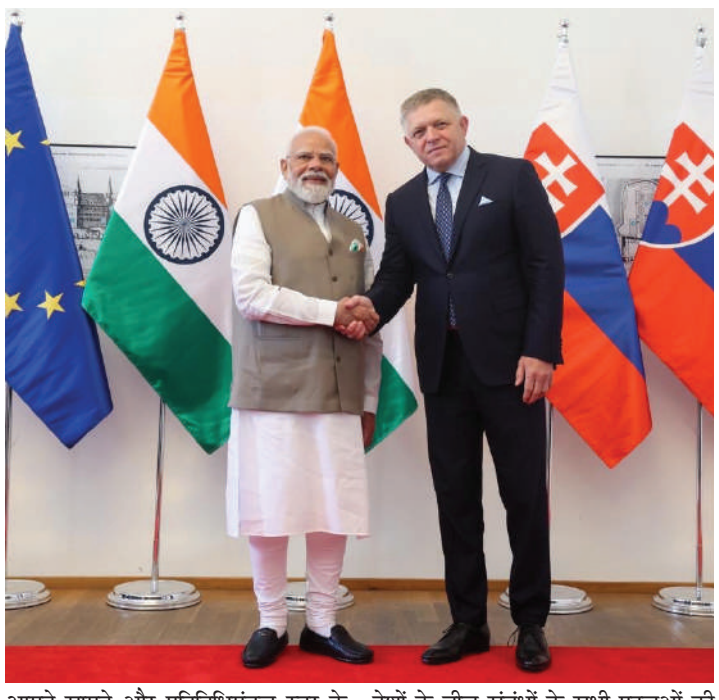

भारत और स्लोवाकिया ने अपने संबंधों को 'व्यापक साझेदारी' का दर्जा देने का फैसला किया है। दोनों देशों ने इसके अलावा आतंकवाद-विरोधी संयुक्त कार्य समूह और वाणिज्य दूतावास संवाद की स्थापना की भी घोषणा की है। दोनों देशों के बीच ब्रातिस्लावा में 11 समझौता ज्ञापन और आशय पत्रों पर हस्ताक्षर हुए हैं।

दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने वाला आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। कोसिसे तकनीकी विश्वविद्यालय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में आईसीसीआर की पहली चेयर की स्थापित की जाएगी। श्रम प्रवासन, पर्यटन, विज्ञान, डिजिटल प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा और अनुसंधान, ऑडियो-विजुअल निर्माण, क्वांटम संचार और महत्वपूर्ण अवसंरचना संरक्षण, प्राकृतिक चिकित्सा और आयुष, छात्र विनिमय कार्यक्रम व छात्रवृत्तियों और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने सोमवार को ब्रातिस्लावा में आमने-सामने और प्रतिनिधिमंडल स्तर के प्रारूपों में बातचीत की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और व्यापार एवं निवेश, रक्षा व सुरक्षा, टेक्नोलॉजी व इनोवेशन, अंतरिक्ष व परमाणु ऊर्जा, शिक्षा व संस्कृति और टैलेंट मोबिलिटी व लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशे। उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए। इनमें संयुक्त राष्ट्र में सुधार का मुद्दा भी शामिल था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि ऐतिहासिक भारत-ईयू एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) के लागू होने से व्यापार, मैन्युफैक्चरिंग, निवेश और रोजगार पैदा करने के बड़े अवसर खुलेंगे। एक अहम कदम के तौर पर दोनों नेता भारत-स्लोवाकिया संबंधों को 'व्यापक साझेदारी' के स्तर तक ले जाने पर सहमत हुए। विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री ने अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत को स्लोवाकिया द्वारा दी गई एकजुटता और समर्थन के लिए प्रधानमंत्री फिको को धन्यवाद दिया। यह आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों का मुकाबला करने के लिए दोनों देशों की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। दोनों नेताओं ने पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने बहुपक्षवाद और वैश्विक शासन संस्थानों के सुधार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री फिको ने प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में भोज का आयोजन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मेजबान को आपसी सहमति से तय की गई तारीख पर भारत आने का निमंत्रण दिया।

वार्ता से पूर्व आज प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री फिको के साथ स्लोवाकिया के बच्चों की बनाई पेंटिंग्स की एक प्रदर्शनी देखी। यह पंचतंत्र और जातक कथाओं से प्रेरित थीं। प्रवक्ता ने कहा कि ये कलाकृतियां भारत और स्लोवाकिया के बीच बढ़ते सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाती हैं।

प्रधानमंत्री कल फ्रांस से स्लोवाकिया पहुंचे थे। आज ऐतिहासिक ब्रातिस्लावा कैसल में प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। यहां प्रधानमंत्री का औपचारिक स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा, "मैं मशहूर ब्रातिस्लावा कैसल में गर्मजोशी से स्वागत के लिए प्रधानमंत्री फिको का धन्यवाद करता हूं। हम भारत-स्लोवाकिया दोस्ती को और मज़बूत करने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।"

होर्मुज शुक्रवार को खुलेगा, अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों से नाकाबंदी हटाई

- तेहरान का परमाणु कार्यक्रम मुद्दा अभी भी अनसुलझा

एजेंसी, वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान शांति समझौते पर सहमत हो गए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों से अपनी नौसैनिक नाकाबंदी हटा ली है। शुक्रवार को समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल जाएगा। उन्होंने माना कि समझौते का पूरा मसौदा अभी जारी नहीं किया गया है। सीएनएन, अल जजीरा और गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार स्विट्जरलैंड में शुक्रवार को होने वाले हस्ताक्षर समारोह के बाद के कदमों के बारे में अमेरिका और ईरान ने अलग-अलग बातें कही हैं। ईरान के उप विदेशमंत्री ने कहा कि परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत तब शुरू होगी जब अमेरिका फ्रीज किए गए अरबों डॉलर जारी करेगा, लेकिन एक अमेरिकी अधिकारी ने इस दावे को खारिज कर दिया है। वहीं, इजराइल ने अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते के लिए बनी सहमति से असहमति जताते हुए आज कहा कि यह समझौता इजराइल के लिए बाध्यकारी नहीं है। उनका देश लेबनान में हिज़्बुल्लाह के खतरे को समाप्त करने के अपने संकल्प से कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि लेबनान में हिज़्बुल्लाह की गतिविधियों से पैदा खतरों को खत्म करने के संकल्प को लेकर इजराइल को कोई भी समझौता मंज़ूर नहीं है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने पुष्टि की है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के शहर जिनेवा में होंगे। डार ने कहा कि पाकिस्तान को 19 जून को जिनेवा में होने वाले औपचारिक हस्ताक्षर समारोह का इंतजार है। उन्होंने दोनों पक्षों को मनाने के प्रयासों में मदद के लिए सऊदी अरब, कतर और तुर्किये जैसे देशों का शुक्रिया अदा किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है कि समझौता यह सुनिश्चित करेगा कि होर्मुज जलडमरूमध्य हमेशा के लिए टोल फ्री रहे।

अमेरिका-ईरान समझौते का पीएम ने किया स्वागत

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए बनी सहमति का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत को उम्मीद है कि इस समझौते के क्रियान्वयन से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल होगी तथा वैश्विक व्यापार और नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित हो सकेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण दुनिया भर में गंभीर आर्थिक व्यवधान उत्पन्न हुआ है और कई देशों में जनहानि भी हुई है। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष समाप्त करने के लिए बनी समझ का वह स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा, "भारत को आशा है कि इस समझ के प्रभावी क्रियान्वयन से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल होगी तथा नौवहन और वाणिज्य की स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी।"

देश में पेट्रोल, डीजल और कच्चे तेल का पर्याप्त स्टॉक, एलपीजी की सप्लाई स्थिर : सरकार

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। पश्चिम एशिया संकट के बावजूद रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। साथ ही कच्चे तेल का स्टॉक भी पर्याप्त मात्रा में बनाए रखा जा रहा है। पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में अंतर-मंत्रालयी पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस (एलपीजी सिलेंडर) की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और कच्चे तेल का स्टॉक भी पर्याप्त मात्रा में बनाए रखा जा रहा है।

सुजाता शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि हालांकि, कुछ रिटेल आउटलेट्स पर बिक्री में असामान्य रूप से तेजी देखी जा रही है। इसका मुख्य कारण यह है कि औद्योगिक, प्रत्यक्ष, संस्थागत और व्यावसायिक और कमर्शियल ग्राहकों ने अब रिटेल आउटलेट्स से ईंधन खरीदना शुरू कर दिया है, जिससे वहां बिक्री बढ़ गई है। मई में, 42 करोड़ डीजल की बिक्री बल्क से रिटेल आउटलेट्स पर शिफ्ट हो गई। पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि एलएनजी कैरियर 'दिशा' 62,370 एमटी एलएनजी कार्गो लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजर चुका है। उन्होंने कहा कि इस जहाज के 18 जून को दहेज पहुंचने की उम्मीद है। ओपेश कुमार शर्मा ने कहा कि बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, नाविकों की भलाई सुनिश्चित करने और उन्हें हर तरह की मदद देने के लिए विदेश मंत्रालय, विदेशों में भारतीय मिशनों, शिपिंग कंपनियों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ लगातार तालमेल बनाए हुए है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में विगत 28 फरवरी से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच आज शांति समझौते पर सहमति बनी है। इस समझौते पर स्विटजरलैंड में 19 जून को हस्ताक्षर किए जाएंगे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने पारंपरिक मिनिएचर कला शैलियों के कलाकारों से मुलाकात की

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में सोमवार को भारत की पारंपरिक मिनिएचर कला शैलियों के कलाकारों के एक समूह से मुलाकात की और उनके काम को देखा। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति भवन के 'आर्टिस्ट-इन-रेसिडेंस' कार्यक्रम के तहत वहां रह रहे 11 कलाकारों ने राजस्थानी जैसी अलग-अलग कला शैलियों का प्रदर्शन किया। इसी दौरान राष्ट्रपति मुर्मु ने आज इन कलाकारों से मुलाकात की और उनके काम को देखा।

'आर्टिस्ट-इन-रेसिडेंस' कार्यक्रम भारत की कलात्मक परंपराओं की भावना का जश्न है, जो सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने में जीवित कला परंपराओं की अहम भूमिका को फिर से रेखांकित करता है।

दिल्ली मेट्रो मार्गों पर मोबाइल नेटवर्क गुणवत्ता परीक्षण में जियो और एयरटेल आगे

- एमटीएनएल और वोडाफोन-आइडिया पिछड़े

एजेंसी, नई दिल्ली

दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के राजधानी दिल्ली में मेट्रो मार्गों पर किए गए मोबाइल नेटवर्क गुणवत्ता परीक्षण में जियो और एयरटेल सबसे आगे रहे, जबकि एमटीएनएल और वोडाफोन-आइडिया कई मानकों पर पिछड़ गए। इस परीक्षण में जियो ने औसतन 141 एमबीपीएस और एयरटेल ने 81 एमबीपीएस डाउनलोड स्पीड हासिल की, जबकि एमटीएनएल 4 एमबीपीएस और वोडाफोन आइडिया 23 एमबीपीएस पर रहा। केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार अप्रैल में किए गए स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट में कवरेज गैप, कॉल ड्रॉप, कॉल सेटअप सफलता दर और डेटा स्पीड जैसे प्रमुख मानकों का आकलन किया गया। यह परीक्षण दिल्ली लाइसेंस सेवा क्षेत्र में 490 किलोमीटर लंबे मेट्रो मार्गों पर किया गया। इसमें दिल्ली मेट्रो रेल निगम, नोएडा मेट्रो रेल निगम और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के मार्ग शामिल रहे। रिपोर्ट में बताया गया कि अपलोड स्पीड में भी एयरटेल (25.98 एमबीपीएस) और जियो (19.99 एमबीपीएस) आगे रहे, जबकि एमटीएनएल (1.84 एमबीपीएस) और वोडाफोन आइडिया (16.96 एमबीपीएस) पीछे रहे। कॉल ड्रॉप दर में एमटीएनएल का प्रदर्शन सबसे कमजोर रहा, जहां 51 कॉल ड्रॉप दर्ज किए गए। एयरटेल में 5, जियो में 8 और वोडाफोन आइडिया में 10 कॉल ड्रॉप हुए। कवरेज गैप में भी एमटीएनएल सबसे पीछे रहा, जहां 20 हजार से अधिक नमूनों में कमजोर सिग्नल दर्ज हुआ। एयरटेल, जियो और वोडाफोन आइडिया की तुलना में एमटीएनएल का नेटवर्क प्रदर्शन सबसे कमज़ोर पाया गया। ट्राई ने कहा कि इन परीक्षणों का उद्देश्य उपभोक्ताओं को वास्तविक समय में मोबाइल नेटवर्क सेवाओं की गुणवत्ता की जानकारी देना और सेवा प्रदाताओं को अपनी सेवाओं में सुधार के लिए प्रोत्साहित करना है। परीक्षण के दौरान कवरेज, कॉल ड्रॉप दर, कॉल सेटअप सफलता दर, डेटा डाउनलोड और अपलोड स्पीड जैसे प्रमुख मानकों का आकलन किया गया। ट्राई ने बताया कि परीक्षण के दौरान एयरटेल, एमटीएनएल, जियो और वोडाफोन आइडिया की सेवाओं का मूल्यांकन किया गया। कवरेज गैप में एयरटेल के 1280, एमटीएनएल के 20768, जियो के 1297 और वोडाफोन आइडिया के 1490 नमूनों में कमजोर सिग्नल दर्ज हुआ।

ओमान की खाड़ी में तीन भारतीय नाविकों की मौत पर सरकार का रुख निराशाजनक: कांग्रेस

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने ओमान की खाड़ी में अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत पर दुख जताया है। पार्टी ने सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि हमारे नागरिकों की मौत पर सरकार चुप क्यों है? पार्टी ने पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करते हुए वैश्विक मंच पर सरकार के रुख को बेहद कमजोर और निराशाजनक बताया है। कांग्रेस-सोशल मीडिया व डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि 11 जून को ओमान की खाड़ी में एमटी सेटेबेलो जहाज पर अमेरिकी हमले में भारत के तीन बहादुर नाविक हिमाचल प्रदेश के आदित्य शर्मा, उत्तर प्रदेश के शिवानंद चौरसिया और आंध्र प्रदेश के पटनाला सुरेश की मौत हो गयी। इस युद्ध से भारत का कोई लेना-देना नहीं है, इसके बावजूद भारतीय नागरिक इस टकराव में अकारण मारे जा रहे हैं। श्रीनेत ने कहा कि आगामी विदेश यात्रा के दौरान जब प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलेंगे, तो क्या वे इस गंभीर मुद्दे को उनके समक्ष उठाएंगे और भारतीयों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले पर जवाब मांगेंगे?

मणिपुर : रिम्स अस्पताल परिसर में प्रदर्शन और झड़प

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सोमवार को हुई गोलीबारी की घटना में घायल तीन कुकी व्यक्तियों को उपचार के लिए रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) लाए जाने के बाद अस्पताल परिसर में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। विरोध प्रदर्शन धीरे-धीरे उग्र हो गया, जिसके बाद सुरक्षा बलों को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े।

जानकारी के अनुसार, कांगपोकपी जिले के लेइलोन वैफेई और कोंसाखुल गांवों के निकट हुई कथित गोलीबारी में घायल तीन लोगों को विशेष उपचार के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया था। उनके अस्पताल पहुंचते ही बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी अस्पताल के मुख्य द्वार पर एकत्र हो गए और भर्ती का विरोध करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब कुछ प्रदर्शनकारी सुरक्षा घेरा पार कर अस्पताल परिसर में प्रवेश कर गए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि घायल व्यक्ति प्रतिद्वंद्वी कुकी गुटों से जुड़े हुए हैं। इस दौरान ऑल नागा स्टूडेंट्स एसोसिएशन मणिपुर (एएनएसएएम) के प्रतिनिधियों ने सुरक्षा बलों द्वारा घायलों को अस्पताल तक सुरक्षा प्रदान किए जाने पर सवाल उठाए और घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की।

प्रदर्शन के उग्र होने पर कुछ लोग अस्पताल के आपातकालीन वार्ड की ओर बढ़ने लगे, जिससे सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई। कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा कर्मियों ने आंसू गैस के गोले दागे, जिसके बाद प्रदर्शनकारी अस्पताल परिसर से हट गए। हालांकि, अस्पताल के बाहर विभिन्न समूहों द्वारा विरोध प्रदर्शन जारी रखा गया। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए रिम्स और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। अंतिम सूचना मिलने तक इस मामले में किसी अतिरिक्त घायल या गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी, जबकि प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाए गए आरोपों पर भी प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।

कोलकाता में सीएम शुभेंदु के मंच पर दिखे फिरहाद व ममता बनर्जी की भाभी

एजेंसी, कोलकाता

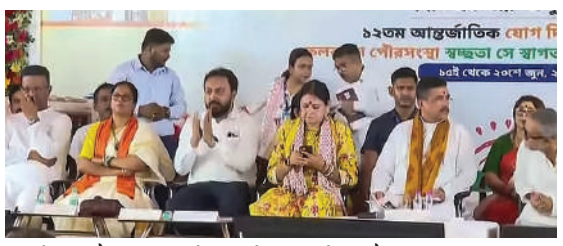

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार कोलकाता नगर निगम (केएमसी) मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान मंच और कार्यक्रम स्थल पर तृणमूल कांग्रेस से जुड़े कई प्रमुख नेता, पार्षद और पूर्व जनप्रतिनिधि मौजूद दिखाई दिए। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भाभी तथा वार्ड संख्या 73 की पार्षद काजरी बनर्जी भी उपस्थित रहीं। उनके अलावा केएमसी के पूर्व मेयर और हाल ही में पद से इस्तीफा देने वाले फिरहाद हाकिम भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर पार्षद अनन्या बनर्जी, जुई विश्वास, पूर्व विधायक देबाशीष कुमार सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। कार्यक्रम में राज्य मंत्री शशि पांजा की बेटी और मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य के पुत्र की उपस्थिति भी चर्चा का विषय रहा। केएमसी में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने "स्वच्छता से स्वागत" अभियान का शुभारंभ किया। मंच पर उनके साथ दक्षिण कोलकाता की सांसद माला राय, संदीपन साहा और जावेद खान भी मौजूद रहे। राजनीतिक रूप से इस कार्यक्रम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि मुख्यमंत्री बनने के बाद शुभेंदु अधिकारी की नगर निगम में यह पहली आधिकारिक उपस्थिति थी। कार्यक्रम में विभिन्न दलों और राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़े जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता, नागरिक सेवाओं और शहरी विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई तथा नगर निगम क्षेत्र में चलाए जाने वाले स्वच्छता अभियानों को लेकर भी संदेश दिया गया।

भारतीय रेलवे ने गुजरात के अहमदाबाद मंडल के लिए 140 करोड़ रुपये के कवच प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने गुजरात में रेल सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए अहमदाबाद मंडल में स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' संस्करण 4.0 की स्थापना के लिए 140 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी है। रेल मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल में 598 रूट किलोमीटर और 48 ब्लॉक सेक्शनों पर कवच प्रणाली स्थापित की जाएगी। इस परियोजना को भारतीय रेलवे के शेष मार्गों पर एलटीई आधारित संचार नेटवर्क के साथ कवच उपलब्ध कराने के व्यापक कार्यक्रम के तहत स्वीकृति दी गई है। मंत्रालय ने बताया कि अहमदाबाद मंडल में इससे पहले लगभग 702 रूट किलोमीटर पर कवच कार्य पहले ही स्वीकृत किया जा चुका है। नई परियोजना की मंजूरी के बाद मंडल के शेष मार्ग भी कवच प्रणाली के दायरे में आ जाएंगे, जिससे पूरे मंडल में इस अत्याधुनिक सुरक्षा तकनीक का व्यापक विस्तार सुनिश्चित होगा। कवच भारतीय रेलवे द्वारा विकसित एक स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) प्रणाली है, जो रेल परिचालन सुरक्षा को बढ़ाने के लिए तैयार की गई है। यह सिग्नल पासिंग एट डेंजर (एसपीएडी) जैसी घटनाओं को रोकने, आवश्यक होने पर स्वतः ब्रेक लगाने, संवेदनशील परिस्थितियों में ट्रेन की गति नियंत्रित करने तथा टक्कर के जोखिम को कम करने में सक्षम है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त ने की औद्योगिक इकाइयों के साथ सीएसआर से संबंधित समीक्षा बैठक

रामगढ़ः सोमवार को उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में जिले के औद्योगिक इकाइयों के साथ सीएसआर से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।. सभी औद्योगिक इकाई वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए करें सीएसआर प्लान तैयारः-* उपायुक्त ने सभी औद्योगिक इकाइयों को अपने-अपने सीएसआर टीम के साथ बैठक कर वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सीएसआर प्लान तैयार कर जिला द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रपत्र में प्रतिवेदन 3 दिनों के अंदर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

. कारखानो में होने वाले दुर्घटनाओं को करे शून्यः-* बैठक के दौरान उपायुक्त ने कारखाने के दुर्घटनाओं को शून्य करने के मद्देनजर सभी औद्योगिक इकाइयों को सेफ्टी नॉर्म्स पर कार्य करने एवं सभी कर्मियों को सेफ्टी ट्रेनिंग करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी कर्मी सेफ्टी टूल्स पहनकर कार्य करें या सुनिश्चित कराने का भी निर्देश दिया।सभी औद्योगिक इकाई अनिवार्य रूप से व्यावसायिक स्वास्थ्य केंद्र(ओएचसी) करें स्थापितः-* उपायुक्त ने सभी औद्योगिक इकाइयों को निश्चित रूप से व्यवसायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने सभी 40 वर्ष से अधिक उम्र के कर्मियों का हेल्थ एग्जामिनेशन रिपोर्ट जिला उद्योग केंद्र को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।. भारत सरकार के चार लेबर कोड का करें पालनः-* बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी औद्योगिक इकाइयों को भारत सरकार के चार लेबर कोड- वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, व्यावसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता 2020 का निश्चित रूप से पालन करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने अपने कारखाने में किसी भी चाइल्ड लेबर को नहीं रखने का निर्देश दिया।. सभी औद्योगिक इकाई बने निक्षय मित्रः-* रामगढ़ जिला को टीबी मुक्त बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त ने टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सीएसआर मद के तहत टीबी से जूझ रहे मरीज को गोद लेते हुए निक्षय मित्र बनने का निर्देश सभी औद्योगिक इकाइयों को दिया।बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त रामगढ़, सिविल सर्जन रामगढ़, जिला शिक्षा पदाधिकारी रामगढ़, नजारत उपसमाहर्ता रामगढ़, जिला खनन पदाधिकारी रामगढ़, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी रामगढ़ सहित अन्य पदाधिकारी एवं विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आवासीय स्कूल में 11 वर्षीय छात्र की संदिग्ध मौत, जांच शुरू

बोकारो : चंद्रपुरा प्रखंड के अलारगो गांव निवासी जयलाल साव के 11 वर्षीय पुत्र शशांक कुमार साव की गिरिडीह जिले के सरिया स्थित संत जेवियर्स आवासीय स्कूल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में शोक व्याप्त है, वहीं क्षेत्र में चिंता का माहौल है।

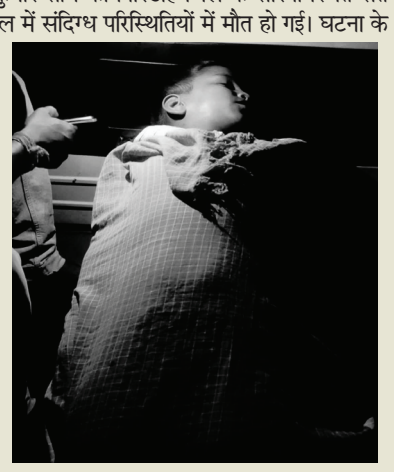

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शशांक कुमार साव गर्मी की छुट्टियों के बाद महज दो दिन पूर्व ही विद्यालय लौटा था। रविवार को स्कूल परिसर में उसकी मौत की सूचना मिलने के बाद परिजन तत्काल वहां पहुंचे। घटना की परिस्थितियों को लेकर उन्होंने संदेह जताते हुए मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

मृतक के परिजनों ने विद्यालय प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए स्थानीय थाना में शिकायत दर्ज कराई है तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि छात्र की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी पूरी सच्चाई सामने आनी चाहिए।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है।

रेलवे ट्रैक किनारे युवक का शव, युवती गंभीर रूप से घायल

बोकारो : आद्रा रेल मंडल के तलगड़िया-महुदा रेलखंड स्थित बारकी सिंघडीह रेलवे पुल के समीप सोमवार तड़के एक युवक का शव मिलने और एक युवती के गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घायल युवती को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के डूमरदाहा गांव निवासी 24 वर्षीय श्रीकांत देशवाली के रूप में हुई है। वहीं घायल 21 वर्षीय युवती धनबाद जिले के तोपचांची क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही है। उसका इलाज धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) में चल रहा है।

आरपीएफ के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त ओम प्रकाश मोहंती ने बताया कि सोमवार सुबह करीब चार बजे रेलवे ट्रैक के किनारे युवक का शव और कुछ दूरी पर युवती घायल अवस्था में मिली। सूचना मिलने के बाद महुदा आरपीएफ और स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि घायल युवती को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया। घटना के कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रहे हैं। युवती के बयान के बाद घटना से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

सफलता की नई उड़ानः ममता देवी की स्वावलंबन की कहानी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोलाः झारखंड राज्य के रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत आँराडीह गाँव की रहने वाली ममता देवी का जीवन कभी अभावों और संघर्षों के साए में बीत रहा था। ममता देवी के पति पेशे से एक साधारण किसान थे, जो पारंपरिक रूप से खेती कर किसी तरह परिवार का पेट पालने की कोशिश करते थे। कमाई का कोई दूसरा जरिया न होने के कारण ममता देवी को भी दूसरों के घरों में जाकर मजदूरी करनी पड़ती थी। दिन भर की कड़ी मेहनत के बाद भी इतनी आमदनी नहीं हो पाती थी जिससे परिवार का भरण-पोषण सही तरीके से हो सके। कच्चे मकान की टपकती छत, बुनियादी सुविधाओं की कमी और बच्चों को एक अच्छे स्कूल में न पढ़ा पाने की बेबसी ममता देवी को अंदर ही अंदर सता रही थी। हर दिन सुबह उठकर सिर्फ एक ही चिंता सताती थी कि आज का दिन कैसे कटेगा और बच्चों के भविष्य का क्या होगा।*

समय का पहिया घूमा और ममता देवी के जीवन में उम्मीद की एक नई किरण चमकी। वर्ष जून 2013 में जब गाँव में जेएसएलपीएस (JSLPS) की सक्रिय दीदियों के सहयोग से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक बैठक बुलाई गई। सक्रिय दीदी ने गाँव की महिलाओं को समूह के महत्व, बचत के फायदों और आपस में मिलकर आगे बढ़ने के तरीकों के बारे में विस्तार से समझाया। ममता देवी ने भी इस बदलाव का हिस्सा बनने का फैसला किया और वह गाँव की अन्य महिलाओं के साथ मिलकर दिनांक 30-06-2013 को गठित 'पार्वती महिला मंडल' से जुड़ गई। इस समूह में कुल 11 सदस्य शामिल हुए। सभी महिलाओं ने मिलकर हर सप्ताह 20 की बचत करना शुरू किया। यह सिर्फ रुपयों की बचत नहीं थी, बल्कि ममता देवी के आत्मनिर्भर बनने के सपनों की पहली पूंजी थी।

समूह में लगातार होने वाली साप्ताहिक बैठकों ने ममता देवी के अन्दर एक नया आत्मविश्वास जगा दिया। उन्होंने देखा कि यहाँ ब्याज की दरें बहुत कम थीं और बाजार के महाजनों के चंगुल से बचने का यह सबसे सुरक्षित रास्ता था। अपने परिवार को गरीबी के दलदल से बाहर निकालने के लिए ममता देवी ने समूह से 15,000 का ऋण लिया और इसके बाद बैंक लिंकेज से 24,000 का ऋण भी प्राप्त किया। अपनी इस हिम्मत को और मजबूत करने के लिए उन्होंने अपनी खुद की बचत से 5,000 और मिलाए। इस प्रकार कुल जमा पूंजी से उन्होंने सब्जी खेती और बकरी पालन का व्यवसाय शुरू करने का फैसला किया। पारंपरिक सब्जी खेती (टमाटर, मिर्चा, नेनुआ) के साथ-साथ अब ममता देवी का बकरी पालन का यह नया व्यवसाय उनके परिवार के लिए संजीवनी बूटी साबित हुआ।

मेहनत और सही दिशा में उठाए गए कदमों का रंग जल्द ही दिखने लगा। ममता देवी की मेहनत रंग लाई और उनका बकरी पालन तथा सब्जी खेती का काम तेजी से आगे बढ़ने लगा। पिछले वर्ष 4 बकरियां बेच कर 60,000 रुपये कि मुनाफा कमाई थी। वर्तमान में उनके पास 5 बकरियां है। जहाँ कभी एक-एक पैसे के लिए दूसरों के सामने हाँथ फैलाना पड़ता था, आज ममता देवी इस व्यवसाय से हर वर्ष लगभग 80,000 तक की सम्मानजनक कमाई कर रही हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि वह एक जिम्मेदार सदस्य की तरह समय पर अपने समूह की किश्त और ब्याज की राशि भी वापस लौटा रही हैं। आज उनका परिवार एक अच्छे मकान में रहता है, खान-पान का स्तर सुधरा है और सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि उनके बच्चे अब गाँव के अच्छे स्कूल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिला रही हैं। ममता देवी के चेहरे की मुस्कान अब उनके परिवार की खुशहाली की गवाही देती है।

ममता देवी की कहानी यहीं नहीं रुकती, बल्कि उनके हौसले अब और ऊंचे हो चुके हैं। भविष्य को लेकर उनकी योजनाएं बेहद स्पष्ट और दूरदर्शी हैं। वह अपनी इस आजीविका को और बड़े पैमाने पर फैलाना चाहती हैं। आने वाले समय में वह पारंपरिक खेती को छोड़कर आधुनिक और 'तकनीकी कृषि' (Technical Farming) को अपनाने की तैयारी कर रही हैं, ताकि कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सके। इसके साथ ही वह बकरी पालन के व्यवसाय को भी और वैज्ञानिक तरीके से आगे बढ़ाएंगी। ममता देवी कहती हैं कि उनका मुख्य लक्ष्य अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाना और समाज में एक सम्मानजनक स्थान दिलाना है। जेएसएलपीएस के मार्गदर्शन में ममता देवी आज आँराडीह गाँव की ही नहीं, बल्कि पूरे प्रखण्ड की महिलाओं के लिए प्रेरणा का एक जीवंत उदाहरण बन चुकी हैं।

विधायक प्रतिनिधि ने उत्क्रमित उच्च विद्यालय बेटूलकला हिंदी का किया औचक निरीक्षण, शिक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला । विधायक प्रतिनिधि सह मुखिया जाकिर अख्तर ने सोमवार को बेटूलकला उत्क्रमित उच्च विद्यालय हिंदी का औचक निरीक्षण किया ।इस दौरान विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों ,विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षकों की उपस्थिति, मध्यान भोजन, स्वच्छता व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कक्षाओं में चल रही पढ़ाई का अवलोकन किया गया तथा विद्यार्थियों से विभिन्न विषयों से संबंधित प्रश्न पूछ कर उनके शैक्षणिक स्तर की जानकारी ली गई ।विद्यालय में सुविधाओं एवं अन्य की भी जांच की गई ।निरीक्षण के दौरान जिन कमियों की पहचान की गई उन्हें शीघ्र

दूर करने हेतु प्रधानाध्यापक एवं विद्यालय प्रबंधन समिति को आवश्यक निर्देश दिया गया। साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता एवं अनुशासित वातावरण बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है तथा विद्यालयों में नियमित निरीक्षण जारी रहेगा विद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मियों को अपने दायित्वों का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करने को कहा गया निरीक्षण के दौरान पंचायत के निम्न प्रतिनिधि शामिल रहे विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मोहम्मद इकबाल सीआरपी देव कुमार महतो वार्ड सदस्य सुरेंद्र कुमार महतो मंसू करमाली मंजू देवी चिंता देवी ललिता देवी जीपीसी के मेंबर होलिका देवी,रेखा आदि मौजूद थे।

सिविल सर्जन ने किया गोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण, स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर दिया जोर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला । रामगढ़ के सिविल सर्जन ने सोमवार को गोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं आधारभूत संरचनाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल भवन, बाउंड्री वॉल, मुख्य प्रवेश द्वार, वार्डों, परिसर की स्वच्छता तथा उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। इस दौरान सिविल सर्जन ने अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आवश्यक सुधार कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विभिन्न व्यवस्थाओं का आकलन कर आवश्यकतानुसार सुधारात्मक पहल करने के संकेत दिए। बताया जाता है कि अस्पताल परिसर एवं चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए कई बिंदुओं पर गंभीरता से विचार किया गया। निरीक्षण के दौरान कुछ ग्रामीणों ने अस्पताल के मुख्य गेट

के समीप संचालित चिकन एवं मांस बिक्री केंद्रों से होने वाली परेशानियों की ओर भी ध्यान आकृष्ट कराया। ग्रामीणों का कहना है कि मुर्गा कटिंग होने से , गंदगी, दुर्गंध और मक्खियों के कारण अस्पताल आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल के प्रवेश मार्ग के समीप अतिक्रमण की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि सिविल सर्जन के निरीक्षण के बाद अस्पताल परिसर की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और आसपास की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे, जिससे मरीजों को बेहतर और स्वच्छ वातावरण में स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप, पांच परिवारों का रास्ता बंद होने की आशंका

» भूली के पंचवटी नगर में दिनदहाड़े नींव डालकर अतिक्रमण का प्रयास, उपायुक्त से कार्रवाई की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

भूली (धनबाद): भूली के पंचवटी नगर स्थित शिव मंदिर के समीप सरकारी गैरमजरूआ जमीन पर कथित कब्जे को लेकर विवाद गहरा गया है। इलाके के पांच परिवारों ने आरोप लगाया है कि भू-माफियाओं द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है, जिससे उनके घरों तक पहुंचने वाला वर्षों पुराना रास्ता बंद होने की स्थिति में आ गया है। पीड़ितों ने मामले में धनबाद उपायुक्त को लिखित आवेदन देकर हस्तक्षेप और कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतकर्ताओं में इंद्रदेव चौहान, सुनैना देवी, पार्वती देवी, मनोरमा देवी एवं मुकेश सिंह शामिल हैं। सभी पंचवटी नगर, भूली के निवासी हैं। आवेदन में

कहा गया है कि उनके पूर्वजों ने वर्ष 2010 में मौजा भूली के खाता संख्या-2 अंतर्गत विभिन्न भूखंड खरीदकर मकान बनाया था और तब से परिवार वहीं निवास कर रहे हैं। घरों तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता सरकारी जमीन से होकर गुजरता है, जिसका उपयोग वर्षों से किया जाता रहा है।

पीड़ित परिवारों का आरोप है कि स्थानीय निवासी लालु कोड़ा उर्फ लालु मोदी द्वारा उक्त सरकारी जमीन पर पड़ने वाले रास्ते के किनारे बाउंड्री निर्माण के उद्देश्य से नींव काटकर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। विरोध करने पर गाली-गलौज, धमकी और मारपीट किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। परिवारों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य नहीं रोका गया तो उनके घरों का मुख्य मार्ग पूरी तरह बाधित हो जाएगा।

ग्रामीणों ने प्रशासन से सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते हस्तक्षेप नहीं हुआ तो पांच परिवारों का आवागमन प्रभावित हो जाएगा।

न्याय की उम्मीद लेकर पीड़ित परिवारों की महिलाएं रविवार को धनबाद के मेयर संजीव सिंह से मिलने उनके सरायढेला स्थित आवास पहुंचीं। हालांकि वहां से उन्हें झरिया-कतरास मोड़ स्थित कार्यालय भेज दिया गया। महिलाओं का कहना है कि वे दिनभर मुलाकात की प्रतीक्षा करती रहीं, लेकिन मेयर से भेंट नहीं हो सकी। इससे परिवारों में निराशा बढ़ गई है।

पीड़ित परिवारों ने बताया कि वे सबसे पहले शिकायत लेकर भूली ओपी पहुंचे थे, लेकिन वहां से भी उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। उनका आरोप है कि शिकायत के बावजूद न तो स्थल निरीक्षण किया गया और न ही रास्ता घेरने के प्रयास को रोकने के लिए कोई प्रभावी कदम उठाया गया। इससे अतिक्रमण करने वालों का मनोबल बढ़ रहा है।

पीड़ित परिवारों ने जिला प्रशासन से अविलंब जांच कर सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने तथा उनके आवागमन के अधिकार की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। अब पूरे मामले में प्रशासन की कार्रवाई पर स्थानीय लोगों की नजरें टिकी हुई हैं।

करमा परियोजना में एसी एसटी ओबीसी एम्पलाइज कोऑर्डिनेशन कौंसिल का पुनर्गठन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। सीसीएल करमा परियोजना में सोमवार को एसी एसटी ओबीसी एम्पलाइज कोऑर्डिनेशन कौंसिल की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सीसीएल करमा परियोजना शाखा कमेटी का पुनर्गठन किया गया। मौके पर ओबीसी कौंसिल कोल इंडिया अध्यक्ष राजकुमार महतो, सीसीएल अध्यक्ष रामशब्द राम, करमा परियोजना चुनाव प्रभारी सह क्षेत्रीय सचिव नईसराय तेजू रविदास, कुजू क्षेत्रीय अध्यक्ष मिश्रलाल मुंडा उपस्थित हुए। उनका स्वागत अंगवस्त्र देकर किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से शाखा कमेटी का पुनर्गठन किया गया।

इस पुनर्गठित कमेटी में आशू कुमार अध्यक्ष, सुरेश मांझी सचिव, राजेन्द्र मुंडा कोषाध्यक्ष, मनोज कुमार मुंडा व बिनोद महतो उपाध्यक्ष, राम मुंडा व शेख समिउलल्लाह सह सचिव, रामसेवक केवट सह कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं।

ट्रांसजेंडर समुदाय के सम्मान एवं सशक्तिकरण की दिशा में गरिमा गृह का उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः सोमवार को ट्रांसजेंडर समुदाय के सम्मान, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से स्माइल योजना के अंतर्गत मंथन संस्था द्वारा संचालित गरिमा गृह का उद्घाटन उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार है तथा गरिमा गृह ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को सुरक्षित आश्रय, सामाजिक सुरक्षा, परामर्श, कौशल विकास एवं मुख्यधारा से जुड़ने के अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय लंबे समय से सामाजिक चुनौतियों का सामना करता रहा है। ऐसे में गरिमा गृह न केवल उन्हें सुरक्षित आवास उपलब्ध

कराएगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कानूनी सहायता, मानसिक परामर्श, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण तथा आत्मनिर्भर बनने के अवसर भी प्रदान करेगा। इससे समुदाय के सदस्यों को सम्मानजनक जीवन जीने और समाज की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी निभाने में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने गरिमा गृह का निरीक्षण किया तथा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों की रक्षा एवं उनके समग्र विकास के लिए सरकार एवं सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं।

मंथन संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि गरिमा गृह के माध्यम से ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। कार्यक्रम में उपस्थित समुदाय के सदस्यों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए इसे अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला कदम बताया।

कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी सदस्य ममता अरोड़ा, चाइल्ड प्रोविजनल ऑफिसर आनंद कुमार, ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड के श्वेता किन्नर, मंथन के सचिव बिपलब महतो, कोषाध्यक्ष द्विज पद महतो, प्रबंधक धनंजय कुमार, पंकज कुमार, शक्ति कुमार, नीलकमल महतो, सूरज कुमार, रणजीत सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथि एवं समुदाय के सदस्य उपस्थित रहे।

मगनपुर पंचायत भवन में हुई बैठक, पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाने का लिया गया संकल्प

» पीएम आवास योजना के लाभुक चयन पर मंथन, पात्र परिवारों को प्राथमिकता देने पर जोर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला । गोला प्रखंड अंतर्गत मगनपुर पंचायत भवन में सोमवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचायत के मुखिया, उपमुखिया, वार्ड सदस्य, पंचायत सेवक सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया और योजना के लाभुकों के चयन को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ केवल वास्तविक एवं पात्र जरूरतमंद परिवारों तक ही पहुंचे। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि आर्थिक रूप से कमजोर तथा सरकार द्वारा निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा। मौके पर पंचायत के मुखिया नुरुल्ला अंसारी ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही लोगों तक पहुंचाना पंचायत की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी वार्ड सदस्यों से अपने-अपने क्षेत्रों में सर्वे कर योग्य लाभुकों की पहचान करने तथा उनकी सूची तैयार करने का आग्रह किया ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना के लाभ से वंचित न होना पड़े। बैठक में लाभुक चयन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाने पर भी बल दिया गया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि चयन प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता या पक्षपात नहीं होना चाहिए और जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बैठक में उपमुखिया अकबर अंसारी, पंचायत सेवक कंचन कुमारी, महाबीर करमाली, फ़हिम अंसारी, साकिम अंसारी, मुमताज अंसारी, यासीन अंसारी, रेखा देवी, सरिता देवी, असलम अंसारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने योजना को सफलतापूर्वक धरातल पर उतारने और पात्र लाभुकों तक इसका लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

थाना मोड़ में सात दिनों तक बहती रही शिवभक्ति की अविरल गंगा

» हवन और भंडारे के साथ शिव महापुराण कथा संपन्न, हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा इलाका

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : नगर के सेक्टर 3 स्थित थाना मोड़ के प्रतिष्ठित श्रीश्री सार्वजनिक दुर्गा मंदिर प्रांगण में पिछले सात दिनों से चल रहा अलौकिक आध्यात्मिक महाअनुष्ठान रविवार को भव्य पूर्णाहुति, वैदिक हवन और विशाल भंडारे के साथ संपन्न हो गया। पूरा हफ्ता बोकारो का यह क्षेत्र शिवभक्ति की पावन सरिता में पूरी तरह सराबोर रहा, जहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में उमड़े श्रद्धालु देवाधिदेव महादेव की अगाध कृपा और उनकी अनंत महिमा की ज्ञानगंगा में गोते लगाते रहे। पूरे सात दिनों तक सुबह से लेकर देर रात तक संपूर्ण इलाका हर-हर महादेव के गगनभेदी जयघोष और ऊँ नमः शिवाय के मंत्रोच्चार से गुंजायमान बना रहा, जिससे संपूर्ण वातावरण पूरी तरह शिवमय और दिव्य ऊर्जा से ओत-प्रोत नजर आया। मंदिर के मुख्य पुजारी संजय पांडेय ने इस धार्मिक समापन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सप्त दिवसीय इस संगीतमय कथा की पूर्णता पर सोमवार को महाहवन का आयोजन किया गया, जिसमें सुप्रसिद्ध कथावाचक व्यास संतोष पांडेय ने अपनी धर्मपत्नी के साथ मुख्य यजमान के रूप में सम्मिलित होकर विश्व कल्याण की कामना के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पवित्र अग्नि में आहुतियां प्रदान कीं। इस दौरान बाबा बासुकिनाथ धाम से पधारे विद्वान पुजारी बीरेन्द्र पांडेय ने संपूर्ण हवन, पुष्पांजलि, विसर्जन और महाआरती के अनुष्ठान को पूरे विधि-विधान से संपन्न करवाया, जिसके बाद पूरा पंडाल बाबा के जयकारों से गूंज उठा।

उल्लेखनीय है कि इस सात दिवसीय आध्यात्मिक यात्रा के दौरान कथाव्यास संतोष पांडेय ने अपनी अमृतमयी वाणी से बोकारोवासियों को भगवान शिव के विभिन्न अलौकिक प्रसंगों का रसपान कराया। कथा के शुरुआती दिनों में जहां आदि ज्योतिर्लिंग प्राकट्य की महिमा और माता सती के आत्मदाह के प्रसंग ने भक्तों को गंभीर किया, वहीं राजा हिमवान के घर माता पार्वती के शैलपुत्री रूप में पुनर्जन्म और शिव को पति रूप में पाने के लिए की गई उनकी घोर तपस्या की कथा ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा के मध्य में जब शिव-पार्वती के अलौकिक विवाह का प्रसंग आया और भूत-प्रेत, डाकिनी-शाकिनी व ऋषियों से सजी शिव की विचित्र बारात की भव्य जीवंत झांकी प्रस्तुत की गई, तो पूरा पंडाल भक्ति में झूम उठा था। इसके बाद के दिनों में देवसेनापति कुमार कार्तिकेय के जन्म, प्रतापी राक्षस तारकासुर के वध, माता पार्वती के उबटन से प्रथम पूज्य बालक गणेश की रचना, उनके धड़ पर गजमुख की प्राप्ति तथा अत्याचारी दैत्य जालंधर के वध और वृंदा के पतिव्रत धर्म की अमर कथाओं का अत्यंत मार्मिक वर्णन व्यासपीठ से किया गया था। व्यास ने शिवजी को अत्यंत प्रिय बेलपत्र की दिव्य महिमा समझाते हुए कहा था कि इसके दर्शन और स्पर्श मात्र से मनुष्य के तीन जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं और सांसारिक जीवन में माता-पिता व बुजुर्गों की सेवा ही वास्तविक सत्यकर्म और सबसे बड़ी शिव पूजा है।

इस सात दिवसीय ज्ञानयज्ञ की पूर्णाहुति के उपरांत मंदिर परिसर में एक विशाल एवं भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बोकारो शहर और आस-पास के सुदूर क्षेत्रों से आए हजारों महिला व पुरुष श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर पूरी श्रद्धा के साथ महाप्रसाद ग्रहण किया। इस ऐतिहासिक और भव्य धार्मिक महा-आयोजन को लगातार सात दिनों तक सुचारू रूप से संचालित करने, व्यवस्था बनाए रखने तथा अंतिम दिन भंडारे व विसर्जन कार्यक्रम को पूरी भव्यता के साथ सफल बनाने में दुर्गा मंदिर समिति के प्रबुद्ध सदस्यों ने बढ़-चढ़कर अपना सराहनीय योगदान दिया। इसमें मुख्य रूप से राजकुमार श्रीवास्तव, लाल बाबू यादव, मुकेश सिंह, नवीन सिंह, संजू श्रीवास्तव, मनोज कुमार, प्रकाश गौतम, योगेंद्र सिंह, अरुण झा, अरुण सिंह, राजेश सॉ, सुखदेव सिंह और संतोष सिंह सहित भारी संख्या में स्थानीय युवाओं, माताओं-बहनों और ऊर्जावान स्वयंसेवकों की टोली पूरे समर्पण भाव से मुस्तैद रही।

बोकारो में राजस्व-संग्रहण की सुस्त रफ्तार पर विफरे डीसी, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की दी चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो समाहरणालय सभागार कक्ष में सोमवार को उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा की अध्यक्षता में राजस्व संग्रहण एवं भू-संबंधित मामलों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिले के विभिन्न सरकारी विभागों की मासिक राजस्व प्राप्ति, लंबित फाइलों की वर्तमान स्थिति तथा भूमि एवं आधारभूत संरचना से जुड़े गंभीर विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने सख्त लहजे में कहा कि राजस्व संग्रहण शासन की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने वाणिज्य कर बोकारो एवं बेरमो, जिला खनन विभाग, उत्पाद विभाग, जिला परिवहन कार्यालय, मोटरयान निरीक्षक कार्यालय, बाजार समिति चास एवं बेरमो, मापतौल विभाग, नगर निगम चास तथा नगर परिषद फुसरो के कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। इस दौरान अपेक्षित प्रगति नहीं दिखाने वाले और फिसड्डी साबित हो रहे विभागों के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कार्यप्रणाली में तुरंत सुधार लाने तथा एक विशेष रणनीति बनाकर राजस्व संग्रहण के निर्धारित लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने का सख्त निर्देश दिया गया।

अंचल स्तर पर लगाएं विशेष शिविर– जिले में भूमि संबंधी मामलों के त्वरित और पारदर्शी निष्पादन के लिए उपायुक्त ने अंचल स्तर पर विशेष शिविर (स्पेशल कैंप) आयोजित करने का एक बड़ा निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए एक पूर्व निर्धारित कैलेंडर तैयार किया जाए और लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम ग्रामीणों और शहरी नागरिकों को अपने ही

काम के लिए सरकारी दफ्तरों के अनावश्यक चक्कर न काटने पड़ें। बैठक में लंबित दाखिल-खारिज (ऑनलाइन म्यूटेशन) मामलों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी संबंधित अंचलाधिकारियों को निष्पादन की गति बढ़ाने का निर्देश दिया। वहीं, डीसीएलआर स्तर पर लंबित म्यूटेशन अपील मामलों की समीक्षा करते हुए उन्होंने चास एवं बेरमो के डीसीएलआर को खुद नियमित रूप से कोर्ट लगाकर त्वरित सुनवाई करने और सालों से लटके इन मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने को कहा।

औद्योगिक घरानों और आधारभूत संरचना से जुड़े भूमि विवाद सुलझेंगे– बैठक के अगले चरण में उपायुक्त ने भू-हस्तांतरण, लीज बंदोबस्ती एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र से संबंधित मामलों की भी विभागवार और संस्थानवार समीक्षा की। उन्होंने सीसीएल कथारा, बीएंडके, राजरप्पा, ओएनजीसी एवं एनएचएआई सहित विभिन्न बड़ी औद्योगिक व सार्वजनिक उपक्रमों से जुड़े आधारभूत संरचना संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए चास और बेरमो के अनुमंडल पदाधिकारियों को आवश्यक और कड़े दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास योजनाओं और उद्योगों के विस्तार में जमीन का कोई भी पेंच आड़े नहीं आना चाहिए। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, प्रशिक्षु आइएएस अरविन्द, डीएलएओ अनुराधा कुमारी, एसडीओ बेरमो मनोज कुमार, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह, सभी अंचलाधिकारी एवं संबंधित विभागों व संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पेटरवार, जरीडीह और गोमिया में बनेंगे आधुनिक इको विलेज– जिले के समग्र और पर्यावरण अनुकूल विकास को बढ़ावा देने के लिए उपायुक्त ने बैठक में मौजूद विभिन्न औद्योगिक एवं सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने सभी कंपनियों से अपने-अपने पोषक (माइनिंग व प्लांट) क्षेत्रों में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत जनकल्याणकारी और बुनियादी कार्यों को प्राथमिकता देने तथा स्थानीय जनसमस्याओं के समाधान में सक्रिय व जवाबदेह भूमिका निभाने का आह्वान किया। इसके साथ ही, जिले को पर्यावरण के क्षेत्र में मॉडल बनाने के उद्देश्य से डीसी ने पेटरवार, जरीडीह एवं गोमिया प्रखंडों में कम्युनिटी फॉरेस्ट रिसोर्स राइट के अंतर्गत इको विलेज विकसित करने का एक बड़ा खाका खींचा। उन्होंने संबंधित अंचलाधिकारियों को इन तीनों प्रखंडों में इसके लिए उपयुक्त और विवादमुक्त सरकारी भूमि चिन्हित कर जल्द से जल्द विस्तृत प्रस्ताव जिला कार्यालय को भेजने का निर्देश दिया।

बीजीएच में विश्व रक्तदान दिवस पर लगा स्वैच्छिक शिविर, फेडरेशन की पहल पर जुटे रक्तवीर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र की ओर से विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के रक्त केंद्र परिसर में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सेल एससी/एसटी एम्प्लाइज फेडरेशन तथा सीआईएसएफ (बीएसएल-बोकारो यूनिट) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस पुनीत का विधिवत उद्घाटन बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मानवीय अभियान में संयंत्र के कर्मियों, सुरक्षा बलों और स्थानीय युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसके फलस्वरूप शिविर में कुल 22 यूनिट सुरक्षित रक्त संग्रहित किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) ने रक्तदाताओं के जज्बे को सलाम किया और कहा

कि रक्तदान वास्तव में महादान है। दान की गई रक्त की महज एक इकाई किसी भीषण दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति अथवा किसी असाध्य बीमारी से जूझ रहे मरीज के लिए जीवनदायिनी साबित हो सकती है।

उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि रक्तदान न केवल किसी अमूल्य जीवन को बचाने का एक सशक्त माध्यम है, बल्कि यह हमारे अंतस और संपूर्ण समाज में सेवा, करुणा एवं सच्ची मानवता की भावना को भी सुदृढ़ करता है। उन्होंने युवाओं सहित सभी जिम्मेदार नागरिकों से नियमित अंतराल पर स्वैच्छिक रक्तदान करने तथा अपने आस-पास के लोगों को भी इस कल्याणकारी कार्य के लिए निरंतर प्रेरित करने का पुरजोर आह्वान किया। इस स्वैच्छिक रक्तदान शिविर को पूरी तरह सफल और सुचारु बनाने में सेल एससी/एसटी एम्प्लाइज फेडरेशन तथा सीआईएसएफ के सदस्यों का बेहद सराहनीय योगदान रहा। इसके साथ ही, बोकारो जनरल अस्पताल के रक्त केंद्र के विशेषज्ञ चिकित्सकों, चिकित्सा कर्मियों एवं अन्य सहकर्मियों ने भी शिविर के उत्कृष्ट संचालन में अपनी सक्रिय और अग्रणी भूमिका निभाई।

दहेज हत्या कांड में छह साल बाद पश्चिम बंगाल से सास-ससुर गिरफ्तार

» कसमार पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेजा जेल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार थाना क्षेत्र के बहुचर्चित दहेज हत्या कांड में करीब छह वर्षों से फरार चल रहे मृतका संगीता देवी के सास-ससुर (शेरुबनी देवी एवं अलकु सिंह) को कसमार पुलिस ने पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के कोटशिला-चितमू क्षेत्र से गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। यह कार्रवाई पुलिस पदाधिकारी रोजित आलम के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर की गई। मामला दांतू गांव के जोरियापार टोला निवासी लोधर सिंह की पुत्री संगीता देवी की मौत से जुड़ा है। प्राथमिकी के अनुसार, संगीता की शादी के समय उसके परिजनों ने 81 हजार रुपये नकद सहित अन्य उपहार दिए थे। शादी के कुछ समय बाद एक पुत्री के जन्म के उपरांत पति और

ससुराल पक्ष ने अतिरिक्त एक लाख रुपये दहेज की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी नहीं होने पर संगीता को लगातार प्रताड़ित किया जाने लगा। आरोप है कि उसका पति शराब के नशे में अक्सर मारपीट करता था और बाद में उसे उसकी 15 माह की बच्ची के साथ मायके भेज दिया गया। परिजनों के अनुसार, सामाजिक स्तर पर समझौते के प्रयास के बाद 20 जुलाई 2020 को संगीता को फिर से ससुराल भेजा गया। लेकिन दो दिन बाद ही 22 जुलाई को पति, सास और ससुर ने मिलकर उस पर तेल छिड़ककर आग लगा दी। गंभीर रूप से झुलसी संगीता को इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स में भर्ती कराया गया, जहां 29 जुलाई 2020 को उसकी मौत हो गई।

मृत्यु से पहले संगीता ने अपनी मां को पूरी घटना की जानकारी देते हुए ससुराल पक्ष पर आग लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया था। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस लगातार उनकी तलाश में जुटी थी और आखिरकार छह साल बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली।

बोकारो थर्मल के लाल यश राज ने बढ़ाया मान, भारतीय सेना में बने लेफ्टिनेंट

राष्ट्रीय मुख्यधारा

शिक्षिका के पुत्र ने पहले ही प्रयास में पास की थी एनडीए परीक्षा, युवाओं के लिए बने प्रेरणास्रोत

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल के लिए यह बेहद गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण है, जहां गोविंदपुर डी पंचायत के जनता नगर निवासी यश राज पांडेय ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर पूरे बोकारो जिले का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया है। मेधावी और अनुशासित पृष्ठभूमि से आने वाले लेफ्टिनेंट यश राज पांडेय को सेना के प्रतिष्ठित कॉर्प्स ऑफ सिग्नल्स में बतौर सिग्नल्स ऑफिसर देश सेवा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। बचपन से ही देश सेवा का अटूट संकल्प मन में संजोए रखने वाले यश राज पांडेय की इस ऐतिहासिक सफलता से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है और उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। गोमिया के पिट्स मॉडर्न स्कूल की शिक्षिका माता चंदा कुमारी पांडेय एवं पिता प्रवीण कुमार पांडेय के पुत्र तथा दादा शोभ नाथ पांडेय

एवं दादी कृष्णा देवी के पौत्र यश राज पांडेय शुरू से ही कुशाग्र बुद्धि के रहे हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती शिक्षा डीएवी स्वांग से पूरी की, जहां 10वीं की परीक्षा में उन्होंने 98.6 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। इसके बाद पिट्स मॉडर्न स्कूल, गोमिया से विज्ञान संकाय में 12वीं की पढ़ाई करते हुए उन्होंने 96.7 प्रतिशत अंक लाकर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता को साबित किया।

यश ने अपने जीवन का लक्ष्य बचपन में ही तय कर लिया था और उनका एकमात्र सपना नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) की परीक्षा पास कर भारतीय सेना का हिस्सा बनना था। उनके इस संकल्प को परिवार में भी मजबूत आधार मिला, क्योंकि उनके बड़े चाचा प्रमोद कुमार पांडेय स्वयं सेना में सूबेदार के पद पर कार्यरत हैं और रक्षा सेवा में सक्रिय हैं। अपने इसी सपने को साकार करने के लिए यश ने साल 2022 में अपने पहले ही प्रयास में प्रतिष्ठित एनडीए की कठिन परीक्षा उत्तीर्ण कर इतिहास रच दिया। इसके बाद यश राज पांडेय ने एनडीए के 147वें बैच के तहत खड़कवासला, पुणे (महाराष्ट्र) में तीन साल के बेहद कड़े और अनुशासित सैन्य प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा किया। इसके पश्चात वे इंडियन मिलिट्री एकेडमी (आईएमए), देहरादून (उत्तराखंड) के 158वें बैच का हिस्सा बने, जहां एक साल की उच्च स्तरीय और कठिन ट्रेनिंग पूरी करने के बाद वे भारतीय सेना में बतौर लेफ्टिनेंट कमीशन हुए। अपनी इस शानदार और असाधारण सफलता का पूरा श्रेय वे अपनी माता चंदा कुमारी पांडेय और पिता प्रवीण कुमार पांडेय के कुशल मार्गदर्शन, त्याग और संबल को देते हैं। बोकारो थर्मल के एक साधारण परिवार से निकलकर देश की सीमाओं की रक्षा के लिए सैन्य अधिकारी बनने के उनके इस सफर ने स्थानीय युवाओं के लिए प्रेरणा का एक नया अध्याय लिख दिया है।

तेनुघाट में मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए विशेष कैंप आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : तेनुघाट मध्य विद्यालय में पंचायत मुखिया नीलम श्रीवास्तव की देखरेख में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के तहत विशेष कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के दौरान पंचायत क्षेत्र के तीनों बूथों के बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने मतदाताओं का सत्यापन और मतदाता सूची अद्यतन का कार्य किया।

नीलम श्रीवास्तव ने बताया कि बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा और भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले के सभी मतदान केंद्रों पर प्रत्येक शनिवार और रविवार को विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 13 जून 2026 को जारी निर्देश के अनुसार दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक बीएलओ मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर अनमैप्ड मतदाताओं की मैपिंग का कार्य कर रहे हैं, ताकि मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाया जा सके।

उन्होंने बताया कि मतदान केंद्र के रूप में चिह्नित सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों को निर्धारित समय पर खोलने का निर्देश दिया गया है, जिससे पुनरीक्षण कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके। इस अवसर पर बीएलओ कंचन सहाय, अमन कुमार झा, बबीता देवी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गांडेय विधायक से मिलीं भाटिया एकेडमी की एथलीट पुष्पा, खेल विकास पर हुई सकारात्मक चर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : गांडेय विधानसभा क्षेत्र की प्रतिभाशाली और उभरती भाटिया एथलीट एकेडमी की एथलीट पुष्पा कुमारी ने सोमवार को क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक कल्पना सोरेन से शिष्टाचारवश मुलाकात की। वर्तमान में भाटिया एथलेटिक्स अकादमी में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण ले रहीं पुष्पा कुमारी के साथ इस विशेष अवसर पर उनकी एथलेटिक्स कोच अनुभा खाखा भी मुख्य रूप से उपस्थित थीं। इस गरिमापूर्ण मुलाकात के दौरान क्षेत्र में खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास, ग्रामीण युवाओं को बेहतर खेल प्रशिक्षण एवं आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा एथलेटिक्स के क्षेत्र में छुपी हुई नई ग्रामीण प्रतिभाओं को तराशकर आगे बढ़ाने जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर अत्यंत सकारात्मक और विस्तृत चर्चा हुई।

मुलाकात के क्रम में एथलीट पुष्पा कुमारी ने अपनी अब तक की खेल यात्रा, विभिन्न स्तरों पर हासिल की गई उपलब्धियों और भविष्य की अपनी मुख्य प्राथमिकताओं से विधायक कल्पना सोरेन को विस्तार से अवगत कराया। विधायक कल्पना सोरेन ने पुष्पा कुमारी की कड़ी मेहनत, खेल के प्रति उनके अटूट

समर्पण और प्रतिबद्धता की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके साथ ही उन्होंने विश्वास दिलाया कि क्षेत्र के होनहार खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए हरसंभव सरकारी व प्रशासनिक सहयोग प्रदान किया जाएगा, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पटल पर राज्य का नाम रोशन कर सकें। उल्लेखनीय है कि पुष्पा कुमारी को भाटिया एथलेटिक्स अकादमी के मुख्य संरक्षक प्रशांत अरोरा का निरंतर मार्गदर्शन और मुख्य कोच आशु भाटिया एवं अनुभा खाखा का कुशल खेल निर्देशन मिल रहा है, जिसके दम पर वे लगातार सफलता की ओर अग्रसर हैं।

नशे के अवैध कारोबार की सप्लाई चेन तोड़ना पहली प्राथमिकता : उपायुक्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो में नशे के खिलाफ बोकारो में महाअभियान का आगाज, जागरुकता रथ रवाना

बोकारो : बोकारो जिले को पूरी तरह से नशामुक्त बनाने और निषिद्ध मादक पदार्थों की रोकथाम को लेकर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से सोमवार को समाहरणालय परिसर से एक भव्य जन-जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। इस अवसर पर उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना और उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार सहित अन्य जिले के आला अधिकारियों ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर एक आधुनिक एलईडी प्रचार वाहन को रवाना किया। इस दौरान जिला समाज कल्याण विभाग की ओर से नशामुक्ति के संदेश लिखे रंग-बिरंगे गुब्बारे हवा में उड़ाकर इस अभियान का शंखनाद किया गया। यह विशेष अभियान आगामी 15 जून से शुरू होकर 26 जून तक जिले के विभिन्न हिस्सों में व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा, ताकि समाज के हर वर्ग को इस बुराई के खिलाफ खड़ा किया जा सके। अभियान के उद्घाटन के दौरान समाहरणालय परिसर का माहौल उस समय बेहद संवेदनशील और प्रेरणादायी हो उठा, जब कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक और लोकगीतों के माध्यम से नशे को ना, जिंदगी को हां... का जीवंत संदेश दिया। संगीत और अभिनय के जरिए दिखाया गया कि कैसे नशा हंसते-खेलते परिवारों को उजाड़ देता है। इसके बाद उपायुक्त श्री झा ने वहां उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और आम जनता को नशामुक्ति की सामूहिक शपथ दिलाई। इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं, महिला

पर्यवेक्षिकाओं और विभिन्न विभागों के कर्मियों ने क्रमवार शपथ दोहराते हुए संकल्प लिया कि वे देश, समाज, अपने परिवार और स्वयं को नशामुक्त बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे और जिले के हर युवा को इस अभियान से जोड़ेंगे।

उपायुक्त श्री झा ने कहा कि इस अभियान को महज एक सरकारी कार्यक्रम न रखकर एक जन आंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को ही बर्बाद नहीं करता, बल्कि पूरे परिवार को इसके भीषण दुष्परिणाम भुगतने पड़ते हैं, जिससे अंततः समाज और देश की प्रगति रुक जाती है। युवाओं से विशेष अपील करते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग इस लत का शिकार हो चुके हैं, वे अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और एक मजबूत ना कहने की आदत से इससे बाहर निकल सकते हैं। डीसी ने कड़े लहजे में तस्करों को चेतावनी देते हुए कहा कि जिले में नशे के अवैध कारोबार पर पुलिस की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और इसकी पूरी सप्लाई चेन को तोड़ना प्रशासन की सबसे पहली प्राथमिकता है। पिछले कुछ दिनों में पुलिस ने कई कड़े कदम उठाकर तस्करों की कमर तोड़ी है और यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सामूहिक सहभागिता से ही बचेगा हमारी युवा पीढ़ी का भविष्य : एसपी– मौके पर मौजूद पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने कहा कि मादक पदार्थों के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस लगातार विभिन्न स्तरों पर पंचायत से लेकर प्रखंड तक कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस जहां एक तरफ अपराधियों को जेल भेज रही है, वहीं दूसरी तरफ सामाजिक स्तर पर लोगों को जागरूक भी कर रही है। इस लड़ाई को सफल बनाने के लिए उन्होंने सभी आम नागरिकों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों से आगे आने की अपील की, ताकि सामूहिक प्रयासों से युवा पीढ़ी को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य दिया जा सके। इस अभियान को यादगार बनाने के लिए समाहरणालय में एक विशेष हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें डीसी, एसपी, डीडीसी के साथ-साथ अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, डीपीएलआर पूर्णिमा कुमारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी हेमलता बून और सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह ने अपने हस्ताक्षर कर नशामुक्त बोकारो का मजबूत संदेश दिया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

आईआईटी (आईएसएम) में 6जी और भविष्य की ऑप्टिकल संचार तकनीकों पर रिफ्रेशर कोर्स का शुभारंभ

राजीव रंजन , धनबादः आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम (एमएमटीटीपी) के तहत "एडवांस्ड ऑप्टिकल कम्युनिकेशन फॉर 6जी एंड बियॉन्ड" विषय पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स का शुभारंभ सोमवार को किया गया। यूजीसी एवं शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम 26 जून तक चलेगा।

न्यू एकेडमिक कॉम्प्लेक्स स्थित सर जेसी बोस कक्षा कक्ष में आयोजित उद्घाटन सत्र में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों से जुड़े प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो.रवि कुमार गंगवार ने कहा कि भविष्य की संचार प्रणालियों में ऑप्टिकल कम्युनिकेशन की भूमिका लगातार बढ़ रही है और 6जी तकनीक के विकास में यह महत्वपूर्ण आधार साबित होगी।

एसोसिएट प्रोफेसर प्रो.अमितेश कुमार ने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स का उद्देश्य शिक्षकों और शोधकर्ताओं को ऑप्टिकल कम्युनिकेशन तथा 6जी से जुड़ी नवीनतम तकनीकों और शोध गतिविधियों से परिचित कराना है।

सहायक प्रोफेसर प्रो.गोविंद मुर्मू ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रतिभागियों को अगली पीढ़ी की संचार प्रणालियों और उन्नत ऑप्टिकल नेटवर्किंग से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जाएगी।

आयोजकों के अनुसार 15 से 21 जून के दौरान प्रतिभागियों को ऑप्टिकल कम्युनिकेशन के मूल सिद्धांतों, फोटोनिक डिवाइस, ऑप्टिकल नेटवर्क आर्किटेक्चर, एडवांस्ड मल्टीप्लेक्सिंग तकनीकों, फ्री-स्पेस ऑप्टिक्स, लाई-फाई तथा ऑप्टिकल वायरलेस कम्युनिकेशन जैसे विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान सुनने का अवसर मिलेगा। साथ ही 5जी और 6जी नेटवर्क में ऑप्टिकल तकनीकों की भूमिका, उच्च क्षमता वाले संचार नेटवर्क और कम विलंबता (लो लेटेंसी) वाली प्रणालियों से जुड़े नवीनतम शोध एवं चुनौतियों पर भी चर्चा होगी।

कार्यक्रम में आईआईटी, आईआईएससी, एनआईटी तथा अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे। कोर्स का उद्देश्य प्रतिभागियों को ऑप्टिकल कम्युनिकेशन के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास और भविष्य की संचार तकनीकों की समझ प्रदान करना है।

उद्घाटन सत्र का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

डीआरएम ने 10 कर्मचारियों को किया सम्मानित, डिजिटल परिवर्तन और यात्री सुविधाओं में योगदान की सराहना

राजीव रंजन , धनबादः सोमवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र द्वारा वाणिज्य विभाग के 10 कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन्होनें नवाचार, डिजिटलीकरण, यात्री सुविधा संवर्धन तथा राजस्व वृद्धि के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। पंकज भूषण, अमृता भगत एवं मुस्कान झा द्वारा रेलवे परिसंपत्तियों के प्रभावी निरीक्षण एवं प्रबंधन हेतु "रेल एसेट्स इंस्पेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम" वेब एप्लीकेशन के विकास में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया है, जिससे कार्यप्रणाली को अधिक दक्ष, पारदर्शी एवं तकनीक-आधारित बनाने में सहायता मिली है। इसी प्रकार, कृष्ण कुमार कन्हैया द्वारा धनबाद मंडल के आरक्षण काउंटरों के उन्नयन, डिजिटलीकरण तथा ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीनों के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में सराहनीय कार्य किए गए हैं। उनके प्रयासों से यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, आधुनिक एवं सुगम टिकटिंग सेवाएँ उपलब्ध हो रही हैं। इसके अतिरिक्त, रूद्र नन्द झा (मुख्य वाणिज्य निरीक्षक), नवीन कुमार, बिपिन बिहारी लाल, अविनाश कुमार, मुकेश कुमार तथा आशुतोष कुमार सिन्हा द्वारा टिकट जांच एवं टिकट आय वृद्धि के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्चतम राजस्व अर्जित किया है तथा मंडल की आय में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि कर्मचारियों की उपलब्धियाँ उनके व्यक्तिगत परिश्रम के परिणाम के साथ-साथ उनके परिवारजनों के निरंतर सहयोग, त्याग, प्रोत्साहन एवं विश्वास का भी इसमें समान रूप से महत्वपूर्ण योगदान होता है। परिवार का सहयोग भी कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्टता के साथ करने की प्रेरणा प्रदान करता है। धनबाद मंडल प्रशासन सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के योगदान की सराहना करता है तथा विश्वास व्यक्त करता है कि उनके संयुक्त प्रयास भविष्य में भी रेलवे की कार्यकुशलता, डिजिटल परिवर्तन, राजस्व संवर्धन एवं यात्री सुविधाओं को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। इस सम्मान समारोह में मंडल के अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण तथा सम्मानित कर्मचारियों के परिवारजन भी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने की जिला आधार निगरानी समिति की समीक्षा बैठक

» प्रखंड स्तरीय सभी आधार केंद्रों के बाहर होगी वॉल राइटिंग, अवैध वसूली की शिकायत के लिए उपायुक्त, बीडीओ समेत अन्य पदाधिकारी के नंबर होंगे प्रदर्शित

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय में जिला आधार निगरानी समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में आधार नामांकन एवं अद्यतन कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने सभी सीडीपीओ एवं लेडी सुपरवाइजर (एलएस) को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में आधार नामांकन एवं अद्यतन कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक माह उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि लाभुकों के आधार में मोबाइल नंबर अपडेट कराने के कार्य में तेजी लाई जाए ताकि विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

उपायुक्त ने जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय परिसर में आधार सेवा केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि उक्त केंद्र पर आधार से संबंधित सेवाओं के साथ-साथ आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) कार्ड बनाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

बैठक में उपायुक्त ने प्रत्येक प्रखंड, आंगनबाड़ी केंद्र एवं बीआरसी परिसर में संचालित आधार सुधार केंद्रों के बाहर वॉल राइटिंग कराने का निर्देश दिया। वॉल राइटिंग में उपायुक्त, संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ), लेडी सुपरवाइजर (एलएस) का नंबर अंकित किया जाएगा। इसका उद्देश्य आधार सेवाओं के नाम पर अवैध वसूली एवं दलालों की गतिविधियों पर रोक लगाना है। उपायुक्त ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति निर्धारित शुल्क से अधिक राशि की मांग करता है तो आमजन तत्काल दिए गए नंबरों पर सूचना देकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

बैठक में आधार नामांकन केंद्रों की कार्यप्रणाली, मोबाइल नंबर अपडेट, बायोमेट्रिक अद्यतन एवं लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने तथा आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार, डीपीओ यूआईडी अमित सिंह, सहायक मैनेजर हरवीर सिंह, हेड पोस्टमास्टर समेत समाज कल्याण तथा सीएस कार्यालय से प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जहाजटांड़ में अवैध लोहा तस्करी का पर्दाफाश

ग्रामीणों ने भारी मात्रा में पकड़ा लोहा, पुलिस की कार्रवाई नहीं होने से आक्रोश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

भौंरा (धनबाद): भौंरा ओपी क्षेत्र के जहाजटांड़ में सोमवार को ग्रामीणों ने अवैध रूप से काटे गए भारी मात्रा में लोहा बरामद किया, लोहा बीसीसीएल की है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस के साथ साथ वरीय अधिकारियों को दी। ग्रामीणों ने बताया कि मामले की सूचना देने के बाद भी अभी तक पुलिस घटनास्थल पर नहीं पहुंची है।

ग्रामीण खेमलाल ने बताया कि इस इलाके में लंबे समय से बीसीसीएल की बंद पड़ी संरचनाओं की अवैध कटाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों ने जिम्मेदारी निभाते हुए कटे हुए लोहे को सुरक्षित रखा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस अवैध कारोबार पर रोक नहीं लगाई गई तो बीसीसीएल की करोड़ों रुपये की संपत्ति पूरी तरह समाप्त हो सकती है। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि अवैध कटाई का यह कारोबार संगठित तरीके से संचालित किया जा रहा है. जिसके कारण स्थानीय लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

घटना के बाद ग्रामीणों में पुलिस प्रशासन के प्रति नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, पुलिस के वरीय अधिकारियों और बीसीसीएल प्रबंधन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा अवैध कटाई में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

काम दिलाने के बहाने युवती को फ्लैट ले जाकर दुष्कर्म का किया प्रयास, एक हिरासत में

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद के गोविंदपुर थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। असम की एक युवती ने आरोप लगाया है कि उसे काम दिलाने के बहाने एक फ्लैट में ले जाकर उसके साथ छेड़खानी और दुष्कर्म का प्रयास किया गया। घटना के बाद इलाके में हंगामा मच गया, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

मामला गोविंदपुर थाना क्षेत्र के भूईफोड़ मंदिर के पास स्थित आपणो घर सोसाइटी का है। जानकारी के अनुसार असम निवासी युवती अपनी सहेलियों के साथ मुंबई जा रही थी, लेकिन धनबाद स्टेशन पर उसकी ट्रेन छूट गई। इसके बाद वह पिछले दो दिनों से स्टेशन के आसपास रह रही थी। इसी दौरान उसकी पहचान स्टेशन के पास एक होटल में काम करने वाले राजू साव से हुई।

आरोप है कि राजू साव ने युवती को घरेलू काम दिलाने का भरोसा दिया और अपने एक परिचित के माध्यम से उसे गोविंदपुर स्थित एक फ्लैट में भेज दिया। युवती के मुताबिक फ्लैट में साफ-सफाई का काम करने के दौरान फ्लैट मालिक ने उसके साथ अश्लील हरकतें कीं और जबरन संबंध बनाने का प्रयास किया। विरोध करने पर कथित तौर पर उसे शराब पिलाने की भी कोशिश की गई।

युवती किसी तरह फ्लैट से बाहर निकलकर शोर मचाने लगी। उसकी आवाज सुनकर सोसाइटी के लोग और स्थानीय निवासी मौके पर पहुंचे। लोगों ने राजू साव को पकड़ लिया, जबकि उसका अन्य साथी मौके से फरार हो गया।

सूचना मिलने पर गोविंदपुर पुलिस घटनास्थल पहुंची और फ्लैट की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कमरे से शराब की बोतलें भी बरामद की गईं। पुलिस ने युवती के आरोपों के आधार पर राजू साव को हिरासत में लिया है, जबकि फरार आरोपी की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार युवती फिलहाल शारीरिक और मानसिक रूप से काफी परेशान है, जिसके कारण उसका विस्तृत बयान दर्ज नहीं किया जा सका है। साथ ही युवती का मोबाइल फोन भी खो गया है, जिससे उसके परिजनों से संपर्क करने में दिक्कत आ रही है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता के बयान के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नशा मुक्त समाज के लिए धनबाद जिला प्रशासन की पहल

» समाज कल्याण तथा जनसंपर्क कार्यालय द्वारा नशा मुक्त के जागरूकता हेतु निकाली गई जागरूकता रथ

» एसएसपी और डीडीसी ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देशानुसार मादक पदार्थों के बढ़ते प्रकोप के विरुद्ध और आमजन को इसके खतरों से आगाह करने के उद्देश्य से सोमवार को धनबाद समाहरणालय परिसर से एक विशेष जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई।

इस अभियान के तहत जिला समाज कल्याण कार्यालय तथा जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा जागरूकता रथ निकाला गया। जिसे धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार और उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने संयुक्त रूप से 'नशा मुक्त जागरूकता रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक ने सभी उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई। यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों और सुदूर गांवों का दौरा करेगा। इसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं और किशोरों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति संवेदनशील और जागरूक बनाना है, ताकि उन्हें इस सामाजिक बुराई से बचाया जा सके।

वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि नशा न केवल एक व्यक्ति को बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। इस अभियान की सफलता तभी संभव है जब जिले का हर नागरिक इसमें अपनी जिम्मेदारी समझे।"

वहीं उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने धनबाद जिला के सभी प्रबुद्ध नागरिकों, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों और अभिभावकों से अपील की है कि वे इस 'नशा मुक्त जागरूकता अभियान' में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाएं और अपने आस-पास के क्षेत्र को नशामुक्त बनाने में सहयोग करें।

मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज़ अहमद, बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी समेत महिला पर्यवेक्षिका, आंगनबाड़ी सेविका सहायिका, स्कूली बच्चे समेत समाहरणालय के कर्मी मौजूद रहे।

धनबाद पुलिस की बड़ी उपलब्धिः मई माह में 28 मामलों में 50 अभियुक्त दोषी करार, कोर्ट ने सुनाई सजा

» मजबूत अनुसंधान और प्रभावी पैरवी का असर, 3 दोषियों को आजीवन कारावास

» हत्या, महिला अत्याचार, अपहरण, चोरी और शस्त्र अधिनियम के विभिन्न मामलों में दोषियों को मिली सजा

» एसएसपी के निर्देशन में गुणवत्तापूर्ण विवेचना से अपराधियों पर कसा शिकंजा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद पुलिस को अपराध नियंत्रण और न्यायिक प्रक्रिया में बड़ी सफलता मिली है। व्यावहार न्यायालय द्वारा मई माह के दौरान कुल 28 मामलों में 50 अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए विभिन्न अवधियों की सजा सुनाई गई। इनमें 3 अभियुक्तों को आजीवन कारावास, 5 अभियुक्तों को 10 वर्ष तक की सजा, 3 अभियुक्तों को 3 वर्ष तक की सजा तथा 39 अभियुक्तों को 2 वर्ष तक की सजा सुनाई गई।

यह सफलता वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देशन एवं सतत निगरानी का परिणाम मानी जा रही है। धनबाद पुलिस द्वारा किए गए गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, मजबूत वैज्ञानिक एवं दस्तावेजी साक्ष्यों के संकलन तथा गवाहों की प्रभावी प्रस्तुति के आधार पर माननीय न्यायालय ने अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

मई माह में हत्या के तीन मामलों में कुल पांच अभियुक्तों को सजा मिली। इनमें तीन दोषियों को आजीवन कारावास तथा दो अभियुक्तों को 10 वर्ष तक की सजा सुनाई गई। चोरी के तीन मामलों में चार अभियुक्तों को दोषी ठहराया गया, जिनमें एक आरोपी को 10 वर्ष तक की सजा तथा तीन अभियुक्तों को 2 वर्ष तक की सजा मिली।

साधारण दंगा के दो मामलों में कुल 11 अभियुक्तों को दोषी पाते हुए 2 वर्ष तक के कारावास की सजा सुनाई गई। अपहरण के एक मामले में एक अभियुक्त को 3 वर्ष तक की सजा दी गई। वहीं मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने के तीन मामलों में तीन अभियुक्तों को दोषी ठहराया गया, जिनमें एक को 10 वर्ष, एक को 3 वर्ष तथा एक अन्य को 2 वर्ष तक की सजा सुनाई गई।

महिला अत्याचार के एक मामले में एक अभियुक्त को 10 वर्ष तक की सजा मिली। छेड़खानी के एक मामले में एक अभियुक्त को 2 वर्ष तक के कारावास की सजा सुनाई गई। ठगी एवं जालसाजी के एक मामले में भी एक अभियुक्त को 2 वर्ष तक की सजा दी गई।

शस्त्र अधिनियम के दो मामलों में दो अभियुक्तों को दोषी करार दिया गया, जिनमें एक को 3 वर्ष तथा दूसरे को 2 वर्ष तक की सजा मिली। मोटर दुर्घटना के एक मामले में एक अभियुक्त को 2 वर्ष तक की सजा सुनाई गई। जुआ अधिनियम के एक मामले में चार अभियुक्तों को 2 वर्ष तक की सजा मिली। इसके अतिरिक्त विविध श्रेणी के नौ मामलों में 16 अभियुक्तों को दोषी पाते हुए 2 वर्ष तक के कारावास की सजा सुनाई गई।

एसएसपी प्रभात कुमार का कहना है कि अपराधियों के विरुद्ध गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, साक्ष्य संकलन और प्रभावी न्यायिक समन्वय की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी ताकि अपराधियों को कानून के अनुसार दंड दिलाया जा सके और आम जनता का न्याय व्यवस्था पर विश्वास और मजबूत हो।

खरीफ मौसम हेतु 50% अनुदान पर बीज वितरण का कार्य प्रारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः सोमवार को राजगंज पैक्स से खरीफ मौसम हेतु 50% अनुदान पर बीज वितरण का कार्य प्रारंभ किया गया। बीज वितरण का उद्घाटन जिला परिषद, अध्यक्षा शारदा सिंह, सांसद प्रतिनिधि और विधायक प्रतिनिधि के कर कमलों द्वारा किया गया।

इस वर्ष जिले 24 पैक्स के माध्यम से बीज वितरण का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला सहकारिता पदाधिकारी वेद प्रकाश द्वारा बताया गया कि यदि कृषकों की मांग रहती है तो बीज वितरण हेतु अन्य पैक्स को भी अधिकृत किया जाएगा। धान के साथ साथ अरहर, मूंग और उरद के बीज शीघ्र ही पैक्स पर उपलब्ध होंगे।

मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा, जिला सहकारिता पदाधिकारी वेद प्रकाश समेत सांसद प्रतिनिधि और विधायक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

विश्व वृद्ध दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस पर डालसा ने चलाया जागरूकता अभियान

» बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं: न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः विश्व वृद्ध दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिंह के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) धनबाद द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने साबलपुर स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर वृद्धजनों को उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं कल्याण से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान वृद्धाश्रम में रह रहे आठ वृद्धजनों को आधार कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराया गया। न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने वृद्धजनों से संवाद करते हुए कहा कि समाज में वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान और संरक्षण करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने पेंशन योजना, स्वास्थ्य सुविधाएं, आयुष्मान भारत योजना तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

वृद्धाश्रम के संचालक नौशाद गद्दी ने बताया कि आश्रम में वर्तमान में 35 वृद्धजन रह रहे हैं और सभी को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य डालसा के सहयोग से पूरा कर लिया गया है।

इस अवसर पर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने कहा कि "बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके सम्मान, सुरक्षा एवं अधिकारों की रक्षा करना हम सभी का नैतिक और कानूनी दायित्व है।" उन्होंने कहा कि डालसा द्वारा चलाया गया यह अभियान समाज में बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

अभियान के दौरान कई वृद्धजनों की समस्याएं भी सुनी गईं तथा पात्र लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की पहल की गई। साथ ही उपस्थित लोगों से वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार अपनाने और उनके अधिकारों की रक्षा के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया गया।

सतत विकास और समावेशी समाज के लिए लैंगिक समानता जरूरीः प्रो.डायना फॉक्स

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

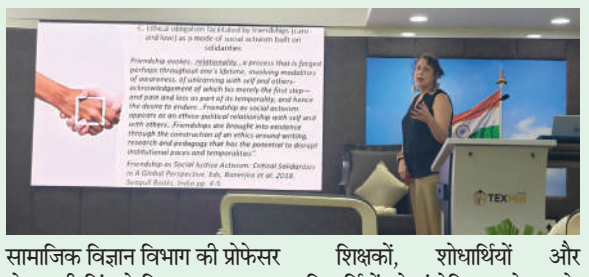

धनबादः अमेरिका के ब्रिजवाटर स्टेट यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डायना फॉक्स ने कहा कि लैंगिक समानता केवल सामाजिक न्याय का मुद्दा नहीं है, बल्कि सतत विकास, आर्थिक प्रगति और प्रभावी शासन की भी बुनियादी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में मौजूद लैंगिक असमानताओं को दूर करने के लिए समावेशी साझेदारी, न्यायपूर्ण नीतियां और समुदाय आधारित प्रयास जरूरी हैं।

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में सोमवार को आयोजित व्याख्यान "ब्रेकिंग बैरियर्स, बिल्डिंग इन्क्लूसिव स्पेसेस : चैलेंजेज एंड स्ट्रेटेजीज टू एड्रेस ग्लोबल जेंडर डिस्पैरिटीज थ्रू डिकोलोनियल फेमिनिस्ट पार्टनरशिप्स" में बोलते हुए प्रो. फॉक्स ने ये बातें कहीं। कार्यक्रम का आयोजन डीन (कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस) एवं मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग की प्रोफेसर प्रो. रजनी सिंह ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में प्रो. रजनी सिंह ने अतिथि वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि बढ़ती असमानताओं और जटिल वैश्विक चुनौतियों के दौर में लैंगिक न्याय, समावेशन और सतत विकास जैसे विषयों पर गंभीर चर्चा पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रो. डायना फॉक्स जैसी अंतरराष्ट्रीय स्तर की विदुषी और सामाजिक कार्यकर्ता के साथ संवाद से विद्यार्थियों और शोधार्थियों को वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर मिलता है।

शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रो. फॉक्स ने कहा कि जेंडर को केवल महिलाओं तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। इसमें पुरुष, ट्रांसजेंडर और अन्य लैंगिक पहचान वाले लोग भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जाति, वर्ग, नस्ल, धर्म, दिव्यांगता और भौगोलिक परिस्थितियां भी लैंगिक असमानताओं को प्रभावित करती हैं।

समानता (Equality) और न्यायसंगत अवसर (Equity) के बीच अंतर समझाते हुए उन्होंने कहा कि सभी को एक जैसे अवसर देना समानता है, जबकि अलग-अलग परिस्थितियों और जरूरतों को ध्यान में रखकर अवसर उपलब्ध कराना इक्विटी है। उन्होंने कहा कि असमान परिस्थितियों को दूर करने के लिए न्यायपूर्ण समाधान आवश्यक हैं।

प्रो. फॉक्स ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को हासिल करने के लिए लैंगिक समानता को जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और पर्यावरणीय नीतियों के साथ जोड़ना होगा। उन्होंने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं द्वारा संचालित पहलों के उदाहरण देते हुए बताया कि महिलाओं की भागीदारी समाज को अधिक मजबूत और टिकाऊ बनाती है।

उन्होंने सामाजिक बदलाव के लिए "प्रैक्सिस" यानी विचार और कार्रवाई के संयोजन की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उनके अनुसार, विश्वविद्यालयों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत और जमीनी संगठनों को समुदायों के साथ मिलकर समाधान तैयार करने होंगे।

प्रो.डायना फॉक्स सांस्कृतिक एवं अनुप्रयुक्त मानवविज्ञानी, सामाजिक कार्यकर्ता और डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता हैं। वे ब्रिजवाटर स्टेट यूनिवर्सिटी में मानवविज्ञान विभाग की अध्यक्ष हैं तथा जर्नल ऑफ इंटरनेशनल विमेन्स स्टडीज की संस्थापक-संपादक भी हैं। उन्हें चार फुलब्राइट पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। उनका शोध कार्य लैंगिक विविधता, महिला आंदोलन, मानवाधिकार, पारिस्थितिकीय स्थिरता और ट्रांसनेशनल फेमिनिज्म जैसे विषयों पर केंद्रित है।

व्याख्यान के बाद आयोजित संवादात्मक सत्र में प्रतिभागियों ने लैंगिक समानता, सतत विकास और समावेशी समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर प्रश्न पूछे। इस अवसर पर डॉ. सुतनुका बनर्जी, सहायक प्राध्यापक, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, एनआईटी दुर्गापुर भी उपस्थित थीं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

फर्जी नियुक्ति पत्र के साथ समाहरणालय पहुंचा युवक हिरासत में

जामताड़ा। सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर कथित फर्जीवाड़े का मामला जामताड़ा समाहरणालय में सामने आया है। क्लर्क पद पर योगदान देने पहुंचे एक युवक की नियुक्ति प्रक्रिया उस समय संदेह के घेरे में आ गई, जब अधिकारियों ने उसके दस्तावेजों की जांच की। प्रारंभिक जांच में अनियमितताएं मिलने के बाद पुलिस ने युवक और उसके ससुर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरिडीह जिले के देवरी गांव निवासी रजाक अंसारी अपने ससुर अख्तर अंसारी के साथ जामताड़ा समाहरणालय पहुंचा था। उसने दावा किया कि उसे क्लर्क पद पर नियुक्ति मिली है और वह योगदान देने आया है। नियुक्ति संबंधी दस्तावेजों की जांच के दौरान अधिकारियों को कई संदिग्ध तथ्य मिले, जिसके बाद मामले की विस्तृत जांच की गई।

जांच में सामने आया कि युवक द्वारा प्रस्तुत जॉइनिंग लेटर पर उपायुक्त के कथित हस्ताक्षर और कार्यालय की मुहर संदिग्ध प्रतीत हो रही थी। दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान अधिकारियों ने पाया कि हस्ताक्षर और मुहर वास्तविक नहीं हैं। इसके अलावा आधार कार्ड, शैक्षणिक प्रमाणपत्र और अन्य अभिलेखों में भी कई विसंगतियां पाई गईं, जिससे फर्जीवाड़े की आशंका और गहरा गई।

दस्तावेजों की सत्यता पर संदेह होने के बाद समाहरणालय प्रशासन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही जामताड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और रजाक अंसारी तथा अख्तर अंसारी को हिरासत में लेकर थाना ले गई। दोनों से मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार प्रारंभिक जांच में दस्तावेजों के फर्जी होने के संकेत मिले हैं। अब यह पता लगाया जा रहा है कि कथित नियुक्ति पत्र किसने तैयार किया और इसके पीछे कोई संगठित गिरोह सक्रिय है या नहीं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर कहीं अन्य लोगों को भी ठगी का शिकार तो नहीं बनाया गया है। पुलिस ने कहा है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जूनियर खो-खो प्रतियोगिता में जामताड़ा की बेटियों का दम, तीसरे स्थान पर किया कब्जा

जामताड़ा। 20वीं जूनियर बालिका खो-खो प्रतियोगिता 2026-27 में जामताड़ा की टीम द्वारा तीसरा स्थान हासिल करने पर सोमवार को कस्तूरबा विद्यालय जामताड़ा (केजीबीवी सीएम एसओई) के सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

समारोह में सिविल सर्जन डॉ. शिव प्रसाद, डॉ. निलेश कुमार, विद्यालय की वॉर्डन कंचन कुमारी, रश्मि कुमारी तथा जामताड़ा जिला खो-खो संघ के महासचिव नंदन सिंह ने सभी बालिका खिलाड़ियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. शिव प्रसाद ने कहा कि यह उपलब्धि जिले की बेटियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है तथा पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। वहीं, कंचन कुमारी ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी लगन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

गौरतलब है कि यह प्रतियोगिता 29 से 31 मई तक जामताड़ा के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित हुई थी। प्रतियोगिता का आयोजन झारखंड राज्य खो-खो संघ एवं जामताड़ा जिला खो-खो संघ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। प्रतियोगिता में जामताड़ा की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन और टीम वर्क का उत्कृष्ट परिचय दिया।

सम्मान समारोह में जिला खो-खो संघ के महासचिव नंदन सिंह, कोषाध्यक्ष गौरव जोशी, रिया पाल, कविता कुमारी, नेहा कुमारी, निशा कुमारी, प्रियंका कुमारी, माहे राजिम समीम, सुभाष सोरेन सहित सभी खिलाड़ी उपस्थित रहे।

मोदी सरकार के 12 साल होने पर भाजपाइयों ने निकाली प्रगतिपथ यात्रा

धरातल पर उतरा सबका साथ-सबका विकास : बिरंची नारायण

बोकारो : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल 12 वर्ष पूरे होने और निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में देश में सबसे लंबे दिनों के कार्यकाल का ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 5 जून से 21 जून तक विशेष महाअभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को भाजपा चास मुफस्सिल और चास नगर उत्तरी इकाई के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल प्रगतिपथ यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में मुख्य रूप से शामिल बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने वर्तमान केंद्र सरकार के 12 सालों की ऐतिहासिक उपलब्धियों की विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वास्तव में सबका साथ-सबका विकास के मूल संकल्प को धरातल पर उतारने का काम किया है। इसी दूरदर्शी सोच के तहत चास स्टेशन का ऐतिहासिक निर्माण कराया गया, यहां रेलवे ट्रैक की संख्या बढ़ाई गई और प्लेटफार्म को पूरी तरह सुव्यवस्थित किया गया। उन्होंने क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात का भरोसा देते हुए कहा कि चास स्टेशन पर शीघ्र ही यात्री सुविधाएं बढ़ाने और प्रमुख सवारी गाड़ियों के ठहराव को लेकर एक वृहद कार्ययोजना बन रही है, जो जल्द ही धरातल पर उतरेगी।

देशभक्ति और विकास के नारों के बीच निकली इस प्रगतिपथ यात्रा के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक नारे लगाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अब तक का सबसे सफल प्रधानमंत्री बताते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ग्रामीण वासियों के वर्षों पुराने सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने आगे कहा कि केंद्र की मजबूत इच्छाशक्ति वाली सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश आज चहुंमुखी विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ा है, जिससे नक्सलवाद और आतंकवाद का पूरी तरह सफाया हुआ है। अब राष्ट्रीयता की मजबूत भावना के साथ देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के महासंकल्प को एक नई गति मिली है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में भाजपा चास मुफस्सिल अध्यक्ष हरीश चंद्र सिंह, भाजपा चास नगर उत्तरी अध्यक्ष राजेश घोषाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय त्यागी, सुजीत चक्रवर्ती, पन्नालाल कांदु, अरविंद राय, स्वदेश ख्वास, मोहन गोराई, निमाई महथा, पप्पू चौरसिया, दीपक शर्मा, प्रकाश नायक, लालू मोदक, भागवत प्रसाद, अखिलेश शर्मा, सत्यनारायण स्वर्णकार, मृत्युंजय ख्वास, राजा मुखर्जी, दुर्जन गोप, शांति गोप, रवि गोप, दुलाल गोप, शिबू गोराई, शिवनाथ गोप, दिलीप सिंह, लालू सिंह, राजू रजवार, के डी सुपर, चंदन चक्रवर्ती, प्रदीप चक्रवर्ती, विनोद चक्रवर्ती आदि की अहम भूमिका रही।

अकोला किसान सम्मेलन में गूंजे झारखंड के मुद्दे, गंगाधर महतो सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी: सिफा द्वारा महाराष्ट्र के अकोला में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय किसान सम्मेलन में झारखंड एकता मजदूर यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने किसानों, आदिवासियों और मजदूरों के मुद्दे मजबूती से उठाए। सम्मेलन को 'जोहार' के साथ संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड के गांवों की पहचान जमीन, जंगल और नदियों से है। आज बड़े प्रोजेक्ट और औद्योगिक योजनाओं के नाम पर किसानों की जमीन अधिग्रहित की जा रही है। कई स्थानों पर किसानों और ग्राम सभाओं की सहमति के बिना ही भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी की जाती है, जिससे लोगों को विस्थापन झेलना पड़ता है। उन्होंने कहा, "किसान विकास के विरोधी नहीं हैं, पर उनकी सहमति के बिना होने वाला विकास स्वीकार्य नहीं है।"गंगाधर महतो ने आपदा राहत राशि में देरी पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि झारखंड में हर वर्ष सूखा, बाढ़ और ओलावृष्टि से किसानों की मेहनत बर्बाद हो जाती है। केंद्र से सहायता राशि मिलने के बावजूद किसानों तक पहुंचने में कई महीने लग

जाते हैं। उन्होंने मांग की कि प्राकृतिक आपदा के बाद 7 दिनों के भीतर सर्वेक्षण पूरा किया जाए और 15 दिनों के अंदर राहत राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जाए। उन्होंने फसल नुकसान की स्थिति में 30 दिनों के भीतर 100 प्रतिशत मुआवजे की मांग की। साथ ही जंगल से सटे क्षेत्रों में सोलर फेंसिंग और अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का आग्रह किया।महतो ने कहा कि किसान और मजदूर मजबूत रहेंगे तभी देश की कृषि व्यवस्था और खाद्य सुरक्षा मजबूत रहेगी। उन्होंने किसान ब्रिगेड भारत और एएसआईएफए के आंदोलनों को समर्थन दिया और कहा कि झारखंड में किसानों और मजदूरों के हितों से जुड़ी हर लड़ाई में उनकी यूनियन अग्रिम पंक्ति में खड़ी रहेगी।सोमवार को सम्मेलन के समापन दिवस पर यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो और उपाध्यक्ष सुभाष पंडित को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

चांडिल में ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरायकेला : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के टाटा-रांची एनएच-33 पर चिलगु के समीप सोमवार सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में चिलगु निवासी जितेन दास की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह एक ट्रक की चपेट में आ गए, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी जान चली गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल व्याप्त हो गया।

घटना से नाराज स्थानीय ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके कारण टाटा-रांची मुख्य मार्ग पर कई घंटों तक यातायात बाधित रहा। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तथा लोगों को समझा-बुझाकर जाम समाप्त कराया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि एनएच-33 पर वनवे व्यवस्था लागू होने के बाद सड़क दुर्घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई है। उन्होंने हाईवे पर स्पीड ब्रेकर, चेतावनी संकेतक, सर्विस रोड और अन्य सुरक्षा उपायों की मांग करते हुए कहा कि दुर्घटना संभावित स्थलों पर प्रभावी व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों की जान जा रही है।

घटना पर दुख व्यक्त करते हुए आजसू नेता हरेलाल महतो ने कहा कि एनएच-33 पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वनवे व्यवस्था लागू होने के बाद हादसों की संख्या बढ़ी है, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने हाईवे पर तत्काल सुरक्षा उपाय लागू करने, गति नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में आवश्यक संकेतक लगाने की मांग की।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और संबंधित ट्रक की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जामताड़ा में नशामुक्ति अभियान की शुरुआत, जागरूकता रथ रवाना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : निषिद्ध मादक पदार्थों के सेवन की रोकथाम और आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष नशामुक्ति अभियान के तहत मंगलवार को समाहरणालय परिसर से उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार ने तीन चलंत एलईडी जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अभियान 15 जून से 26 जून 2026 तक जिले भर में संचालित किया जाएगा।

इस अवसर पर आलोक कुमार ने कहा कि नशा समाज के लिए अभिशाप बन चुका है, जिससे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के साथ-साथ आर्थिक, पारिवारिक और सामाजिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि नशे की लत से प्रभावित व्यक्ति और उनके परिवार को सामाजिक तिरस्कार का सामना करना पड़ता है, इसलिए नशे से दूरी बनाकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने लोगों से अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करने की अपील की।

उपायुक्त ने बताया कि अभियान के दौरान जिले के सभी प्रखंडों के विद्यालयों, पंचायतों और गांवों में चलंत एलईडी वैन के माध्यम से ऑडियो-विजुअल सामग्री और पंपलेट के जरिए जागरूकता फैलाई जाएगी। इसके अलावा नुक्कड़ नाटक और अन्य माध्यमों से भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। उन्होंने मीडिया से भी नशामुक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग की अपील की।

साथ ही जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने और व्यापक जनजागरूकता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पाकुड़ नगर परिषद के टेंडर विवाद पर पूर्व वार्ड पार्षद ने उठाए सवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ : पाकुड़ नगर परिषद में टेंडर प्रक्रिया को लेकर उठे विवाद के बीच पूर्व वार्ड पार्षद मोनिता कुमारी ने नगर परिषद अध्यक्ष शबरी पाल से कई सवाल पूछते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं और इस संबंध में जनता के समक्ष स्पष्ट जवाब रखा जाना चाहिए।

मोनिता कुमारी ने कहा कि यदि टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी थी, तो इससे संबंधित सभी दस्तावेज सार्वजनिक किए जाने चाहिए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि किसी प्रकार की अनियमितता की जानकारी थी तो समय रहते आवश्यक कार्रवाई क्यों नहीं की गई। साथ ही उन्होंने पूछा कि क्या नगर परिषद नेतृत्व को पूरे घटनाक्रम की जानकारी थी अथवा यह सब उनकी जानकारी के बिना हुआ।

पूर्व वार्ड पार्षद ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि विकास कार्यों में खर्च होने वाले सार्वजनिक धन के उपयोग को लेकर जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने टेंडर प्रक्रिया से जुड़े सभी दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की भी मांग की, ताकि तथ्य स्पष्ट हो सकें।

इस बीच, कुछ बाहरी पत्रकारों को कथित रूप से धनराशि दिए जाने संबंधी आरोप भी चर्चा में हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है और संबंधित एजेंसियों की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

नगर परिषद अध्यक्ष शबरी पाल ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप तथ्यहीन हैं।

फिलहाल, टेंडर प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों के बीच लोगों की नजर जिला प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है। यदि मामले की जांच होती है तो उसके निष्कर्षों के आधार पर ही आरोपों की सत्यता स्पष्ट हो सकेगी।

बंद खदानों में अवैध कोयला खनन का आरोप, प्रशासन और सीसीएल की भूमिका पर उठे सवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बेरमो। सीसीएल के बोकारो एवं करगली क्षेत्र अंतर्गत डीआरएंडआरडी (दामोदर नदी एवं रेलवे विपथन) परियोजना से जुड़ी बंद खदानों में बड़े पैमाने पर अवैध कोयला खनन किए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि चलकरी और झुंझको के निकट स्थित बंद खदानों में पिछले एक से डेढ़ माह से दिन-रात भारी मशीनों की मदद से कोयले का अवैध उत्खनन किया जा रहा है।

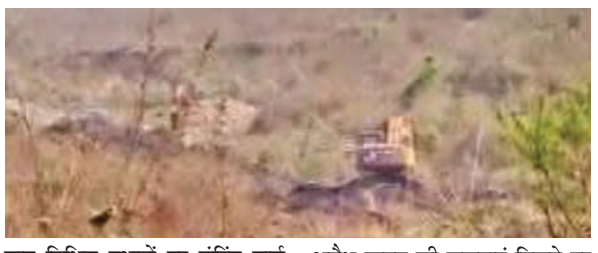

ग्रामीणों के अनुसार अवैध खनन में जेसीबी और पोकलेन मशीनों के अलावा डीजी सेट, पानी निकालने के लिए उच्च क्षमता वाले मोटर पंप तथा हाइवा ट्रकों का उपयोग किया जा रहा है। आरोप है कि खनन के दौरान ब्लास्टिंग भी की जा रही है, जिससे चलकरी के केवट टोला स्थित कुछ घरों में दरारें पड़ गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कोयला निकालने के बाद विभिन्न स्थानों पर डंपिंग यार्ड बनाकर उसे वाहनों के माध्यम से बाहर भेजा जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि बंद जोरिया खदानों में पहले लोग नहाने-धोने के लिए जाते थे, लेकिन अब भय के कारण वहां जाने से बच रहे हैं। उनका दावा है कि पिछले एक माह में सौ से अधिक हाइवा ट्रकों से कोयले की ढुलाई की गई है। वहीं, अवैध खनन की शुरुआत के दौरान हवाई फायरिंग किए जाने की भी चर्चा ग्रामीणों के बीच है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

सीसीएल बीएंडके क्षेत्र के एसओएम के.एस. गैवाल ने कहा कि अवैध खनन की सूचनाएं मिलने पर सीआईएसएफ और सुरक्षा बलों को भेजकर ऐसे स्थलों को बंद करने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने स्वीकार किया कि चलकरी क्षेत्र में अवैध खनन की जानकारी उन्हें है और इस पर प्रशासन को भी कार्रवाई करनी चाहिए।

हालांकि चलकरी उत्तरी पंचायत के मुखिया अखिलेश्वर ठाकुर ने कहा कि उन्हें अपने क्षेत्र में अवैध खनन की जानकारी नहीं है और मामले की जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। वहीं विस्थापित नेता काशीनाथ केवट ने परियोजना को वर्षों तक शुरू नहीं किए जाने के लिए सीसीएल प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वर्तमान स्थिति उसकी अदूरदर्शिता का परिणाम है।

पेटरवार थाना प्रभारी राजू कुमार मुंडा ने कहा कि उन्हें अवैध खनन की कोई जानकारी नहीं है, लेकिन मामले की जांच कराई जाएगी। दूसरी ओर, बोकारो जिला खनन विभाग ने पूर्व में अवैध माइंस को भरने की बात कही थी, हालांकि स्थानीय लोगों का आरोप है कि अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी है।

गौरतलब है कि डीआरएंडआरडी परियोजना के लिए वर्ष 1981 से 1985 के बीच हजारों एकड़ भूमि अधिग्रहित की गई थी और सैकड़ों विस्थापितों को रोजगार भी दिया गया था। इसके बावजूद चार दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी परियोजना शुरू नहीं हो सकी। ऐसे में बंद पड़ी खदानों में कथित अवैध खनन ने एक बार फिर प्रशासनिक निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

डीवीसी कैजुअल वर्कर्स यूनियन का 22 जून से अनिश्चितकालीन धरना, विधायक जयराम महतो होंगे शामिल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी: डीवीसी कैजुअल वर्कर्स यूनियन से जुड़े सदस्यों ने सोमवार को निमियाघाट में बैठक की। बैठक में सदस्यों ने अपनी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की और डीवीसी प्रबंधन पर कर्मियों के हक व अधिकार की अनदेखी का आरोप लगाया।बैठक के बाद सदस्यों ने सहायक अभियंता, डीवीसी निमियाघाट सब स्टेशन को पत्र सौंपा। पत्र में डीवीसी प्रबंधन पर ढुलमुल नीति अपनाने और टाल-मटोल का रवैया अपनाने का आरोप लगाया गया है। यूनियन ने घोषणा की कि लंबित मांगों को लेकर 22 जून से डीवीसी थर्मल प्लांट के मुख्य द्वार पर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। पत्र में उल्लेख है कि डीवीसी निमियाघाट कार्यालय व अन्य स्थानों के कैजुअल वर्कर्स की वर्षों से लंबित मांगों को लेकर यह धरना होगा। धरने में विधायक जयराम महतो भी शामिल रहेंगे। बैठक में यूनियन के सचिव रूपलाल महतो, भुनेश्वर सिंह, मंगर महतो, द्वारिका सिंह, डालो महतो, कोलेश्वर सिंह, रुमा देवी, बासुदेव महतो, निजामुद्दीन अंसारी, इंद्रदेव महतो समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे।

भाजपा नेता ने सांसद को सौंपा मांग-पत्र, 19 जून की रेलवे बैठक में डुमरी समेत चार क्षेत्रों की सुविधाएं बढ़ाने का आग्रह

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी: भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार ने सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी से मिलकर जिप सदस्या सुनीता कुमारी का मांग-पत्र सौंपा। 19 जून 2026 को पटना में रेलवे की उच्च स्तरीय बैठक में डुमरी, गिरिडीह, बगोदर व मांडू की रेल सुविधाओं को प्राथमिकता से स्वीकृत कराने का आग्रह किया।मांगों में धनबाद/गोमो से पारसनाथ-कोडरमा होते मुंबई तक नई ट्रेन या 18609/18610 एलटी साप्ताहिक एक्सप्रेस को प्रतिदिन चलाना, 03541 व 63543 मेमू का विस्तार पारसनाथ-हजारीबाग रोड होते कोडरमा तक करना शामिल है। निमियाघाट स्टेशन व चेगरो हॉल्ट का उन्नयन, रांगामाटी पोल 316/24, बालूटुंडा पोल 313/10, बलथरिया हनुमान मंदिर के पास ओवरब्रिज/अंडरपास, जामतारा पिपराडीह नदी पुल के पास अंडरपास निर्माण की मांग की। पारसनाथ-मधुबन-गिरिडीह रेल परियोजना व रांगामाटी 14 नंबर गेट अंडरपास का कार्य शीघ्र शुरू कराने का आग्रह भी किया गया।

पचुवाड़ा कोल ब्लॉक विवाद: भ्रामक प्रचार के खिलाफ ग्रामीणों ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ : पचुवाड़ा नॉर्थ कोल ब्लॉक से प्रभावित विस्थापितों और रैयतों ने सोमवार को 'अनुश्रवण एवं नियंत्रण कार्य समिति' के बैनर तले पाकुड़ समाहरणालय पहुंचकर उपायुक्त मेघा भारद्वाज को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने कुछ लोगों पर क्षेत्र में भ्रामक प्रचार कर शांति व्यवस्था प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की।

समिति के पदाधिकारियों ने ज्ञापन में कहा कि पश्चिम बंगाल पावर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डब्ल्यूबीपीडीसीएल) और बीजीआर माइनिंग एंड इंफ्रा लिमिटेड (बीजीआरएमआईएल) के माध्यम से क्षेत्र में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ स्थानीय विस्थापितों और प्रभावित परिवारों को मिल रहा है। उनके अनुसार सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन (एसआईए) रिपोर्ट के तहत अब तक 376 पात्र ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है, जबकि 1,176 विधवा एवं वृद्ध महिलाओं को पेंशन योजना का लाभ मिल रहा है। इसके अलावा विशुनपुर और चिलगो की आर एंड आर कॉलोनियों में आरओ प्लांट तथा कौशल विकास केंद्र संचालित किए जा रहे हैं।

समिति के अध्यक्ष सुरेश टुडू और सचिव रमेश मुर्मू ने आरोप लगाया कि कुछ लोग निजी स्वार्थवश क्षेत्र में भ्रम की स्थिति उत्पन्न कर रहे हैं और प्रशासन के समक्ष तथ्यहीन शिकायतें प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे तत्वों के विरुद्ध जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

ज्ञापन के माध्यम से समिति ने 'अनुश्रवण एवं नियंत्रण कार्य समिति' को विधिक मान्यता प्रदान करते हुए उसका निबंधन कराने का अनुरोध भी किया। उनका कहना है कि इससे विस्थापितों एवं रैयतों से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए प्रशासन, कंपनी और स्थानीय प्रतिनिधियों के बीच समन्वित संवाद की व्यवस्था विकसित हो सकेगी।

उपायुक्त को ज्ञापन सौंपने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में सुरेश टुडू, बानेश्वर टुडू, रमेश मुर्मू, अन्द्रियस मुर्मू, वकील बेसरा, महातन टुडू, सोम हेम्ब्रम, प्रधान हांसदा, मुंशी टुडू, प्रधान सोरेन, बबलू मुर्मू, कार्तिक पहाड़िया, साहेबजन मरांडी, रूपाय देहरी, सुनील देहरी, हेमलाल मुर्मू, साईमन मरांडी, गोपीन हेम्ब्रम, महादेव राय, बबलू हांसदा, सुरेन्द्र बेसरा, रायसेन टुडू, रघु टुडू, मुन्ना टुडू, बाबूलाल मुर्मू, प्रधान हेम्ब्रम, मानबेल हांसदा और सुनातन हांसदा सहित बड़ी संख्या में विस्थापित एवं प्रभावित रैयत शामिल थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, मंगलवार, 16 जून, 2026

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई। सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था को अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऐसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऐसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

गृहिणियों को राष्ट्र निर्माता मानकर सुप्रीम कोर्ट ने रचा सामाजिक न्याय का नया अध्याय

कांतिलाल मांडोत

भारतीय समाज में गृहिणी का स्थान हमेशा से परिवार की धुरी के रूप में रहा है। वह घर की व्यवस्था संभालती है बच्चों का पालन-पोषण करती है बुजुर्गों की देखभाल करती है और परिवार को भावनात्मक स्थिरता प्रदान करती है। इसके बावजूद उसके श्रम को लंबे समय तक आर्थिक मूल्यांकन से बाहर रखा गया। घर के भीतर किए जाने वाले अनगिनत कार्यों को कर्तव्य और जिम्मेदारी का नाम देकर उनकी वास्तविक कीमत को नजरअंदाज किया जाता रहा। ऐसे समय में सुप्रीम कोर्ट का यह ऐतिहासिक फैसला न केवल न्यायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला भी है। सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाली गृहिणियों के मुआवजे को लेकर सर्वोच्च अदालत ने जो मानक निर्धारित किया है वह महिलाओं के सम्मान और न्याय व्यवस्था की संवेदनशीलता दोनों का प्रतीक है।

अदृश्य श्रम को मिली प्रतिष्ठाः सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा है कि गृहिणियों के काम का मूल्य कम से कम 30 हजार रुपए प्रतिमाह माना जाना चाहिए और इसी आधार पर मुआवजे की गणना की जानी चाहिए। अदालत ने यह भी माना कि गृहिणियां केवल परिवार का हिस्सा नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति हैं। यह टिप्पणी अपने आप में ऐतिहासिक है क्योंकि पहली बार इतने स्पष्ट और प्रभावशाली शब्दों में गृहिणियों की भूमिका को राष्ट्रीय विकास से जोड़ा गया है। दरअसल किसी भी समाज की प्रगति का आधार मजबूत परिवार होता है और मजबूत परिवार का आधार अक्सर एक समर्पित महिला होती है। वह बिना किसी वेतन और अवकाश के चौबीसों घंटे कार्य करती है। उसकी मेहनत का कोई हिसाब नहीं रखा जाता और उसके योगदान को आर्थिक आंकड़ों में नहीं मापा जाता। सुप्रीम कोर्ट ने इस वास्तविकता को स्वीकार कर महिलाओं के अदृश्य श्रम को वह सम्मान दिया है जिसकी मांग लंबे समय से की जा रही थी।

पुरानी सोच को बदलने वाला निर्णय है।अब तक सड़क दुर्घटना मामलों में गृहिणियों की आय का अनुमान अक्सर कुशल मजदूर की मजदूरी के आधार पर लगाया जाता था। यह व्यवस्था न केवल अव्यावहारिक थी बल्कि महिलाओं के योगदान को कम करके आंकने वाली भी थी। अदालत ने इस सोच को खारिज करते हुए कहा कि घरेलू कार्यों को सामान्य मजदूरी के पैमाने पर नहीं तौला जा सकता यह निर्णय इस बात की स्वीकारोक्ति है कि घर संभालना एक पूर्णकालिक और बहुआयामी जिम्मेदारी है। गृहिणी एक साथ प्रबंधक शिक्षक मार्गदर्शक परिचारिका और परिवार की भावनात्मक शक्ति के रूप में कार्य करती है। इसलिए उसके योगदान की तुलना किसी एक पेशे या मजदूरी से नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने इसी व्यापक दृष्टिकोण को अपनाकर न्याय की नई परिभाषा प्रस्तुत की है। महिला सम्मान की दिशा में बड़ा कदम कहा जा सकता है। यह फैसला केवल मुआवजे की राशि बढ़ाने का मामला नहीं है बल्कि महिलाओं के सम्मान को कानूनी मान्यता देने का प्रयास भी है। भारतीय समाज में आज भी अनेक महिलाएं अपने कार्यों के लिए सामाजिक सराहना तो पाती हैं लेकिन आर्थिक पहचान नहीं मिलती। अदालत ने इस स्थिति को बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जब देश की सर्वोच्च अदालत किसी गृहिणी को राष्ट्र निर्माता कहती है तब यह संदेश केवल न्यायालय की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे समाज तक पहुंचता है। इससे महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना मजबूत होती है और यह स्वीकार किया जाता है कि राष्ट्र निर्माण केवल कार्यालयों और उद्योगों में नहीं बल्कि घरों के भीतर भी होता है। न्याय प्रणाली का संवेदनशील उदाहरण है और इस फैसले की सबसे बड़ी विशेषता न्यायपालिका की संवेदनशीलता है। अदालत ने कहा कि मुआवजा तय करते समय केवल महिला की आय को आधार नहीं बनाया जा सकता। उसकी उम्र शिक्षा कौशल पारिवारिक जिम्मेदारियां और आर्थिक परिस्थितियां भी ध्यान में रखी जानी चाहिए। यह दृष्टिकोण बताता है कि न्यायालय जीवन की वास्तविकताओं को समझते हुए निर्णय दे रहा है कई बार दुर्घटना में गृहिणी की मृत्यु के बाद परिवार केवल एक सदस्य को नहीं खोता बल्कि पूरे परिवार की व्यवस्था प्रभावित हो जाती है। बच्चों का भविष्य बुजुर्गों की देखभाल और घर की स्थिरता पर गहरा असर पड़ता है। अदालत ने इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए भावनात्मक और पारिवारिक क्षति को भी मुआवजे का हिस्सा माना है। यह न्याय की मानवीय और व्यावहारिक व्याख्या है।

त्वरित न्याय के प्रति प्रतिबद्धताः सुप्रीम कोर्ट ने केवल मुआवजे की गणना का नया आधार निर्धारित नहीं किया बल्कि न्याय प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा है कि ऐसे मामलों की निगरानी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश स्वयं करें और दावों का निपटारा एक वर्ष के भीतर किया जाए। भारतीय न्याय व्यवस्था में लंबित मामलों की समस्या लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। दुर्घटना पीड़ित परिवार अक्सर वर्षों तक मुआवजे की प्रतीक्षा करते रहते हैं। ऐसे में अदालत का यह निर्देश न्याय को समयबद्ध और पीड़ित केंद्रित बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह दर्शाता है कि सर्वोच्च न्यायालय केवल सिद्धांतों की बात नहीं कर रहा बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन को भी सुनिश्चित करना चाहता है

न्यायपालिका की प्रगतिशील सोचः सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला भारतीय न्यायपालिका की प्रगतिशील और दूरदर्शी सोच का परिचायक है। अदालत ने यह समझा कि बदलते समय में महिलाओं की भूमिका को पुराने मानकों से नहीं आंका जा सकता। आज महिलाओं का योगदान केवल आर्थिक कमाई तक सीमित नहीं है बल्कि सामाजिक और पारिवारिक संरचना को मजबूत बनाने में भी उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस निर्णय ने यह संदेश दिया है कि किसी व्यक्ति का मूल्य केवल उसकी वेतन पर्ची से नहीं तय किया जा सकता। समाज के लिए किए गए उसके योगदान को भी समान महत्व मिलना चाहिए। गृहिणियों के मामले में यह संदेश विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका अधिकांश श्रम घर की चारदीवारी के भीतर ही रह जाता है। सामाजिक बदलाव की नई शुरुआत शुरू हो चुका है। यह फैसला भविष्य में व्यापक सामाजिक बदलाव का आधार बन सकता है। इससे महिलाओं के घरेलू कार्यों के आर्थिक महत्व पर नई चर्चा शुरू होगी। नीति निर्माण के स्तर पर भी घरेलू श्रम को लेकर गंभीर विचार हो सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे करोड़ों गृहिणियों को यह एहसास होगा कि उनके कार्यों को देश की सर्वोच्च अदालत ने सम्मान और मान्यता दी है समाज में लंबे समय से यह धारणा रही है कि घर का काम स्वाभाविक जिम्मेदारी है और उसका कोई आर्थिक मूल्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इस धारणा को चुनौती देते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि घरेलू श्रम भी उतना ही मूल्यवान है जितना किसी अन्य पेशे में किया जाने वाला कार्य। यह विचार महिलाओं की स्थिति को मजबूत करने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में सहायक होगा न्याय और सम्मान का ऐतिहासिक संगम देखने को मिला है।सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय भारतीय न्यायिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसने गृहिणियों के अदृश्य श्रम को पहचान दी है महिलाओं के सम्मान को नई ऊंचाई प्रदान की है और दुर्घटना पीड़ित परिवारों को अधिक न्यायपूर्ण राहत सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त किया है यह फैसला बताता है कि न्यायपालिका केवल कानून की व्याख्या करने वाली संस्था नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन की प्रेरक शक्ति भी है। (L 103 जलवन्त टाउनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार ,साहित्यकार-स्तम्भकार)

महान सौंदर्य, अत्यधिक ताकत, बहुत धन का वास्तव में कुछ खास उपयोग नहीं है। एक सच्चा हृदय सबसे ऊपर है।
- बेंजामिन फ्रेंकलिन

हमेशा याद रखो कि आपका अपना सफल होने का संकल्प ही किसी भी चीज से ज्यादा महत्वपूर्ण है। - अब्राहम लिंकन

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, द्वितीय ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, प्रतिपदा/दोइज, मंगलवार, आद्रा नक्षत्रे, वृ. योगे, वल करणे, मिथुन की चंद्रमा, चंद्र दर्शन मुहूर्त, 15 फलं मधुता तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलप्रद होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल...

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, सुन्दर, सुशील, कोमल हृदय, दयालु प्रवृत्ति, वाहन का सुख, व्यवसायी, उत्तम वृत्ति वाला, भोगी-लोभी, उत्तम क्रिया वाला, स्वाभिमानी वक्ता-प्रवक्ता, नीत-निपुण, नेता, कुशल वक्ता, पदाधिकारी होगा।

मेष राशि :- किसी शुभ समाचार के मिलने का योग है, व्यवसायिक स्थिति ठीक होगी।

वृष राशि :- मनोवृत्ति संवेदनशील रहेगी, कार्यगति अनुकूल, चिन्ता कम अवश्य होगी।

मिथुन राशि :- किसी प्रलोभन से हानि, मनोवृत्ति संवेदनशील रहेगी तथा कार्यगति उत्तम हो।

कर्क राशि :- अनायास यात्रा में उद्विघ्नता, स्त्री वर्ग से कुछ वाद-विवाद, परेशानी होगी।

सिंह राशि :- विरोधियों के षड़यंत्र से मानसिक परेशानी बनेगी तथा बेचैनी बढ़ेगी।

कन्या राशि :- शारीरिक कष्ट, राजभय, व्यापार-उद्योग-धंधे में परेशानी बढ़ेगी।

तुला राशि :- व्यवसाय योग निश्चय, धार्मिक कार्य, कष्ट, व्यय, अनायास परेशानी बढ़ेगी।

वृश्चिक राशि :- बाधा, उलझने, लाभ, यात्रा से कष्ट, अनाप-शनाप व्यय अवश्य होगा।

धनु राशि :- शत्रुभय, मुकदमें में जीत, रोगभय, व्यय होगा, व्यापार में सुधार अवश्य होगा।

मकर राशि :- व्यापार में लाभ, शत्रुभय, धन सुख, धार्मिक खर्च बढ़ेंगे, लाभ होगा।

कुंभ राशि :- कलह, व्यर्थ खर्च, सफलता प्राप्त होगी, विरोधी असफल रहेंगे, व्यापार बढ़ेगा।

मीन राशि :- स्वजन सुख, पुत्र-चिन्ता, सुख की हानि, व्यापार की स्थिति अच्छी नहीं रहेगी।

सड़क हादसों में जा रहीं हैं हर घंटे बीस जिंदगी

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में सड़क हादसों के कारण हर साल औसतन 1.80 लाख लोगों की मौत होती है। सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एक साल में देशभर में 4.80 लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें हर घंटे औसतन 20 लोगों की जान चली जाती है।

भारत में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में सड़क दुर्घटनाओं में 1,77,175 लोगों की मौत हुई है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि देश में औसतन हर दिन लगभग 485 लोग और हर घंटे 20 से अधिक लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवाते हैं भारत में पिछले कुछ वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौतों का ग्राफ लगातार बढ़ा है देशभर में 4,87,707 सड़क हादसे दर्ज किए गए। इन हादसों में 1,77,175 लोगों ने जान गंवाई, जो 2023 (1,72,890 मौतें) के मुकाबले 2.5% अधिक है। साल 2024 में इन दुर्घटनाओं के कारण 4,71,441 लोग घायल हुए हैं विश्व में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में विशेष रूप से गरीब और विकासशील देशों के लोगों की संख्या में अविश्वसनीय वृद्धि हुई है और इनमें से भी प्रत्येक 5 में से 1 मौत भारत में होती है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में हर घंटे होने वाली लगभग 56 सड़क दुर्घटनाओं में 20 लोगों की जान जाती है। इसी कारण भारत को सड़क दुर्घटनाओं की राजधानी भी कहा जाने लगा है। स्थिति की गंभीरता पिछले मात्र दो तीन दिन की अखबारों में प्रकाशित हादसों की खबरों से अन्दाज़ा लगाया जा सकता है :5 जून को वैष्णो देवी से श्रद्धालुओं को लेकर आ रही एक पिक-अप गाड़ी और ट्रक की टक्कर में 2 श्रद्धालुओं की मौत हो गई।6 जून को फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर गांव जंगाला मोड़ के निकट एक पिकअप गाड़ी तथा घोड़ा ट्राले में टक्कर के परिणामस्वरूप 10 लोगों की मौत तथा अनेक घायल हो गए। 7 जून को रोपड़ (पंजाब) जिले में भारतगढ़ के निकट एक कार सड़क के किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी जिससे 3 लोगों की मौत हो गई। 7 जून को ही शाहाबाद-पिपली जी.टी. रोड पर एक बेकाबू ट्राले ने एक मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया जिससे उस पर सवार मोहाली नगर निगम के 2 कर्मचारियों की मृत्यु हो गई। 8 जून को औरंगाबाद (बिहार) में 4 सड़क दुर्घटनाओं में 9 लोगों की जान चली गई तथा अनेक घायल हो गए। 8 जून को ही फगवाड़ा में एक मोटरसाइकिल, 2 कारों और एक ट्रक की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार और उसकी 7 वर्षीय बेटी की घटनास्थल पर ही मौत तथा उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। 9 जून को शंभू (राजपुरा, पंजाब) में एक ट्रक ड्राइवर ने 2 लोगों को रौंद डाला जिनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। 9 जून को ही चहेड़ (फगवाड़ा, पंजाब) में एक्टिवा पर सवार 2 युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे दोनों की मौत हो गई। 9 जून को ही लुधियाना (पंजाब) में एक कंटेनर के चालक ने तेज रफ्तार से उसे बैंक करने की कोशिश में एक मजदूर को रौंद दिया। 10 जून को देहरादून (उत्तराखंड) में झाड़पानी क्षेत्र में एक कार के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार 4 लोगों की मौत हो गई। 10 जून को ही बेगोवाल (पंजाब) में सड़क दुर्घटना में एक कार बेकाबू हो कर पेड़ से टकरा गई जिससे एक दम्पति की मृत्यु हो गई। 10 जून को ही भीखी (पंजाब) में एक ट्राले की टक्कर ट से बाइक रेहड़े पर सवार 2 दोस्तों की जान चली गई। 11 जून को पुणे (महाराष्ट्र) में नवाले पुल से नीचे उतरते समय एक सीमेंट मिक्सर ट्रक बेकाबू होकर मोटरसाइकिल पर जा रहे एक डिलीवरी ब्वाय से टकरा गया जिससे उसकी मौत हो गई। 11 जून को ही गाँडा (उत्तर प्रदेश) में 2 मोटरसाइकिलों की टक्कर में घायलों की मदद करने पहुंचे लोगों को तेज रफ्तार एस.यू.वी. ने रौंद दिया जिससे 4 लोगों की मौत व 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।11 जून को ही फिरोजपुर (पंजाब) में मोटरसाइकिल पर जा रहे 3 युवकों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी जिससे उनकी मौत हो गई। 11 जून को ही पोत्थरैड्डीपालम (आंध्र प्रदेश) में एक कार बेकाबू होकर एक मकान से जा टकराई जिससे कार में सवार 5 मैडिकल के छात्रों सहित 6 लोगों की जान चली गई।

मोदी -ट्रम्प संभावित मुलाकात से क्या बदल सकता है ? व्यापार, एच -1बी वीजा, टैरिफ और रणनीतिक साझेदारी के नए समीकरण ?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

52 वां जी-7 शिखर सम्मेलन फ्रांस 15-17 जून 2026

जी-7 शिखर सम्मेलन 2026 केवल वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का मंच नहीं है, बल्कि भारत और अमेरिका के लिए अपने द्विपक्षीय संबंधों को पुनर्परिभाषित करने का भी अवसर

भारतीय पेशेवर अमेरिकी अर्थव्यवस्था, नवाचार और तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, इसलिए एच -1बी वीजा व्यवस्था को अत्यधिक प्रतिबंधात्मक बनाना दोनों देशों के हित में नहीं होगा

वैश्विक स्तरपर फ्रांस के एवियन-ले-बैंस में 52 वां शिखर सम्मेलन 15-17 जून को होने वाले जी-7 के दौरान भारत के प्रधानमंत्री और अमेरिका के राष्ट्रपति के बीच संभावित द्विपक्षीय बैठक की संभावना प्रबल मानी जा रही है। हालांकि दोनों देशों की ओर से अभी तक औपचारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन भारतीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार व्यापार, वीजा नीति, ऊर्जा सहयोग और सामरिक साझेदारी जैसे विषय इस मुलाकात के केंद्र में रह सकते हैं।भारत और अमेरिका के संबंध पिछले दो दशकों में निरंतर मजबूत हुए हैं, किंतु 2026 में यह रिश्ता एक नए मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है। एक ओर दोनों देश रक्षा, प्रौद्योगिकी इंडो-पैसिफिक सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला सहयोग को आगे बढ़ा रहे हैं,वहीं दूसरी ओर टैरिफ, व्यापार असंतुलन और आव्रजन नीतियों को लेकर मतभेद भी सामने आए हैं। ऐसे समय में यदि मोदी और ट्रम्प की मुलाकात होती है तो यह केवल एक औपचारिक कूटनीतिक बैठक नहीं होगी, बल्कि आने वाले वर्षों के भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा निर्धारित करने वाली वार्ता भी साबित हो सकती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि वर्तमान परिस्थितियों में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा भारत -अमेरिका व्यापार समझौता है। दोनों देशों के बीच पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से व्यापक व्यापार वार्ताएं चल रही हैं और भारतीय वाणिज्य मंत्रालय ने संकेत दिया है कि जुलाई 2026 तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप दिया जा सकता है। भारत का लक्ष्य अमेरिकी बाजार में अपने उत्पादों के लिए अधिक अनुकूल और प्रतिस्पर्धी शुल्क दरें प्राप्त करना है, जबकि अमेरिका चाहता है कि भारतीय बाजार में अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के लिए सटीकता से अधिक पहुंच उपलब्ध हो। साथियों, भारत अमेरिका व्यापार के क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिकी टैरिफ नीति है। हाल ही में अमेरिका ने भारत सहित कई देशों के आयात पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत से 12.5 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि यह कदम श्रम मानकों और व्यापारिक असंतुलन से जुड़े मुद्दों के कारण आवश्यक है,जबकि भारत ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि वार्ता के माध्यम से समाधान निकाला जाना चाहिए। यदि जी-7 सम्मेलन के दौरान मोदी और ट्रम्प के बीच सकारात्मक चर्चा होती है तो इन प्रस्तावित टैरिफों में राहत मिलने की संभावना बन सकती है।भारत के लिए यह मुद्दा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका उसका सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। वस्त्र, औषधि, इंजीनियरिंग उत्पाद, रसायन और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं के क्षेत्र में भारतीय कंपनियां अमेरिकी बाजार पर काफी निर्भर हैं। अतिरिक्त शुल्क लागू होने की स्थिति में भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो सकती है। इसलिए नई दिल्ली की प्राथमिकता यह होगी कि किसी भी संभावित व्यापार समझौते में भारतीय उद्योगों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए।

साथियों, दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा एच -1बी वीजा है, अमेरिका में काम करने वाले लाखों भारतीय पेशेवरों और आईटी उद्योग के लिए यह विषय अत्यंत संवेदनशील है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा वीजा नियमों को सख्त करने के संकेतों ने भारतीय आईटी कंपनियों और तकनीकी विशेषज्ञों के बीच चिंता पैदा की है। रिपोर्टों के अनुसार प्रधानमंत्री इस विषय को सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष उठा सकते हैं। भारतीय पक्ष का तर्क है कि भारतीय पेशेवर अमेरिकी अर्थव्यवस्था, नवाचार और तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं,इसलिए एच -1बी वीजा व्यवस्था को अत्यधिक प्रतिबंधात्मक बनाना दोनों देशों के हित में नहीं होगा। एच -1बी केवल रोजगार का विषय नहीं है बल्कि यह भारत- अमेरिका तकनीकी संबंधों की आधारशिला भी है। अमेरिका की प्रमुख तकनीकी कंपनियों में हजारों भारतीय इंजीनियर और विशेषज्ञ कार्यरत हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और सेमी कंडक्टर जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों का सहयोग लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में वीजा व्यवस्था में स्थिरता बनाए रखना रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। साथियों, ऊर्जा सहयोग भी संभावित वार्ता का प्रमुख विषय माना जा रहा है। अमेरिका पहले ही भारत के लिए तेल और गैस का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन चुका हैरिपोर्टों के अनुसार दोनों नेता ऊर्जा आपूर्ति, वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा तथा संभावित रूप से वेनेजुएला से जुड़े ऊर्जा सहयोग के अवसरों पर भी चर्चा कर सकते हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक ऊर्जा बाजार भू- राजनीतिक तनावों से प्रभावित हैं, भारत अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति पर काम कर रहा है।रणनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग भी इस मुलाकात का एक महत्वपूर्ण पहलू हो सकता है। चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति और उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रतिस्पर्धा ने भारत और अमेरिका को एक-दूसरे के और निकट लाया है। ट्रम्प प्रशासन भी चीन पर निर्भरता कम करने और वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने की नीति पर जोर देता रहा है। इस संदर्भ में भारत एक स्वाभाविक साझेदार के रूप में सटीकता से उभरता है। साथियों, हालांकि संबंधों में कुछ राजनीतिक संवेदन शीलताएं भी मौजूद हैं। ट्रम्प द्वारा अतीत में भारत- पाकिस्तान तनाव को लेकर किए गए कुछ दावों को भारत ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया था। इसके अतिरिक्त व्यापारिक विवादों और शुल्क संबंधी मतभेदों ने भी दोनों देशों के बीच असहजता पैदा की थी। फिर भी हाल के महीनों में उच्चस्तरीय संपर्कों और कूटनीतिक संवाद ने वातावरण को काफी हद तक सकारात्मक बनाया है। अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा और दोनों देशों के अधिकारियों के बीच लगातार वार्ताओं ने यह संकेत दिया है कि दोनों पक्ष मतभेदों को बातचीत के माध्यम से सुलझाने के इच्छुक हैं।व्यक्तिगत स्तर पर मोदी और ट्रम्प के संबंध भी चर्चा का विषय रहे हैं। दोनों नेताओं ने अपने पिछले कार्यकालों में कई बार सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे की सराहना की है। ट्रम्प ने हाल ही में भी मोदी को अपना "अच्छा मित्र" बताया और भारत के साथ व्यापार समझौते को लेकर आशावाद व्यक्त किया। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में व्यक्तिगत समीकरण हमेशा निर्णायक नहीं होते, लेकिन वे कठिन वार्ताओं को आसान बनाने में सहायक अवश्य होते हैं।

साथियों, यदि यह बैठक सफल रहती है तो इसके परिणाम कई स्तरों पर दिखाई दे सकते हैं। पहला, व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने की दिशा में गति मिल सकती है। दूसरा, भारतीय पेशेवरों से जुड़े वीजा मुद्दों पर कुछ सकारात्मक संकेत सामने आ सकते हैं। तीसरा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी सहयोग को नई दिशा मिल सकती है। चौथा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सामरिक साझेदारी और अधिक मजबूत हो सकती है। इसके विपरीत यदि टैरिफ और व्यापारिक विवादों पर सहमति नहीं बनती तो संबंधों में तनाव की संभावनाएं भी बनी रह सकती हैं।

(-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी)

महंगाई का बढ़ता साया

डॉ. प्रियंका 'सौरभ'

भारत जैसे विशाल और विकासशील देश में महंगाई केवल एक आर्थिक शब्द नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के दैनिक जीवन से जुड़ी एक ऐसी वास्तविकता है जो उनकी आय, बचत, भोजन, शिक्षा और भविष्य की योजनाओं को सीधे प्रभावित करती है। हाल ही में प्रकाशित रिपोर्टों और बाजार के रुझानों से स्पष्ट है कि मार्च के बाद से रोजमर्रा की जरूरतों के सामान की कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। खाद्य तेल, साबुन, डिटर्जेंट, कॉफी, हैंडवॉश, नमकीन, शैंपू और दालों जैसे आवश्यक उत्पादों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई वृद्धि ने आम उपभोक्ता की परेशानी को और बढ़ा दिया है।

महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है। इन वर्गों की आय सीमित होती है और उनके खर्च का बड़ा हिस्सा भोजन, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक जरूरतों पर खर्च होता है। जब रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ते हैं तो इनके पास बचत के अवसर कम हो जाते हैं। परिणामस्वरूप परिवारों को अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है या फिर कर्ज का सहारा लेना पड़ता है।

रिपोर्ट के अनुसार खाद्य तेलों की कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि देखने को मिली है। जहां जून में इनमें 3 से 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी, वहीं मार्च के बाद अब तक यह वृद्धि 20 से 25 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। भारत खाद्य तेलों की आवश्यकता का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ता है। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं और परिवहन लागत में वृद्धि ने खाद्य तेलों को महंगा बना दिया है। महंगाई का दूसरा महत्वपूर्ण कारण ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल भी महंगे हुए हैं। ऊर्जा किसी भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है। जब ईंधन महंगा होता है तो परिवहन लागत बढ़ जाती है। इसका असर खेतों से मंडियों तक, फैक्ट्रियों से बाजारों तक और गोदामों से उपभोक्ताओं तक हर स्तर पर दिखाई देता है। फलस्वरूप लगभग हर वस्तु की कीमत बढ़ जाती है। आज कंपनियां भी बढ़ती लागत के दबाव में हैं। कच्चे माल, बिजली, परिवहन और पैकेजिंग की लागत बढ़ने से उत्पादन खर्च में वृद्धि हुई है। इस स्थिति में कंपनियां दो तरीके अपनाती हैं— या तो उत्पादों के दाम बढ़ाती हैं या पैकेट का आकार घटा देती हैं। उपभोक्ताओं को अक्सर यह महसूस नहीं होता कि समान कीमत पर मिलने वाला उत्पाद अब पहले से कम मात्रा में उपलब्ध है। इसे अर्थशास्त्र की भाषा में "श्रिंकफ्लेशन" कहा जाता है। यह भी महंगाई का एक छिपा हुआ रूप है। महंगाई का सबसे स्पष्ट असर रसोई पर दिखाई देता है। एक मध्यमवर्गीय परिवार का मासिक रसोई बजट यदि पहले 15 हजार रुपये था तो कीमतों में बढ़ोतरी के कारण यह खर्च अब 17 से 18 हजार रुपये तक पहुंच सकता है। यह वृद्धि सुनने में छोटी लग सकती है, लेकिन सालभर में यह अतिरिक्त खर्च हजारों रुपये तक पहुंच जाता है। जिन परिवारों की आय स्थिर है, उनके लिए यह स्थिति और अधिक कठिन हो जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थिति कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। खेती में डीजल, खाद, बीज और कीटनाशकों की लागत बढ़ने से कृषि उत्पादन महंगा हुआ है। किसान को अपनी फसल का उचित मूल्य नहीं मिलता, जबकि उपभोक्ता को वही उत्पाद महंगे दामों पर खरीदना पड़ता है। इस प्रकार महंगाई का बोझ उत्पादक और उपभोक्ता दोनों पर पड़ता है, जबकि बीच की आपूर्ति श्रृंखला और बाजार संरचना अधिक लाभ अर्जित करती है। महंगाई का सामाजिक प्रभाव भी गहरा होता है। जब आवश्यक वस्तुएं महंगी होती हैं तो परिवार सबसे पहले मनोरंजन, पर्यटन और विलासिता के खर्च में कटौती करते हैं। इसके बाद शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसे क्षेत्रों पर भी असर पड़ने लगता है। कई परिवार बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन खरीदने में असमर्थ हो जाते हैं। इससे कुपोषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। दूसरी ओर, शिक्षा पर होने वाले खर्च में कमी भविष्य की मानव पूंजी को प्रभावित करती है।

आर्थिक दृष्टि से नियंत्रित महंगाई को विकास का संकेत माना जाता है, क्योंकि इससे मांग और उत्पादन में वृद्धि का संकेत मिलता है। लेकिन जब महंगाई आय वृद्धि से अधिक तेजी से बढ़ने लगे तो यह आर्थिक असंतुलन पैदा करती है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफ: राजीव रंजन। बिहार प्रभारी: संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

बोकारो में बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना, लाखों की संपत्ति चोरी

बोकारो : चास थाना क्षेत्र के गांधा जोड़ स्थित विजय कुमार मिश्रा के बंद घर में अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना उस समय हुई जब गृहस्वामी पिछले करीब तीन महीनों से इलाज के सिलसिले में वेल्लोर गए हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, 14 जून की रात चोरों ने घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और टीवी, इंडक्शन चूल्हा, इनवर्टर, कपड़े, जेवरात तथा नकद राशि समेत लगभग चार से पांच लाख रुपये मूल्य की संपत्ति चोरी कर ली।

घटना की जानकारी तब हुई जब विजय कुमार मिश्रा के बड़े भाई शिव नारायण मिश्रा सुबह घर पहुंचे। मुख्य दरवाजा खुला देखकर उन्होंने पहले परिजनों के आने की आशंका जताई, लेकिन आवाज देने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर घर के अंदर गए। वहां सभी कमरों के दरवाजे खुले मिले और सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद उन्होंने विजय कुमार मिश्रा को फोन कर घटना की सूचना दी।

मामले की जानकारी मिलने पर चास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने पाया कि घर की अलमारी, लॉकर और बक्सों को तोड़कर खंगाला गया था, जबकि टीवी समेत कई कीमती सामान गायब थे। पुलिस अज्ञात चोरों की पहचान कर मामले के खुलासे के प्रयास में जुटी हुई है।

बोकारो एसपी की सख्त कार्रवाई : रिश्वत कांड में बालीडीह थाना प्रभारी लाइन हाजिर

बोकारो : जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने बड़ी कार्रवाई की है। रिश्वत मांगने और पद के दुरुपयोग के आरोप में बालीडीह थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह और सब इंस्पेक्टर भागू उरांव को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया है। थाना प्रभारी पर लगे गंभीर आरोपों को देखते हुए एसपी ने यह कदम उठाया है।

एसपी कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार, बालीडीह थाना में नए प्रभारी की नियुक्ति होने तक वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। फिलहाल हेडक्वार्टर डीएसपी को थाना की जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो।

सूत्रों के मुताबिक, पूरा मामला जमीन विवाद से जुड़ा है। कुछ दिन पहले इसी प्रकरण में बालीडीह थाना के जमादार याकूब अंसारी को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था। इस गिरफ्तारी के बाद ही मामले की परतें खुलनी शुरू हुईं।

पीड़ित शिकायतकर्ता ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि भू-माफियाओं ने उनकी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया था और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। न्याय की गुहार लेकर जब वह थाना पहुंचे, तो थाना प्रभारी ने कार्रवाई के बदले मोटी रिश्वत की मांग की। रिश्वत देने से इनकार करने पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया और थाने से भगा दिया गया।

21 जून को बोकारो टाउनहॉल में मनेगा जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

बोकारो : आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बोकारो जिला प्रशासन द्वारा कैप टू स्थित शिबू सोरेन स्मृति भवन सभागार (टाउन हॉल) में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रातः 6:00 बजे शुरू होने वाले इस कार्यक्रम की सफल तैयारियों को लेकर सोमवार को समाहरणालय में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। उपायुक्त ने अधिकारियों को बैठक व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा, स्वच्छता और सुरक्षा जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योग दिवस स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण माध्यम है, इसलिए इसे व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाया जाए।

बैठक में विभिन्न योग संस्थानों की सहभागिता पर बल दिया गया। उपायुक्त ने बताया कि योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रशिक्षकों को कार्यक्रम में सम्मानित भी किया जाएगा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, सिविल सर्जन डॉ. ए.बी. प्रसाद, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद और जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बोकारो के 08 केंद्रों पर पुनः होगी नीट की परीक्षा, पुख्ता तैयारी की बनी रणनीति

डीसी ने चेताया- अनुशासन में कोई चूक बर्दाश्त नहीं, बचाए रखें जिले की साख

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो समाहरणालय स्थित सभागार में सोमवार को उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक (एसपी) नाथू सिंह मीना ने संयुक्त रूप से आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले नीट (यूजी) पुनः परीक्षा 2026 की सुरक्षा और प्रशासनिक तैयारियों को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक की। इस महत्वपूर्ण मौके पर पुलिस अधीक्षक श्री मीना, वरीय पदाधिकारी सह उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, प्रभारी पदाधिकारी डीपीआरओ मो. शफीक आलम, डीसीएलआर पूर्णिमा कुमारी, अनुमंडल पदाधिकारी (चास) प्रांजल ढ़ांडा, एएसपी चास, डीएलएओ अनुराधा कुमारी, अनुमंडल पदाधिकारी (बेरमो) मनोज कुमार, सिटी डीएसपी राजीव रंजन, नोडल पदाधिकारी सह डीईओ जगरनाथ लोहरा, सिटी कार्डिनेटर सह केंद्रीय विद्यालय नंबर वन सेक्टर 04 बोकारो के प्राचार्य मनोज कुमार समेत सभी प्रतिनियुक्त वरीय पदाधिकारी, दंडाधिकारी, संबंधित बीडीओ, सीओ और केंद्राधीक्षक मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बैठक के दौरान सिटी कार्डिनेटर ने नीट परीक्षा से संबंधित राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के दिशा-निर्देशों के संबंध में बिंदुवार पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सभी अधिकारियों को तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया। उपायुक्त श्री झा ने अपने संबोधन में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि नीट (यूजी) परीक्षा 2026 का संचालन पूरी तरह से कदाचार रहित एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराना जिला प्रशासन का मुख्य दायित्व है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी प्रतिनियुक्त वरीय पदाधिकारियों, दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन वे पूरी ईमानदारी से करेंगे, ताकि जिले की साख पर कहीं कोई आंच न आए। परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार पर तैनात दंडाधिकारी परीक्षा के दिन केवल वैध परीक्षार्थी, परीक्षा से जुड़े विधिक अधिकारियों, एनटीए के उड़नदस्ते और डीएलसीसी सदस्यों को ही परिसर के भीतर जाने देंगे। उपायुक्त ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा जारी गाइडलाइन का अक्षरशः और कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने परीक्षार्थियों से भी अपील की कि वे तय नियमों का पालन करें। परीक्षा केंद्रों में प्रवेश की विधिक प्रक्रिया 21 जून को सुबह 11.00 बजे से शुरू हो जाएगी, जो अपराह्न 1.30 बजे तक जारी रहेगी। अपराह्न 1.30 बजे के बाद किसी भी परिस्थिति में किसी भी छात्र को प्रवेश नहीं मिलेगा, इसलिए सभी परीक्षार्थी समय से पहले भोजन करके अपनी उपस्थिति दर्ज करा लें।

लॉज, होटलों में चलेगा छापामारी अभियान- डीसी ने सभी बीडीओ, सीओ और संबंधित थाना प्रभारियों को परीक्षा से पूर्व अपने-अपने क्षेत्रों के सभी होटलों, गेस्ट हाउसों और लॉज की सघन जांच व छापेमारी करने का आदेश दिया, ताकि किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि को रोका जा सके। वहीं पुलिस अधीक्षक श्री सिंह मीना ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का भरोसा देते हुए कहा कि सभी 08 परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में मुस्तैद पुरुष एवं महिला पुलिस बल प्रतिनियुक्त कर दिया गया है। हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर (एचएचएमडी) के साथ परीक्षार्थियों की शारीरिक जांच के लिए अलग-अलग टीमें मुस्तैद रहेंगी और प्रश्नपत्र व ओएमआर शीट को परीक्षा केंद्र तक लाने व ले जाने में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इन केंद्रों पर होगी परीक्षा- जानकारी के अनुसार नीट परीक्षा को लेकर बोकारो जिले में कुल 08 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें क्रमशः केंद्रीय विद्यालय नंबर वन सेक्टर फोर, श्री महावीर जी प्लस टू हाई स्कूल बिजुलिया, डिस्ट्रिक्ट रामरूद्रा सीएम एसओई चास बोकारो, सर्वोदय प्लस टू विद्यालय पिंड्राजोरा, प्लस टू हाई स्कूल पेटरवार, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 03, केंद्रीय विद्यालय सीटीपीएस चंद्रपुरा बोकारो, एवं अपग्रेडेड राजकीयकृत प्लस टू हाई स्कूल लकरखंदा शामिल हैं, जहां सुरक्षा के बेहद पुख्ता इंतजाम रहेंगे। तय गाइडलाइन के अनुसार सुरक्षा एवं प्रतिबंधित व गैरप्रतिबंधित सामानों का भी पूरा ख्याल रखा जाएगा।

मिथिला अकादमी में 11वीं के छात्रों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम संपन्न

समय के सदुपयोग और लक्ष्य निर्धारण पर ध्यान दें विद्यार्थी : राजेंद्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : नगर के सेक्टर- 4 स्थित मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में कक्षा 11वीं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए एक भव्य इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सीनियर सेक्शन के नए शैक्षणिक माहौल, कड़े अनुशासन और भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराना था। समारोह का विधिवत उद्घाटन विद्यालय के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार, सचिव दिलीप कुमार झा एवं सभी सीनियर शिक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष राजेंद्र कुमार ने कहा कि 11वीं कक्षा प्रत्येक छात्र के भविष्य की आधारशिला है। जीवन में निर्धारित लक्ष्यों को पाने के लिए पूर्ण समर्पण, सजगता और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। यदि आज विद्यार्थी अनुशासित होकर समय का सदुपयोग करेंगे, तो कल सफलता निश्चित रूप से उनके कदम चूमेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विद्यालय प्रशासन और शिक्षकगण हर कदम पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सचिव दिलीप कुमार झा ने अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करने और स्कूल प्रशासन के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी का मजबूत त्रिकोण ही सफलता की असली कुंजी है। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में कड़ी मेहनत का कोई दूसरा विकल्प नहीं है, इसलिए बच्चों को लगातार प्रेरित करें, ताकि वे अपने जीवन के हर लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। विद्यालय हर छात्र पर व्यक्तिगत ध्यान दे रहा है। समारोह के दौरान प्राचार्य अमर प्रसाद एवं उप प्राचार्य देव दुलाल मित्रा ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को समय का मित्र बनाना है। इसके तहत छात्रों को लाइब्रेरी का अधिकतम उपयोग करने, खेलकूद, मेडिटेशन, प्रेरणादायक लेक्चर और करियर गाइडेंस जैसी गतिविधियों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान सीनियर शिक्षकों ने नए छात्रों का स्वागत करते हुए स्कूल की परंपराओं और नियमों की जानकारी दी। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को और अधिक उत्साहपूर्ण बना दिया।

झारखंड आंदोलनकारियों की चिर-प्रतीक्षित मांग पूरी होने पर बोकारो में खुशी की लहर

सम्मान पेंशन और सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण के प्रस्ताव का स्वागत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : रांची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को संपन्न हुई कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में झारखंड अलग राज्य आंदोलनकारियों के लिए एक ऐतिहासिक और बड़ा फैसला लिया गया है। मंत्रिमंडल ने झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बरसों पुरानी और चिर-प्रतीक्षित मांगों को स्वीकार करते हुए आंदोलनकारियों के लिए सम्मान पेंशन और उनके आश्रित पुत्रों, पोतों, पुत्रियों व बच्चियों को सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण प्रदान करने के क्रांतिकारी प्रस्ताव पर अपनी अंतिम मुहर लगा दी है। सरकार के इस बड़े फैसले के बाद संपूर्ण राज्य के आंदोलनकारियों में हर्ष, उत्साह और उत्सव का माहौल व्याप्त हो गया है। इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष विदेशी महतो, जिला अध्यक्ष राजदेव माहथा तथा केंद्रीय संयुक्त सचिव हाबुलाल गोराईं एवं खिरोधर महतो ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि अग्रणी झारखंड आंदोलनकारी दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सुपुत्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य निर्माण के वास्तविक पुरोधाओं और आंदोलनकारियों की संवेदना व दर्द को समझा और हमारी जायज मांगों को पूरा कर एक बड़ी ऐतिहासिक सौगात दी है।

रंग लाया वर्षों का संघर्ष : राजदेव माहथा- मोर्चा के वरिष्ठ नेताओं ने इस बड़ी सफलता का पूरा श्रेय संगठन की एकजुटता और मजबूत इच्छाशक्ति को देते हुए कहा कि यह महान उपलब्धि मोर्चा के संस्थापक केंद्रीय प्रधान सचिव पुष्कर महतो के कुशल, अनुशासित एवं जुझारू नेतृत्व में किए गए अनवरत शांतिपूर्ण आंदोलनों के कारण ही संभव हो पाई है। आंदोलनकारियों द्वारा लंबे समय तक पूरे संयम और निष्ठा के साथ किए गए लोकतांत्रिक संघर्ष का ही परिणाम है कि आज राज्य सरकार को इस संवेदनशील विषय पर न्यायसंगत निर्णय लेना पड़ा। आंदोलनकारी नेताओं ने मुख्यमंत्री से अब बिना किसी विलंब के मंत्रिमंडल के इस ऐतिहासिक निर्णय को अमली जामा पहनाते हुए जल्द से जल्द इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी करने की मांग की है। कहा कि जीते-जी सभी संघर्षशील आंदोलनकारियों को राज्य गठन की मूल तिथि से ही पूरी गरिमा के साथ सम्मान पेंशन का लाभ प्रदान करने का कार्य सुनिश्चित किया जाए। इस फैसले के बाद चास, बोकारो सहित पूरे झारखंड के कोने-कोने में संघर्षरत आंदोलनकारियों ने आपस में मिठाइयां बांटकर और अबीर-गुलाल उड़ाकर अपनी खुशी का इजहार किया और इसे अपनी दशकों पुरानी वैचारिक व सांगठनिक लड़ाई की एक बहुत बड़ी और निर्णायक जीत बताया।

बोकारो में 30 से शुरू होगा विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम, पारदर्शी और निष्पक्ष प्रक्रिया पर जोर

बोले जिला निर्वाचन पदाधिकारी - हर पात्र मतदाता का पंजीकरण प्रशासन की प्राथमिकता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : भारत निर्वाचन आयोग के महत्वपूर्ण निर्देशानुसार जिले में आगामी 30 जून 2026 से विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) अभियान की भव्य शुरुआत की जाएगी। इस व्यापक अभियान के तहत वर्ष 2024 की वर्तमान मतदाता सूची में दर्ज सभी मतदाताओं की मैपिंग वर्ष 2003 की ऐतिहासिक मतदाता सूची के साथ गहनता से की जा रही है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने इस महा-अभियान को पूरी तरह त्रुटिहीन बनाने के संबंध में कड़े और आवश्यक प्रशासनिक निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी भारतीय नागरिकों को मतदाता सूची में पंजीकरण का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है, इसलिए जिला प्रशासन यह पूरी तरह सुनिश्चित करेगा कि इस विशेष अभियान के दौरान क्षेत्र का कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न छूटे तथा संपूर्ण प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो। इस विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान इलेक्टर्स मैप्ड, इलेक्टर्स अनमैप्ड तथा इलेक्टर्स विद एनोमलीज श्रेणी के सभी श्रेणी के मतदाताओं को अनिवार्य रूप से अपना एन्यूमरेशन फॉर्म भरना होगा और उस फॉर्म पर अपनी नवीनतम रंगीन फोटो भी संलग्न करनी होगी।

आम मतदाताओं की सहूलियत के लिए जिले की सभी पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रों के सभी वार्डों में आगामी 20 जून से ही समर्पित मतदाता सहायता व सुविधा केंद्र संचालित किए जाएंगे। इन केंद्रों पर आने वाले मतदाताओं को फॉर्म भरने, रंगीन फोटो उपलब्ध कराने तथा आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने में कर्मियों द्वारा हरसंभव तकनीकी व व्यावहारिक सहयोग दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त इन सुविधा केंद्रों पर जन्म प्रमाण पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र एवं विभिन्न सरकारी आवास योजनाओं से संबंधित आवंटन प्रमाण पत्र के लिए भी आवेदन प्राप्त कर नियमानुसार त्वरित आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इन सभी मतदाता सहायता केंद्रों पर पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, अंचल कर्मचारी, जन सेवक (वीएलडब्ल्यू) सहित पंचायत एवं नगर निकायों के अन्य कुशल कर्मियों को प्रतिनियुक्त किया जाएगा, ताकि ग्रामीण व शहरी मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने विशेष निर्देश जारी करते हुए कहा है कि आदिवासी, वृद्ध, बीमार, दिव्यांग एवं समाज के अन्य सभी कमजोर वर्ग के पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने की सीधी जिम्मेदारी संबंधित प्रखंड एवं अंचल अधिकारियों की होगी। ऐसे विशिष्ट मतदाताओं का भौतिक सत्यापन जिला प्रशासन के विशेष पर्यवेक्षण में कराया जाएगा। इस बड़े अभियान को तय समय सीमा के भीतर सफल बनाने के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को भी निर्देशित किया गया है कि वे आवश्यकतानुसार विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति कर बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) एवं अन्य जमीनी कर्मियों को हर स्तर पर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएं, जिससे इस राष्ट्रीय कार्य को पूर्ण शुद्धता के साथ पूरा किया जा सके।

बनारस में लहराया बोकारो का परचम, बीएसएल की नवोन्मेषी परियोजनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

देश भर के दिग्गजों के बीच 15 टीमों में 8 को मिले पार एक्सीलेंस पुरस्कार

बोकारो : उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और ज्ञान नगरी वाराणसी में क्वालिटी सर्किल फोरम ऑफ इंडिया (क्यूसीएफआई) की ओर से आयोजित 5एस के 12वें राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन में सेल-बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) की टीमों ने ऐतिहासिक सफलता का परचम लहराया है। इस दो दिवसीय प्रतिष्ठित राष्ट्रीय अधिवेशन में देश भर के विभिन्न नामी उद्योगों, सार्वजनिक उपक्रमों और अग्रणी संस्थानों की सर्वश्रेष्ठ तकनीकी टीमों ने हिस्सा लिया था। इस कड़े मुकाबले के बीच बोकारो स्टील प्लांट की कुल 15 उच्च स्तरीय टीमों ने भाग लिया और उद्योग जगत में नवाचार (इनोवेशन) से जुड़े अपने अनूठे प्रोजेक्ट्स को जूरी के सामने प्रस्तुत किया। इन टीमों ने कार्यस्थल पर गुणवत्ता सुधार, उत्पादन कार्यकुशलता में वृद्धि, सीमित संसाधनों के बेहतर व शत-प्रतिशत उपयोग तथा संगठनात्मक उत्कृष्टता से जुड़े बेहद संवेदनशील और तकनीकी विषयों पर अपनी केस स्टडी पेश की, जिसने वहां मौजूद विशेषज्ञों को खासा प्रभावित किया।

अधिवेशन में बीएसएल की टीमों के शानदार और सटीक प्रस्तुतीकरण का ही असर था कि संयंत्र की आठ सबसे मजबूत टीमों को प्रतियोगिता के सर्वोच्च पार एक्सीलेंस पुरस्कार से नवाजा गया। इस शीर्ष श्रेणी में अपना लोहा मनवाने वाली विजेता टीमों में पावर इंजीनियरिंग ब्रिगेड विभाग की टीम जिज्ञासा, ईटीएल विभाग की टीम शक्ति, तथा चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं विभाग की दो टीमें क्षितिज एवं जज्बा मुख्य रूप से शामिल रहीं। इसके अतिरिक्त संयंत्र के सबसे महत्वपूर्ण सीओ एंड सीसी विभाग की तीन सर्वश्रेष्ठ टीमों प्रगति, ड्रीम और परिवर्तन ने भी इस सर्वोच्च खिताब पर अपना कब्जा जमाया, जबकि ट्रैफिक विभाग की ऊर्जावान टीम सृजन ज्योति ने भी अपने बेहतरीन प्रोजेक्ट के दम पर पार एक्सीलेंस पुरस्कार हासिल कर बोकारो का नाम रोशन किया।

सर्वोच्च पुरस्कारों के अलावा बीएसएल की पांच अन्य टीमों को उनकी तकनीकी सूझबूझ के लिए प्रतिष्ठित एक्सीलेंस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एक्सीलेंस का खिताब जीतने वाली इन गौरवमयी टीमों में हॉट स्ट्रिप मिल विभाग की टीम रेडियन्स, कोल्ड रोलिंग मिल-3) की दो दमदार टीमें सक्षम एवं स्पार्क, डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क विभाग की टीम ग्रीन पावर तथा चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं विभाग की तेजतर्रार टीम तेज शामिल हैं। वहीं, प्रतियोगिता के कड़े मापदंडों पर खरा उतरते हुए बीएसएल के सीआरएम-1 एंड 2 विभाग की टीम सुचिता तथा सीओ एंड सीसी विभाग की टीम उत्कल ने भी अपनी श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित डिस्टिंगुइश्ड राष्ट्रीय पुरस्कार अपने नाम कर संयंत्र की झोली खुशियों से भर दी।

उल्लेखनीय है कि 5एस के इस 12वें राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य उद्योगों के भीतर गुणवत्ता प्रबंधन, निरंतर नवाचार एवं सतत सुधार (कंटीन्यूअस इम्प्रूवमेंट) की संस्कृति को धरातल पर मजबूत बनाना था। बोकारो स्टील प्लांट के इन सभी जांबाज प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय मंच पर अपने प्रोजेक्ट्स के माध्यम से यह साबित कर दिखाया कि भारी उद्योगों में संगठनात्मक विकास एवं कार्यस्थल उत्कृष्टता को बनाए रखने में '5एस' तकनीक कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस शानदार राष्ट्रीय जीत पर बीएसएल के शीर्ष प्रबंधन और विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों ने सभी विजेता टीमों को बधाई दी है और उम्मीद जताई है कि वाराणसी से लौटे ये तकनीकी विशेषज्ञ अब प्लांट के भीतर उत्पादन और सुरक्षा को एक नए मुकाम पर ले जाएंगे।

प्रबुद्धजनों की बैठक में इस्पातनगरी के उत्थान को लेकर विचार-विमर्श

» पूछता है बोकारो - कब होगा हमारा समग्र विकास

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : राष्ट्र भक्त समाज के केंद्रीय अध्यक्ष एवं बोकारो के प्रमुख सामाजिक-राजनैतिक कार्यकर्ता धर्मवीर सिंह ने बोकारो के समग्र विकास को लेकर केंद्र सरकार और राजनेताओं के दावों पर कड़ा रुख अख्तियार किया है। सेक्टर 5 मैदान से बोकारो की आवाज को बुलंद करते हुए धर्मवीर सिंह ने दोटूक शब्दों में कहा कि विभिन्न राजनेता क्षेत्र में आ रहे हैं और केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों का लगातार उल्लेख कर रहे हैं, जो कि अच्छी बात है। लेकिन, विडंबना यह है कि कोई भी नेता बोकारो के वास्तविक स्थानीय विकास और इसके समग्र उत्थान के संदर्भ में कुछ भी नहीं बोल रहा है। उन्होंने कहा कि आज बोकारो के आम नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं के मन में गहरी व्यथा है कि यह औद्योगिक क्षेत्र विकास की दौड़ में निरंतर पिछड़ता चला गया और इसका जैसा उत्थान होना चाहिए था, वह अब तक नहीं हो पाया। धर्मवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अभूतपूर्व शासन के 12 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्र भक्त समाज उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान करता है, परंतु इसके साथ ही अत्यंत विनम्रतापूर्वक यह पूछना भी चाहता है कि इन बीते 12 वर्षों में बोकारो के जमीनी विकास के लिए आखिर क्या-क्या ठोस कार्य हुए हैं और यहां कौन-कौन सी मूलभूत सुविधाओं व बड़ी आधारभूत संरचनाओं का वास्तविक निर्माण किया गया है।

अपनी मांगों को पुरजोर तरीके से रखते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) एवं इसके हजारों निष्ठावान कर्मचारियों के लिए, ग्रामीण विस्थापित क्षेत्र की पीड़ित जनता के लिए, स्थानीय युवाओं, बेरोजगारों व विद्यार्थियों के हित के लिए तथा आम नागरिकों के समग्र विकास के लिए कौन सी बड़ी योजनाओं को धरातल पर उतारा गया? आज बोकारो के युवाओं एवं नागरिकों की ढेर सारी बहुप्रतीक्षित मांगें जस की तस लंबित हैं और लोग पूछ रहे हैं कि बोकारो हवाई अड्डे से वाणिज्यिक हवाई उड़ान आखिरकार कब शुरू होगी, बोकारो से नई लंबी दूरी की ट्रेनें प्रारंभ की जाएंगी या नहीं, खेलकूद के प्रोत्साहन के लिए नए अत्याधुनिक मैदान व स्टेडियम का निर्माण होगा या नहीं, और यहां नए कल-कारखाने व उद्योग-धंधे स्थापित होंगे या नहीं। इसके साथ ही उन्होंने उच्च शिक्षा के बदहाल ढांचे पर चिंता जताते हुए पूछा कि बोकारो में मेडिकल कॉलेज और इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों का निर्माण कब होगा और बोकारो इस्पात संयंत्र का बहुप्रतीक्षित विस्तारीकरण व आधुनिकीकरण (मोर्डनाइजेशन) कब शुरू किया जाएगा।

कर्मचारियों और विस्थापितों के हक की बात करते हुए धर्मवीर सिंह ने पूछा कि बीएसएल कर्मियों के वर्षों से बकाया लाखों रुपए के वेज रिवीजन एरियर एवं अन्य सभी लंबित वित्तीय सुविधाओं का भुगतान प्रबंधन द्वारा कब किया जाएगा, संयंत्र के आवासों के लिए लीजिंग की व्यवस्था पुनः शुरू होगी या नहीं, और देश निर्माण में अपना जीवन खपाने वाले रिटायर्ड बुजुर्ग कर्मचारियों की जायज मांगों को पूरा किया जाएगा या नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसे ढेर सारे यक्ष प्रश्न आज भी पूरी तरह जिंदा हैं और अपने उत्तर का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि वर्षों से बोकारो का शहरी एवं ग्रामीण युवा विकास की बाट जोह रहा है। सेक्टर 5 मैदान में आयोजित इस विरोध सह ध्यानाकर्षण कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक एवं पूर्व अधिकारी राजेंद्र राय, बिनोद कुमार, पंकज कुमार, अशोक कुमार, वरुण पासवान, अमिताभ गुप्ता, ऋषिकेश कुमार, आदित्य कुमार यादव, रवि कुमार, अनंत कुमार, उमेश कुमार और विजय कुमार सहित भारी संख्या में स्थानीय प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

निर्माण के नाम पर खा गए 1. 25 करोड़, पवन पांडेय समेत चार के खिलाफ बस्ती में एफ आईं आर दर्ज

सुनील बाजपेई, कानपुर। शहरों और गांव के विकास के लिए मिलने वाले सरकारी धन को जालसाजी, धोखाधड़ी और कूट रचना के माध्यम से एक राय होकर हड़प करने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे ही एक मामले में आरोपियों के खिलाफ भादंसं की धारा 409 ,419 ,420 ,467,468 ,471,504 और 506 के तहत मुकदमा दर्ज कर जाने के बाद पुलिस ने मामले की विवेचना जांच शुरू कर दी है। डीआईजी के आदेश पर दर्ज हुई एफ आई आर में लगाए गए आरोपों के मुताबिक 1.25 करोड़ की यह सरकारी धनराशि पूर्व सांसद की अनुशंसा पर 10 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु उपलब्ध कराई गई थी ,जिसे विभिन्न व्यक्तियों के नामों से खातों से निकाल लिया गया। भारतीय को आपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड लालबाग लखनऊ के अध्यक्ष एवं निदेशक पद के लिए भी निर्वाचित रहे जीतेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा कोतवाली बस्ती में दर्ज कराई गई रिपोर्ट के मुताबिक़ वर्ष 2018 में पूर्व सासंद हरीश द्विवेदी की अनुशंसा पर वर्ष 2018 में नार्दन कोल्ड फील्ड सिंगरौली से निगमित सामाजिक दायित्व के अन्तर्गत 10 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 1.25 करोड रूपये प्राप्त हुए थे ,जिसे भारतीय को-आपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड बस्ती की बैंक आफ इन्डिया शाखा बस्ती में एकाउन्ट खोलकर जमा किये गए थे। एफ आई आर के अनुसार पवन कुमार पाण्डेय पुत्र गिरीश दत्त पाण्डेय बेलसर जिला गोण्डा, आशीष कुमार पाठक पुत्र मथुरा प्रसाद इस्माइलगंज इण्डस्ट्रीयल एरिया लखनऊ के संयुक्त हस्ताक्षर से संचालित इसी खाते से पवन कुमार पाण्डेय पुत्र गिरीश दत्त पाण्डेय, आशीष कुमार पाठक, शिवेन्द्र प्रताप सिंह, मो0 आमिर आदि द्वारा एक राय होकर मिली भगत करते हुए खाते से भिन्न भिन्न व्यक्तियों के नाम से सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 1.25 करोड रूपये प्राप्त धनराशि खाते से निकाल ली। आरोपों के मुताबिक इसके उपरान्त नार्दन कोल्ड फील्ड सिंगरौली के सभी कार्य पूर्ण नहीं होने के बाद भी कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र जमा कर दिया गया। जबकि निर्माण कार्यों के पूरा नहीं होने से संबंधित कई शिकायती पत्र ग्राम प्रधान द्वारा पहले ही भेजे जा चुके थे। जान से मारने की धमकी और गाली गलौज करने का भी आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराने वाले अध्यक्ष और निर्वाचित निदेशक भी रहे दहिलामऊ सिविल लाइन प्रतापगढ़ निवासी जीतेन्द्र कुमार अग्रवाल के मुताबिक उपरोक्त सभी ने भारतीय को-आपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड लिमिटेड लालबाग लखनऊ की छवि खराब करने के साथ-साथ जालसाजी कर कूटरचित अभिलेख तैयार करते हुए धनराशि का गबन धोखाधड़ी, अवैध लेनदेन और हेरा फेरी की है। अवगत कराते चलें कि संबंधित मामले में इसके पहले भी दो और मुकदमे दर्ज कराए जा चुके हैं। फिलहाल पुलिस अग्रिम कार्रवाई के लिए मामले की गहन विवेचना में लगातार जुटी हुई है।

पत्नी की हत्या कर परिवार के साथ पति फरार, आत्मसमर्पण न करने पर घर पर चलेगा बुलडोजर

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के रजासन गांव में 16 अप्रैल 2026 को नवविवाहिता मोना कुमारी की हत्या कर शव गायब कर दिया गया था। इस मामले में पति, सास और ससुर समेत सभी आरोपी घर छोड़कर फरार हैं। पुलिस ने अब इन आरोपियों के खिलाफ इश्तेहार चिपकाए हैं। यह कार्रवाई न्यायालय से आदेश प्राप्त होने के बाद बिदुपुर थाना पुलिस द्वारा की गई है। पुलिस ने ढोल-नगाड़ों के साथ आरोपियों को जल्द से जल्द न्यायालय में आत्मसमर्पण करने या गिरफ्तारी देने की हिदायत दी है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपी आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जा सकता है। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि आरोपियों की गिरफ्तारी न होने के कारण उनमें असंतोष बढ़ रहा है। परिजनों के अनुसार, ससुराल वालों ने विवाहिता की हत्या कर शव को रात के अंधेरे में गंगा नदी में प्रवाहित कर दिया था। इसके साथ ही, डेढ़ साल की बच्ची भी लापता बताई जा रही है। बिदुपुर थाना अध्यक्ष रवि प्रकाश ने बताया कि विवाहिता की हत्या और शव गायब करने के संबंध में थाना में कांड संख्या 186/26 दर्ज किया गया था। पुलिस लगातार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी, लेकिन वे फरार चल रहे थे। न्यायालय से आदेश मिलने के बाद इश्तेहार की कार्रवाई की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि यदि आरोपी न्यायालय में आत्मसमर्पण या गिरफ्तारी नहीं देते हैं, तो उनके घरों की कुर्की-जब्ती की जाएगी।

आम से लदी पिकअप पलटी, फल लूटने का वीडियो वायरल, घायल दंपती तड़पते रहे, कारोबारी की मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के गायघाट थाना क्षेत्र में आम से लदी एक पिकअप दुर्घटना का शिकार हो गई। इसके बाद घायल दंपती की मदद करने के बजाय लोग सड़क पर बिखरे आम बटोरने में जुट गए। हादसे में गंभीर रूप से घायल आम कारोबारी की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रही हैं। सुपौल के निर्मली थाना क्षेत्र निवासी 40 साल के अजय पासवान अपनी पत्नी संतरा देवी के साथ पश्चिम बंगाल से आम लादकर मुजफ्फरपुर आ रहे थे। शनिवार को गायघाट थाना क्षेत्र के हनुमान नगर चौक स्थित एनएच-27 पर उनकी पिकअप अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए और वाहन में फंस गए। घटना का वीडियो आज वायरल हो रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के बाद पिकअप पर लदे आम सड़क पर बिखर गए। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए, लेकिन घायलों की मदद करने के बजाय आम उठाने और ले जाने में जुट गए। महिला और पुरुष दोनों सड़क पर बिखरे आम समेटते नजर आए, जबकि घायल दंपती दर्द से कराहते रहे। घटना की सूचना मिलने के बाद गायघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। अस्पताल में इलाज के दौरान अजय पासवान की मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी संतरा देवी की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका इलाज जारी है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दुर्घटना के बाद लोग आम लूटने में व्यस्त हैं, जबकि घायल सड़क पर पड़े हुए हैं। गायघाट थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि आम से लदी पिकअप के पलटने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज के दौरान अजय पासवान की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

लॉकअप में युवक की पिटाई का मामला, पानापुर करियात के तत्कालीन थानाध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के पानापुर करियात थाने में युवक की कथित पिटाई और 70 हजार रुपए वसूली के मामले में मानवाधिकार आयोग ने एक्शन लिया है। तत्कालीन थानाध्यक्ष राजबल्लभ प्रसाद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। साथ-ही बिहार के मुख्य सचिव, डीजीपी, डीएम और एसएसपी मुजफ्फरपुर को कारण बताओ नोटिस भी दिया गया है। सरैया थाना क्षेत्र के बहिलवारा रुपनाथ निवासी अमन कुमार को 11 मार्च 2025 को सुबह करीब 3 बजे तत्कालीन पानापुर करियात थानाध्यक्ष राजबल्लभ प्रसाद ने गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लिया था। जानकारी मिलने पर अमन के बहनोई रौशन प्रताप सिंह थाना पहुंचे थे। जहां पुलिस ने अमन कुमार को बंद कर रखा था। आरोप है कि थानाध्यक्ष ने छोड़ने के एवज में एक लाख रुपए की मांग की थी। जब रौशन प्रताप सिंह ने इसका विरोध किया तो आवेश में आकर थानाध्यक्ष ने उन्हें भी हाजत में बंद कर दिया था। मुंह, हाथ और पैर बांधकर उनके साथ काफी बेरहमी से मारपीट की गई थी। सूचना मिलने पर परिवार के सदस्य थाना पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि जब दोनों को छोड़ने का आग्रह किया तो तत्कालीन थानाध्यक्ष राजबल्लभ प्रसाद ने एक लाख रुपए की मांग रखी। 70 हजार रुपए लेने के बाद दोनों को छोड़ा गया।

पटना कॉलेज से जेपी गोलंबर तक अभ्यर्थियों का मार्च

दरोगा मुख्य परीक्षा में धांधली का आरोप, जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

एजेंसी, पटना

बिहार पुलिस में 1,799 दरोगा पदों के लिए 27 मई को आयोजित मुख्य लिखित परीक्षा में कथित पेपर लीक और धांधली के आरोपों को लेकर अभ्यर्थियों का आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को बड़ी संख्या में छात्र पटना कॉलेज परिसर से प्रदर्शन करते हुए जेपी गोलंबर तक मार्च निकाल रहे हैं।

प्रदर्शनकारी छात्र परीक्षा की निष्पक्ष जांच, कथित गड़बड़ियों की रिपोर्ट सार्वजनिक करने तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि परीक्षा से जुड़े कई तथ्यों और शिकायतों को लेकर उन्होंने विभिन्न सरकारी एजेंसियों और अधिकारियों को आवेदन दिया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। छात्रों का आरोप है कि लगातार शिकायतों के बावजूद संबंधित एजेंसियों की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया, जिसके कारण उन्हें सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करना पड़ रहा है।

निष्पक्ष जांच और रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांगः अभ्यर्थियों ने मांग की है कि परीक्षा में कथित धांधली और पेपर लीक के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। उनका कहना है कि जब तक मामले की पारदर्शी जांच नहीं होगी, तब तक अभ्यर्थियों के मन में परीक्षा की विश्वसनीयता को लेकर सवाल बने रहेंगे।

गांधी मैदान के आसपास बढ़ाई गई सुरक्षाः शहर में दरोगा अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को लेकर पुलिस अलर्ट है। अभ्यर्थी गांधी मैदान से निकलकर जेपी गोलंबर तक मार्च करेंगे। इसको लेकर गांधी मैदान के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पटना पुलिस के ASP और SDPO रैंक के पुलिस पदाधिकारी जेपी गोलंबर पर मौजूद हैं। अभ्यर्थियों को रोकने के लिए मौके पर वाटर कैनन और एम्बुलेंस आदि बुलाई गई है।

कृषि चौपाल में किसानों को दी गई आधुनिक व जैविक खेती की जानकारी

राजापाकर (हाजीपुर)

कृषि विभाग द्वारा सोमवार को राजापाकर प्रखंड क्षेत्र में प्रखंड स्तरीय कृषि चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम रामपुर रत्नाकर उर्फ सरसई पंचायत के पंचायत भवन परिसर तथा बेरई पंचायत के दामोदरपुर गांव में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। चौपाल को संबोधित करते हुए प्रखंड कृषि पदाधिकारी आनंद मौर्य ने किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने श्री विधि (एसआरआई) से धान की खेती की नई तकनीक पर विस्तार से चर्चा करते हुए किसानों को इसका लाभ बताया। साथ ही जैविक खेती को अपनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि रासायनिक खादों और रसायनों के अत्यधिक उपयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति धीरे-धीरे कम होती जा रही है। ऐसे में किसानों को जैविक खेती और जैविक खादों का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए। इससे उत्पादन लागत कम होगी, मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहेगी तथा बेहतर पैदावार प्राप्त होगी। कार्यक्रम में जिला से आए प्रखंड नोडल पदाधिकारी एवं सहायक अनुसंधान पदाधिकारी (मिट्टी जांच प्रयोगशाला, हाजीपुर) अरविंद रविदास, उद्यान पदाधिकारी मनोज कुमार पनासिया, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक रौनी कुमार, कृषि सलाहकार रंजीत राम, संजय कुमार समेत अन्य कृषि कर्मी उपस्थित रहे। चौपाल में दर्जनों किसानों ने कृषि संबंधी समस्याओं और योजनाओं पर चर्चा कर जानकारी प्राप्त की।

पवन सिंह को बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने के संकेत

एजेंसी, पटना

भोजपुरी गायक और भाजपा नेता पवन सिंह को बिहार विधान परिषद (MLC) बनाए जाने के बाद सांसद मनोज तिवारी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि, 'MLC कोई छोटा पद नहीं होता, बल्कि यह बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण दायित्व है। MLC बनने के लिए लोग वर्षों तक प्रयास करते हैं। इस पद के माध्यम से जनता की व्यापक सेवा की जा सकती है।'

जल्द कुछ बड़ा दायित्व मिलेगा - मनोज तिवारीः पवन सिंह के मंत्री बनने की संभावनाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर मनोज तिवारी ने कहा कि, 'सभी बातें मुझसे ही न कहलवाई जाए।' उन्होंने संकेत देते हुए कहा कि, 'पवन सिंह को जल्द ही कुछ न कुछ बड़ा दायित्व मिल सकता है।'

खान सर-रौशन आनंद विवाद पर जताई चिंताः पटना में खान सर और ज्ञान बिंदु कोचिंग के संचालक रौशन आनंद के बीच चल रहे विवाद पर भी सांसद मनोज तिवारी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि, 'इस पूरे घटनाक्रम से उन्हें काफी दुख हुआ है।'

निष्पक्ष जांच की मांगः मनोज तिवारी ने कहा कि, 'बिहार पुलिस को इस मामले की निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाना चाहिए।'

पटना में शराब-गैस की कालाबाजारी का भंडाफोड़, शास्त्रीनगर से पति-पत्नी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के शास्त्रीनगर इलाके में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध गैस सिलेंडर और शराब कारोबार का खुलासा किया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सोनू नामक व्यक्ति के मकान में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान 56 डोमेस्टिक और कमर्शियल गैस सिलेंडर और विदेशी शराब बरामद की गई है। इसकी बाजार में अनुमानित कीमत 8 लाख रुपए बताई जा रही है।

अवैध कारोबार में शामिल पति-पत्नी गिरफ्तारः पुलिस जांच में सामने आया कि इस अवैध कारोबार में पति और पत्नी दोनों इस धंधे में संलिप्त थे, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी पहचान सोनू और बबली के रूप में हुई है। मामला शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के रवि चौक नाला इलाके का है।

'युद्ध की खबर के बाद कमाई का लगा मौका': पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि, 'युद्ध संबंधी खबरों के बाद उन्हें लगा कि गैस सिलेंडर की मांग बढ़ेगी और इससे ज्यादा कमाई की जा सकती है। इसके बाद उन्होंने सिलेंडर जमा करना शुरू किया।' पूछताछ में यह भी सामने आया कि जरूरतमंदों को एक सिलेंडर 2500 से 3000 रुपए तक में बेचा जाता था। पुलिस के अनुसार, दोनों पिछले करीब दो वर्षों से अवैध शराब और गैस सिलेंडर के कारोबार में सक्रिय थे।

आपूर्ति विभाग के साथ हुई संयुक्त कार्रवाईः टाउन डीएसपी-1 डॉ. अन्नू कुमारी ने बताया कि, 'गुप्त सूचना मिलने के बाद सत्यापन के लिए आपूर्ति निरीक्षक के साथ पुलिस टीम मौके पर पहुंची। तलाशी के दौरान भारत गैस और इंडियन गैस के कुल 56 सिलेंडर बरामद किए गए। इसके अलावा बड़ी मात्रा में विदेशी शराब भी जब्त की गई।'

56 सिलेंडर और विदेशी शराब बरामद

सप्लाई चेन की जांच जारीः पुलिस उनके दूसरी लिंकेज को भी खांगाल रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर इतने बड़े पैमाने पर सिलेंडर इन्हें कौन उपलब्ध करा रहा था। इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

चीन, यूक्रेन, उज़्बेकिस्तान से मेडिकल पढ़कर आए बिहारी स्टूडेंट, एफएमजीई एग्जाम पास होने के बावजूद नहीं मिली इंटर्नशिप

एजेंसी, पटना

फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट्स एग्जामिनेशन (FMGE) पास आउट स्टूडेंट ने आज पटना की सड़कों पर उतर के प्रदर्शन किया। उन्होंने बिहार काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रजिस्ट्रेशन ऑफिस के बाहर जमकर नारेबाजी की। चीन, यूक्रेन, उज़्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, सऊदी अरब से पढ़ाई करके आए बिहारी स्टूडेंट की यह शिकायत है कि उन्हें अभी तक इंटर्नशिप अलॉट नहीं हुई है, जिस कारण से आगे पीजी एग्जाम में उन्हें काफी परेशानी होगी। इसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार से भी दो बार मुलाकात की, लेकिन कोई जवाब नहीं आया है।

स्वास्थ्य मंत्री से दो बार की मुलाकात, नहीं मिला कोई जवाबः FMGE पास आउट स्टूडेंट डॉ श्वेता ने कहा कि, '17 जनवरी 2026 में हम सभी ने FMGE का एग्जाम दिया था और 28 जनवरी को रिजल्ट आया था, जिसमें हम सभी अच्छे नंबर के साथ उत्तीर्ण हुए थे। रिजल्ट आने के 6 महीने हो गए हैं, लेकिन अभी तक हमारा इंटर्नशिप या एलोकेशन लिस्ट अलॉट नहीं हुआ है। इसके लिए हम सचिवालय भी गए, लेकिन वहां हर कोई दूसरे आदमी पर मामले को डाल देता है।'

चीन, यूक्रेन, कज़ाख़िस्तान, किर्गिस्तान से मेडिकल पढ़ाई कीः FMGE पास आउट स्टूडेंट डॉ मोहम्मद एजाज ने कहा कि, 'हम लोग चीन, यूक्रेन, कज़ाख़िस्तान, किर्गिस्तान, रसिया से एमबीबीएस करके आए हैं। हम लोग ने 2025 का FMGE एग्जाम दिया है, जो भारत सरकार यह चेक करने के लिए लेती है कि जो हम विदेश से एमबीबीएस पढ़ कर आए हैं, तो हम इंडिया में डॉक्टर बनने लायक है या नहीं। हम सभी ने वह एग्जाम दिया और पास भी किया है। यानी भारत में डॉक्टर बनने का भारत सरकार का जो क्राइटेरिया है हम उसे पूरा करते हैं।'

अपनी मांगों के लिए पटना में किया प्रदर्शन

इस एग्जाम में पूरे बिहार से 428 स्टूडेंट हुए पासः FMGE पास आउट स्टूडेंट डॉ रितेश कुमार ने कहा कि, 'इस एग्जाम में पूरे बिहार से 428 स्टूडेंट ने पास किया था। हमारी यही मांग है कि जल्द से जल्द एलोकेशन लिस्ट जारी कर दिया जाए, ताकि हमें जो कॉलेज मिलेगा, वहां 1 साल का इंटर्नशिप करेंगे।'

6 महीने से हमें इंटर्नशिप अलॉट नहीं हुआ- डॉ अली अहमदः FMGE पास आउट स्टूडेंट डॉ अली अहमद ने कहा कि, '6 महीने से हमें इंटर्नशिप अलॉट नहीं हुआ है। जब विदेश से हम लोग मेडिकल शिक्षा प्राप्त करके आते हैं तो भारत में हमें इंटर्नशिप के तहत 1 साल का सेवा देना होता है। बिहार के विभिन्न अस्पतालों में हमें सेवा देना है, लेकिन हमें रोका जा रहा है।'

विश्व रक्तदाता दिवस पर संगोष्ठी आयोजित, छात्रों को रक्तदान के लिए किया प्रेरित

हाजीपुर

ब्रज मोहन दास महाविद्यालय, दयालपुर में विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तारकेश्वर पंडित ने की, जबकि मंच संचालन प्रो. रवि रंजन कुमार ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रो. राज कुमार ने कहा कि "रक्तदान महादान है। रक्तदान से किसी घायल या गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को नया जीवन मिलता है। जब भी अवसर मिले, प्रत्येक व्यक्ति को रक्तदान अवश्य करना चाहिए।" प्राचार्य डॉ. तारकेश्वर पंडित ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान न केवल दूसरे के जीवन की रक्षा करता है, बल्कि रक्तदान करने वाले व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। उन्होंने कहा कि नियमित रक्तदान से कई प्रकार की बीमारियों का खतरा कम होता है और व्यक्ति ऊर्जावान बना रहता है। उन्होंने छात्रों को स्वेच्छा से रक्तदान करने के लिए प्रेरित करते हुए इसके विभिन्न लाभों की जानकारी दी। संगोष्ठी में छात्र सुधीर कुमार, रणधीर कुमार, चंदन कुमार एवं छात्रा शिवानी कुमारी ने भी रक्तदान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में छात्र सचिन कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बाढ़ में 48 साल बाद ससुराल लौटी पत्नी, पति की आंखों में छलक पड़े आंसू

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बरियारपुर गांव में एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया जिसने पूरे इलाके को भावुक कर दिया। करीब 48 साल पहले ससुराल छोड़कर चली गई महिला अब अपने पति के पास लौट आई। इतने लंबे इंतजार के बाद पत्नी को सामने देखकर पति की आंखें भर आईं और परिवार में खुशी का माहौल बन गया।

ललन मिश्रा ने बताया कि, उनकी शादी मार्च 1977 में निर्मला देवी से हुई थी। शादी के करीब छह महीने बाद निर्मला देवी ससुराल छोड़कर अपने मायके दरभंगा चली गई थीं और उसके बाद कभी वापस नहीं लौटीं। ललन मिश्रा ने अपनी पत्नी को आसपास के गांवों में ढूंढा और इस दौरान उन्होंने अपनी नौकरी भी छोड़ दी थी। निर्मला देवी ने बताया कि, 'ससुराल के कुछ लोगों ने उन्हें भड़काकर घर छोड़ने पर मजबूर किया था। घर छोड़ने के बाद वह अपने मायके में रहीं। बाद में उनके पिता ने उनकी नौकरी नागपुर के एक सरकारी स्कूल में लगवा दी। तब से वह अपने दो बच्चों के साथ नागपुर में रह रही हैं। उनका एक बेटा पुणे में इंजीनियर है, जबकि दूसरा अभी पढ़ाई कर रहा है। निर्मला देवी बरियारपुर आने से पहले बख्तियारपुर थाना पहुंचीं और अपने पति के बारे में जानकारी ली। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में वह ससुराल पहुंचीं। घर पहुंचने पर शुरुआत में परिवार के लोग असमंजस में थे। इसी दौरान निर्मला देवी ने अपने हाथ पर बना पुराना गोदना (टैटू) दिखाया, जिसे देखकर ललन मिश्रा ने उन्हें पहचान लिया। इसके बाद घर का माहौल भावुक हो गया और परिवार के सदस्य उनसे मिलकर भावुक हो उठे।

प्रधानमंत्री जननी सुरक्षा योजना शिविर में 35 महिलाओं की स्वास्थ्य जांच

हाजीपुर

वैशाली जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, राजापाकर परिसर में सोमवार को प्रधानमंत्री जननी सुरक्षा योजना के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं ने स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श का लाभ उठाया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.एसपी उपाध्याय ने बताया कि शिविर में 35 महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं। जांच के दौरान हीमोग्लोबिन, वजन, रक्तचाप (बीपी), एचआईवी सहित अन्य आवश्यक परीक्षण किए गए। महिलाओं को विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, आयरन एवं कैल्शियम की गोलियां भी उपलब्ध कराई गईं। शिविर में डॉ. जितेंद्र मोहन पासवान, डॉ. श्री प्रकाश उपाध्याय, डॉ. ज्ञानदीप एवं डॉ. मनीष ने महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की। वहीं एएनएम बीना कुमारी, गुंजन कुमारी, पल्लवी कुमारी एवं शांति कुमारी ने जांच कार्य में सहयोग किया। महिला चिकित्सक डॉ.मनीषि ने गर्भवती महिलाओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने, भारी वजन नहीं उठाने तथा नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। उन्होंने हरी सब्जियां, फल, दूध, अंडा एवं अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों के सेवन पर विशेष जोर दिया। चिकित्सकों ने महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में ही डिलीवरी कराने की सलाह दी, जहां प्रशिक्षित चिकित्सक एवं एएनएम की देखरेख में प्रसव कराया जाता है। आशा कार्यकर्ताओं द्वारा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों से महिलाओं को शिविर तक लाकर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्य कर्मियों ने महिलाओं से गर्भावस्था के दौरान आयोजित होने वाले सभी निर्धारित स्वास्थ्य शिविरों में भाग लेने की अपील की, ताकि मां और शिशु दोनों स्वस्थ रह सकें।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस के बड़े बेटे को चार साल की जेल

ओस्लो। नॉर्वे में शाही परिवार की क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट के बड़े बेटे मारियस बोर्ग होइबी को यौन अपराधों से जुड़े एक मामले में दोषी पाए जाने के बाद सोमवार को चार साल जेल की सजा सुनाई गई। अदालत ने होबी के खिलाफ लगाए गए चार आरोपों में से दो में उन्हें दोषी ठहराया, जबकि दो अन्य आरोपों से बरी कर दिया। अदालत के फैसले के अनुसार ये मामले उन महिलाओं से जुड़े थे जो कथित रूप से सो रही थीं या किसी कारणवश विरोध करने की स्थिति में नहीं थीं। आरोप है कि ये अपराध 2018 और 2024 के बीच हुए थे। इसके अलावा, होइबी को कई अन्य आरोपों का भी सामना करना पड़ा, जिनमें हमला, नशीली दवाओं से जुड़े अपराध और अदालत द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन शामिल था। हालांकि, होइबी ने गंभीर आरोपों से इनकार किया, लेकिन उन्होंने कुछ कम गंभीर अपराधों, जैसे नशीली दवाओं से संबंधित उल्लंघनों और कानूनी आदेशों के उल्लंघन को स्वीकार किया था। यह मामला नॉर्वे में व्यापक चर्चा का विषय बना रहा क्योंकि होइबी, मेटे-मैरिटके सबसे बड़े बेटे हैं। होबी का जन्म क्राउन प्रिंसेस की प्रिंस हाकोनसे शादी से पहले के एक रिश्ते से हुआ था। हालांकि होइबी के पास कोई शाही उपाधि नहीं है और वे आधिकारिक शाही दायित्व नहीं निभाते हैं, फिर भी शाही परिवार से उनके संबंध के कारण मुकदमे पर देशभर की नजर बनी रही। यह मुकदमा कई सप्ताह तक चला, जिसमें अदालत ने कई शिकायतकर्ताओं की गवाही सुनी और प्रस्तुत साक्ष्यों की विस्तृत जांच की। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए होइबी को चार वर्ष के कारावास की सजा सुनाई।

यूरोपीय संघ के विदेश मंत्री रूस के खिलाफ नए प्रतिबंधों पर विचार करेंगे

मॉस्को। यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश मंत्री सोमवार को लक्ज़मबर्ग में होने वाली बैठक में रूस के लोगों, कंपनियों और संगठनों के खिलाफ़ 'व्यक्तिगत प्रतिबंधों की सूची को बढ़ाने पर विचार करेंगे। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने बैठक से पहले कहा, "हम आज और भी नाम और प्रतिबंध लेकर आ रहे हैं; हम रूस के सैन्य-औद्योगिक ढांचे के साथ-साथ 'गुप्त रूप से काम करने वाले जहाजों के बेड़े पर भी काम कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि यूरोपीय आयोग उन रूसियों की सूची तैयार करने की योजना बना रहा है जिन्होंने यूक्रेन में 'विशेष सैन्य अभियान में हिस्सा लिया था, ताकि उन्हें शेंगेन ज़ोन के देशों में प्रवेश करने से रोका जा सके। कल्लास ने कहा कि वह वीज़ा नीति की विशेषज्ञ नहीं हैं, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार ऐसा करना संभव है। ईयू आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने पिछले हफ़्ते रूस के खिलाफ़ प्रतिबंधों के 21वें पैकेज के लिए प्रस्ताव पेश करते हुए कहा था कि ईयू उन लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव कर रहा है जिन्होंने 2022 से रूसी सशस्त्र बलों में सेवा की है। रूस ने बार-बार कहा है कि वह उन प्रतिबंधों के दबाव का सामना कर लेगा जो पश्चिम ने कई साल पहले उस पर डालने शुरू किए थे और जिन्हें लगातार बढ़ाया जा रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन ने पहले कहा था कि रूस को रोकने और कमज़ोर करने की नीति पश्चिम की एक दीर्घकालिक रणनीति है और इन प्रतिबंधों ने पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचाया है।

ओडिशा में एक परिवार के सामाजिक बहिष्कार मामले का मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में घटी एक अमानवीय घटना का स्वतः संज्ञान लिया है। जिले के महुलदिहा गांव में एक परिवार को पिछले 12 सालों से कथित सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ रहा था। इस बीच परिवार की एक बुजुर्ग महिला की मृत्यु होने पर ग्रामीणों ने उनके अंतिम संस्कार में सहयोग देने से भी साफ इनकार कर दिया। आयोग ने सोमवार को राज्य के मुख्य सचिव को नोटिस जारी किया और दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार विवाद करीब 12 साल पहले शुरू हुआ था। पीड़ित परिवार की बेटी कुछ समय के लिए दूसरी जाति के एक व्यक्ति के साथ घर से बाहर चली गई थी। इस बात से नाराज ग्रामीणों ने परिवार पर भारी जुर्माना लगा दिया। परिवार बेहद गरीब था और जुर्माने की रकम चुकाने में असमर्थ था इसलिए ग्रामीणों ने पूरे परिवार को समाज से बहिष्कृत कर दिया। खबर के मुताबिक, 12 वर्षों तक इस सामाजिक दंश को झेलने के बाद हाल ही में परिवार की बुजुर्ग महिला का निधन हो गया। ग्रामीणों ने अंतिम संस्कार में बेटी या परिवार की मदद करने से इनकार कर दिया। ग्रामीणों के इस अमानवीय रुख के बाद स्थानीय प्रशासन ने मामले में हस्तक्षेप किया। प्रशासन और कुछ स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के सहयोग व सक्रिय प्रयासों से बुजुर्ग महिला का अंतिम संस्कार संपन्न कराया जा सका।

कोलकाता में सीएम शुभेंदु के मंच पर दिखे फिरहाद व ममता बनर्जी की भाभी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार कोलकाता नगर निगम (केएमसी) मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान मंच और कार्यक्रम स्थल पर तृणमूल कांग्रेस से जुड़े कई प्रमुख नेता, पार्षद और पूर्व जनप्रतिनिधि मौजूद दिखाई दिए। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भाभी तथा वार्ड संख्या 73 की पार्षद काजरी बनर्जी भी उपस्थित रहीं। उनके अलावा केएमसी के पूर्व मेयर और हाल ही में पद से इस्तीफा देने वाले फिरहाद हाकिम भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर पार्षद अनन्या बनर्जी, जुई विश्वास, पूर्व विधायक देबाशीष कुमार सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। कार्यक्रम में राज्य मंत्री शशि पांजा की बेटी और मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य के पुत्र की उपस्थिति भी चर्चा का विषय रहा। केएमसी में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने "स्वच्छता से स्वागत" अभियान का शुभारंभ किया। मंच पर उनके साथ दक्षिण कोलकाता की सांसद माला राय, संदीपन साहा और जावेद खान भी मौजूद रहे। राजनीतिक रूप से इस कार्यक्रम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि मुख्यमंत्री बनने के बाद शुभेंदु अधिकारी की नगर निगम में यह पहली आधिकारिक उपस्थिति थी। कार्यक्रम में विभिन्न दलों और राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़े जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता, नागरिक सेवाओं और शहरी विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई तथा नगर निगम क्षेत्र में चलाए जाने वाले स्वच्छता अभियानों को लेकर भी संदेश दिया गया।

राजधानी में मंगलवार को फिर बरसेंगे बदरा, तेज हवाओं का सिलसिला रहेगा जारी

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुसार दिल्ली-एनसीआर में सोमवार को तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई। इससे यहां का मौसम सुहावना हो गया है। वहीं दक्षिण-पश्चिम मानसून बिहार, झारखंड से लेकर पश्चिम बंगाल तक आगे बढ़ चुका है। आईएमडी के अनुसार राजधानी में मंगलवार को दोपहर और शाम के दौरान के समय तेज हवाओं और गरज के साथ हल्की बारिश के आसार हैं। इस दिन अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38-40 डिग्री सेल्सियस और 26-28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। 17 जून को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। राजधानी का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39-41 डिग्री सेल्सियस और 27-29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हवाओं की गति सामान्य रहेगी। 18 जून को भी आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40-42 डिग्री सेल्सियस और 28-30 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून आज आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड और बिहार के बाकी हिस्सों में और आगे बढ़ गया है। अगले 6-7 दिनों के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। अगले 2-3 दिनों के दौरान तेलंगाना और विदर्भ के कुछ इलाकों में लू चलने की बहुत संभावना है।

तेज रफ्तार प्राइवेट बस खेत में पलटी, तीन यात्रियों की मौत

एजेंसी, फतेहाबाद

हरियाणा के फतेहाबाद जिले में सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जहां टोहाना आ रही एक तेज रफ्तार प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में एक महिला समेत 3 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने टोहाना-फतेहाबाद रोड पर चक्का जाम कर दिया है, जिससे इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

पुलिस और चश्मदीदों के मुताबिक, हादसे का शिकार हुई प्राइवेट बस में क्षमता से अधिक करीब 50 से 55 सवारियां मौजूद थीं। बस में सवार यात्री राममेहर निवासी गांव चंदड़ ने बताया कि ड्राइवर शुरुआत से ही बस को बेहद तेज गति और लापरवाही से चला रहा था। जैसे ही बस गांव भोडी के पास एक कट पर पहुंची, ड्राइवर ने तेज रफ्तार में ही बस को अचानक मोड़ दिया। रफ्तार अधिक होने के कारण ड्राइवर वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और बस पलटते हुए सीधे खेत में जा गिरी। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। हादसे की आवाज सुनते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मदद के लिए दौड़े। उन्होंने मुस्तैदी दिखाते हुए बस के शीशे तोड़े और भीतर फंसे घायल व सहमे हुए यात्रियों को बाहर निकाला।

12 घायल

घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी बीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। फिलहाल मृतकों की पहचान की कोशिश की जा रही है। हादसे की खबर मिलते ही राज्यसभा सांसद सुभाष बराला भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने खुद खड़े रहकर घायलों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की और प्रशासनिक अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने तथा घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के सख्त निर्देश दिए। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों का चक्का जामइस दर्दनाक हादसे के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। घटना के तुरंत बाद आरोपी ड्राइवर और कंडक्टर मौके से फरार हो गए, जिससे नाराज होकर गुस्साए ग्रामीणों ने गांव भोड़ी में टोहाना-फतेहाबाद रोड पर धरना शुरू कर दिया और चक्का जाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि ड्राइवरों की इस तरह की लापरवाही आए दिन मासूमों की जान ले रही है। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि जब तक फरार ड्राइवर और कंडक्टर को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक वे सडक़ से नहीं हटेंगे और उनका आंदोलन जारी रहेगा। कुछ लोगों ने चालक के नशे में होने की भी बात कही है।

उच्च स्तरीय शिक्षा योजना के तहत 4,742 वंचित छात्र लाभ पा सके

एजेंसी, नई दिल्ली

केन्द्र सरकार की उच्च स्तरीय शिक्षा योजना के तहत पेशेवर, शोधकर्ता और उद्यमी देश के विकास कार्यों को गति दे रहे हैं। यह योजना अनुसूचित जाति (एससी) के लिए है। अब तक 4,742 वंचित छात्र इस योजना का लाभ पा चुके हैं।

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार सरकार का लक्ष्य यह है कि एससी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और सशक्त बनें। उन छात्रों के भी योगदान से राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल और आत्मनिर्भर बनेगा। इसमें नवप्रवर्तक और नेता भी शामिल हैं। इस योजना का लाभ उन्हीं छात्रों को मिल सकता है जिनके परिवार की वार्षिक आय आठ लाख रुपये है। इन समुदाय के मेधावी छात्रों को उच्च संस्थानों में निशुल्क प्रवेश दिया जाता है। इन संस्थानों में छात्रों को अनुसंधान और नवाचार करने का अवसर प्राप्त होता है। इनके योगदान, लगन और मेहनत से राष्ट्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनता है।

फिलहाल, इस योजना के तहत छात्र भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (एनआईटी), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी), राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (एनएलयू), राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) जैसे प्रमुख प्रबंधन संस्थानों और राष्ट्रीय महत्व के अन्य संस्थानों सहित प्रमुख संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

मंत्रालय के मुताबिक, यह योजना केन्द्र सरकार की शैक्षिक सशक्तिकरण, समावेशन और समान अवसर के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि इस योजना को 2007-08 में शुरू किया गया था। अब तक 4,742 छात्र इस योजना का लाभ पा चुके हैं। छात्रों पर खर्च होने वाला वार्षिक व्यय 2.17 करोड़ रुपये से बढ़कर 117.19 करोड़ हो गया है।

भारतीय रेलवे ने उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल के लिए 201 करोड़ रुपये के कवच प्रोजेक्ट को मंजूरी दी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने रेलवे सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल के शेष ब्रॉड गेज मार्गों पर 'कवच' प्रणाली स्थापित करने की 201 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना 811 रूट किलोमीटर क्षेत्र को कवर करेगी। रेल मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि इस कार्य को भारतीय रेलवे के शेष मार्गों पर एलटीई आधारित संचार नेटवर्क के साथ 'कवच' प्रणाली उपलब्ध कराने के व्यापक कार्यक्रम के तहत स्वीकृति दी गई है।

परियोजना के तहत अंबाला मंडल के कई महत्वपूर्ण रेलखंडों पर कवच प्रणाली स्थापित की जाएगी। इनमें अंबाला छावनी-लुधियाना, कालका-चंडीगढ़-न्यू मोरिंडा-साहनेवाल, सरहिंद-दौलतपुर चौक, राजपुरा-बठिंडा-श्रीगंगानगर तथा लुधियाना-धूरी-जाखल रेलखंड शामिल हैं। ये रेलमार्ग हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश को जोड़ने वाले प्रमुख कॉरिडोर हैं, जहां यात्री और माल यातायात का भारी दबाव रहता है। क्षेत्र में लोगों और वस्तुओं के आवागमन में इन मार्गों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उल्लेखनीय है कि 'कवच' भारतीय रेलवे द्वारा विकसित स्वदेशी ऑटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) प्रणाली है, जिसका उद्देश्य रेल संचालन को अधिक सुरक्षित बनाना है। यह प्रणाली सिग्नल पासिंग एट डेंजर (एसपीएडी) जैसी घटनाओं को रोकने, आवश्यकता पड़ने पर स्वतः ब्रेक लगाने, संवेदनशील परिस्थितियों में ट्रेन की गति नियंत्रित करने और टक्कर की आशंका को काफी हद तक कम करने में सक्षम है। रेलवे का कहना है कि नेटवर्क पर सुरक्षा, विश्वसनीयता और परिचालन क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से उच्च घनत्व और रणनीतिक महत्व वाले मार्गों पर 'कवच' प्रणाली का विस्तार लगातार किया जा रहा है।

मणिपुर : रिम्स अस्पताल परिसर में प्रदर्शन और झड़प, छोड़े गए आंसू गैस के गोले

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सोमवार को हुई गोलीबारी की घटना में घायल तीन कुकी व्यक्तियों को उपचार के लिए रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) लाए जाने के बाद अस्पताल परिसर में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। विरोध प्रदर्शन धीरे-धीरे उग्र हो गया, जिसके बाद सुरक्षा बलों को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े।

जानकारी के अनुसार, कांगपोकपी जिले के लेइलोन वैफेई और कोंसाखुल गांवों के निकट हुई कथित गोलीबारी में घायल तीन लोगों को विशेष उपचार के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया था। उनके अस्पताल पहुंचते ही बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी अस्पताल के मुख्य द्वार पर एकत्र हो गए और भर्ती का विरोध करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी।

स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब कुछ प्रदर्शनकारी सुरक्षा घेरा पार कर अस्पताल परिसर में प्रवेश कर गए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि घायल व्यक्ति प्रतिद्वंद्वी कुकी गुटों से जुड़े हुए हैं। इस दौरान ऑल नागा स्टूडेंट्स एसोसिएशन मणिपुर (एएनएसएएम) के प्रतिनिधियों ने सुरक्षा बलों द्वारा घायलों को अस्पताल तक सुरक्षा प्रदान किए जाने पर सवाल उठाए और घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की।

प्रदर्शन के उग्र होने पर कुछ लोग अस्पताल के आपातकालीन वार्ड की ओर बढ़ने लगे, जिससे सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई। कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा कर्मियों ने आंसू गैस के गोले दागे, जिसके बाद प्रदर्शनकारी अस्पताल परिसर से हट गए।

हालांकि, अस्पताल के बाहर विभिन्न समूहों द्वारा विरोध प्रदर्शन जारी रखा गया। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए रिम्स और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। अंतिम सूचना मिलने तक इस मामले में किसी अतिरिक्त घायल या गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी, जबकि प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाए गए आरोपों पर भी प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।

प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में ईडी ने सीबीआई चार्जशीट के ऑडियो संवाद पर किया फोकस

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल के प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद व तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सोमवार को पूछताछ कर रही है। अभिषेक निर्धारित समय से पहले साल्ट लेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स पहुंचे, जहां उनसे लगातार सवाल-जवाब जारी है। सूत्रों के अनुसार, ईडी की पूछताछ का आधार केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की तीसरी अनुपूरक आरोपपत्र है। आरोपपत्र में वर्ष 2017 की एक कथित 15 मिनट की ऑडियो बातचीत का उल्लेख किया गया है, जिसमें कई बार "अभिषेक बनर्जी" नाम का जिक्र सामने आया था। बातचीत में कथित तौर पर नौकरी दिलाने के बदले धन लेने और उस धन के बंटवारे को लेकर चर्चा होने का दावा किया गया है।

इस मामले में पहले ही तथाकथित "कालीघाट के काकू" सुजयकृष्ण भद्र, तृणमूल के पूर्व युवा नेता शांतनु बनर्जी तथा कुंतल घोष को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच एजेंसियों के अनुसार, वर्ष 2017 में सुजयकृष्ण के बेहाला स्थित आवास पर इन तीनों के बीच एक बैठक हुई थी। जांच के दौरान सीबीआई को उस समय की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग मिली थी, जिसे बाद में आरोपपत्र का हिस्सा बनाया गया। सीबीआई के अनुसार, रिकॉर्डिंग में प्राथमिक शिक्षक भर्ती के लिए बड़ी राशि की मांग किए जाने की चर्चा है। आरोप है कि उम्मीदवारों से कितनी राशि एकत्र की जाएगी और वह धन किस प्रकार पहुंचाया जाएगा, इस पर बातचीत हुई थी। हालांकि, रिकॉर्डिंग में जिस "अभिषेक" का उल्लेख है, वह अभिषेक बनर्जी ही हैं या नहीं, इस पर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

आरोपपत्र में यह भी दावा किया गया है कि कथित रिश्वत राशि नहीं मिलने पर नियुक्तियां रोकने तथा नौकरी के अभ्यर्थियों को झूठे मामलों में फंसाने जैसी धमकियों का भी उल्लेख है। बातचीत में भर्ती घोटाले के अन्य आरोपित और राज्य के पूर्व मंत्री पार्थ चट्टोपाध्याय का नाम भी सामने आया है।

जांच एजेंसियां सुजय कृष्ण भद्र और अभिषेक बनर्जी की कंपनी "लिप्स एंड बाउंड्स" के बीच संबंधों तथा वित्तीय लेनदेन की भी जांच कर रही हैं। सुजयकृष्ण इस कंपनी में कर्मचारी रह चुके थे। ईडी इससे पहले भी इस कंपनी से जुड़े वित्तीय मामलों में अभिषेक से पूछताछ कर चुकी है। सूत्रों का कहना है कि इस बार ईडी अभिषेक बनर्जी से उनकी अन्य कंपनियों और उनसे जुड़े वित्तीय लेनदेन के बारे में भी जानकारी जुटा सकती है। इसी कारण प्राथमिक भर्ती घोटाले के साथ-साथ कारोबारी गतिविधियां भी जांच एजेंसी के दायरे में हैं।

गौरतलब है कि, अभिषेक बनर्जी ने पहले इन आरोपों को राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हुए किसी भी अनियमितता में संलिप्तता से इनकार किया है। मामले की जांच जारी है और एजेंसियां उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही हैं।

टीवी अभिनेत्री संचिता उगले ने की आत्महत्या, मनोरंजन जगत में शोक

एजेंसी, मुंबई

टेलीविजन जगत की जानी मानी अभिनेत्री संचिता उगले अपने घर में मृत पाई गईं हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उन्होंने कथित तौर पर आत्महत्या की है। पुलिस मामले की गहन छानबीन कर रही है। घटना के बाद मनोरंजन जगत और उनके प्रशंसकों के बीच शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस के मुताबिक संचिता अपने माता-पिता और बहन के साथ मुंबई महानगर क्षेत्र के नालासोपारा में रहती थीं। घटना के समय वह घर में अकेली थीं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि उन्होंने साड़ी के सहारे फांसी लगाई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

संचिता उगले टीवी के कई चर्चित धारावाहिकों जैसे 'कुमकुम भाग्य', 'दिलवाली दूल्हा ले जाएगी' और 'साजन घर' में काम किया था। उन्होंने फिल्मों में भी काम किया और हाल ही में विक्की कौशल अभिनीत फिल्म 'छावा' में 'ताराबाई' के किरदार में दिखाई दी थीं।

खास बात यह है कि मौत से कुछ घंटों पहले ही उन्होंने सोशल मीडिया पर एक रील वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह बेहद खुश नजर आ रही थीं। उनकी अचानक मौत की खबर से फैंस स्तब्ध हैं और सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

कोलकाता होगा योगमय, हुगली नदी में 509 नौका पर होगा आयोजन

एजेंसी, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोलकाता में 10 लाख लोगों के साथ योग करेंगे। इस वर्ष के योग दिवस की थीम "स्वस्थ आयु के लिए योग" रखा गया है। मुख्य आयोजन के साथ हुगली नदी में 509 नाव पर योग किया जाएगा। राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में सोमवार को आयोजित विशेष 'कर्टेन रेजर' पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग आज एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है। इसी विजन को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष की विशेष थीम "स्वस्थ आयु के लिए योग" रखा गया है।

केंद्रीय आयुष मंत्री प्रताप राव जाधव ने कहा कि इस वर्ष 21 जून को योग दिवस पर मुख्य कार्यक्रम कोलकाता में रेड रोड पर होगा।

प्रताप राव जाधव कहा कि 20 जून को बंगाल दिवस भी मनाया जाएगा 19 जून को योग से ध्यान कार्यक्रम होगा। उन्होंने बताया कि कोलकाता में योग दिवस की तैयारी पूरी तेजी से चल रही है। पश्चिम बंगाल में कभी भी पिछले 50 वर्षों में योग को महत्व नहीं दिया गया जबकि बंगाल के स्वामी विवेकानंद ने योग का प्रचार प्रसार विश्व भर में किया था। इसलिए योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम इस बार कोलकाता में हो रहा है। 19 जून को कोलकाता में रन फ़ॉर योग का कार्यक्रम होगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली में 38 स्थानों पर योग होगा। मुख्य कार्यक्रम दिल्ली के कर्तव्य पथ में होगा।

दिल्ली मेट्रो मार्गों पर मोबाइल नेटवर्क गुणवत्ता परीक्षण में जियो और एयरटेल आगे, एमटीएनएल और वोडाफोन -आइडिया पिछड़े

एजेंसी, नई दिल्ली

दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के राजधानी दिल्ली में मेट्रो मार्गों पर किए गए मोबाइल नेटवर्क गुणवत्ता परीक्षण में जियो और एयरटेल सबसे आगे रहे, जबकि एमटीएनएल और वोडाफोन-आइडिया कई मानकों पर पिछड़ गए। इस परीक्षण में जियो ने औसतन 141 एमबीपीएस और एयरटेल ने 81 एमबीपीएस डाउनलोड स्पीड हासिल की, जबकि एमटीएनएल 4 एमबीपीएस और वोडाफोन आइडिया 23 एमबीपीएस पर रहा। केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार अप्रैल में किए गए स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट में कवरेज गैप, कॉल ड्रॉप, कॉल सेटअप सफलता दर और डेटा स्पीड जैसे प्रमुख मानकों का आकलन किया गया। यह परीक्षण दिल्ली लाइसेंस सेवा क्षेत्र में 490 किलोमीटर लंबे मेट्रो मार्गों पर किया गया। इसमें दिल्ली मेट्रो रेल निगम, नोएडा मेट्रो रेल निगम और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के मार्ग शामिल रहे।

रिपोर्ट में बताया गया कि अपलोड स्पीड में भी एयरटेल (25.98 एमबीपीएस) और जियो (19.99 एमबीपीएस) आगे रहे, जबकि एमटीएनएल (1.84 एमबीपीएस) और वोडाफोन आइडिया (16.96 एमबीपीएस) पीछे रहे। कॉल ड्रॉप दर में एमटीएनएल का प्रदर्शन सबसे कमजोर रहा, जहां 51 कॉल ड्रॉप दर्ज किए गए। एयरटेल में 5, जियो में 8 और वोडाफोन आइडिया में 10 कॉल ड्रॉप हुए। कवरेज गैप में भी एमटीएनएल सबसे पीछे रहा, जहां 20 हजार से अधिक नमूनों में कमजोर सिग्नल दर्ज हुआ। एयरटेल, जियो और वोडाफोन आइडिया की तुलना में एमटीएनएल का नेटवर्क प्रदर्शन सबसे कमजोर पाया गया।

ट्राई ने कहा कि इन परीक्षणों का उद्देश्य उपभोक्ताओं को वास्तविक समय में मोबाइल नेटवर्क सेवाओं की गुणवत्ता की जानकारी देना और सेवा प्रदाताओं को अपनी सेवाओं में सुधार के लिए प्रोत्साहित करना है। परीक्षण के दौरान कवरेज, कॉल ड्रॉप दर, कॉल सेटअप सफलता दर, डेटा डाउनलोड और अपलोड स्पीड जैसे प्रमुख मानकों का आकलन किया गया। ट्राई ने बताया कि परीक्षण के दौरान एयरटेल, एमटीएनएल, जियो और वोडाफोन आइडिया की सेवाओं का मूल्यांकन किया गया। कवरेज गैप में एयरटेल के 1280, एमटीएनएल के 20768, जियो के 1297 और वोडाफोन आइडिया के 1490 नमूनों में कमजोर सिग्नल दर्ज हुआ। कॉल ड्रॉप में एयरटेल के 5, एमटीएनएल के 51, जियो के 8 और वोडाफोन आइडिया के 10 कॉल ड्रॉप दर्ज किए गए।

RNI : JHAHIN/2014/54374
Rashtria Mukhyadhara
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/

रोहित शर्मा के रिटायर होने के बाद ही यशस्वी को एकदिवसीय में नियमित जगह मिल पायेगी : सहवाग

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि रोहित शर्मा के रिटायर होने के बाद यशस्वी जायसवाल को स्थायी तौर पर एकदिवसीय में पारी में शुरुआत करने का अवसर मिल सकेगा। सहवाग के अनुसार जब तक रोहित खेलेंगे यशस्वी को पारी की शुरुआत का अवसर नहीं मिलेगा। उन्हें किसी अन्य स्थान पर भी तभी खेलने का अवसर मिलेगा जब कोई अन्य खिलाड़ी फिटनेस या किसी अन्य कारण से बाहर होगा। टेस्ट क्रिकेट में बेहतरीन बल्लेबाजी के बाद भी यशस्वी अब तक एकदवसीय टीम में जगह हासिल नहीं कर पाये हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए उन्हें तभी जगह मिली जब विराट कोहली फिट नहीं पाये गये।

सहवाग का मानना है कि यशस्वी के पास सभी प्रारुपों में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता है पर इसके बाद भी सीमित ओवरों के प्रारुप में वह अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। उन्हें अवसर का इंतजार करना पड़ रहा है क्योंकि पारी की शुरुआत के लिए जगह नहीं है। रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने पारी की शुरुआत में अपनी जगह पक्की कर ली है। ऐसे में यशस्वी को तभी मौका मिलता है, जब इनमें से कोई सीनियर खिलाड़ी उपलब्ध नहीं होता। यशस्वी ने अब तक मिले अवसरों में साबित किया है कि वह सीमित ओवरों में भी प्रभावी हैं।

सहवाग ने कहा, "अभी जगह नहीं है। शुभमन कप्तान हैं। रोहित खेल रहे हैं पर जैसे ही रोहित रिटायर होंगे, वैसे ही यशस्वी को सफेद गेंद प्रारुप में जगह मिल जाएगी। इसमें रुतुराज गायकवाड़ उनके प्रतिद्वंदी हो सकते हैं पर अगर आप तीन बल्लेबाज पारी की शुरुआत के लिए रखते हैं तो यशस्वी को जरुर अवसर मिलेगा।" सहवाग के अनुसार वह

टीम में तभी आ गये थे जब गिल या शर्मा उपलब्ध नहीं थे। ऐसा नहीं था कि उन्हें अवसर मिला और उन्होंने प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने जब मौका मिला, बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। उन्हें प्रदर्शन के कारण बाहर नहीं किया पर बल्कि इसलिए क्योंकि वह किसी और की जगह पर शामिल किये गये थे। सहवाग के अनुसार ईशान किशन भी एकदिवसीय टीम में जगह के प्रबल दावेदार हैं।

सहवाग ने आगे कहा, "ईशान किशन भी वनडे क्रिकेट का हिस्सा नहीं हैं. उन्होंने वनडे में सबसे तेज डबल सेंचुरी बनाई है. वह भी एक खिलाड़ी हैं जो दावेदार हैं. मैं जायसवाल को वनडे और टी20 में यानी तीनों फॉर्मेट में देखना चाहूंगा. वह ऐसा खिलाड़ी है जो तीनों फॉर्मेट में खेल सकता है।"

इंग्लैंड दौरे के लिए इसी सप्ताह हो सकती है भारतीय एकदिवसीय टीम की घोषणा

- विराट, हार्दिक और रोहित को फिट होने पर अवसर मिलना तय

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति इसी सप्ताह इंग्लैंड दौरे के लिए एकदिवसीय टीम की घोषणा कर सकती है। भारतीय टीम को अगले माह जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सीरीज सीरीज खेलनी है। इस दौर को लेकर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और रोहित शर्मा पर सबकी नजरें रहेंगी। अगर ये फिट रहे तो इन्हें जगह मिलना पक्का है। कोहली और पांड्या दोनों ही चोटिल होने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ जारी रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हैं, इनकी फिटनेस रिपोर्ट पर चयनसमिति संभीरता से नजर रखेगी। विराट को मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या है, जबकि हार्दिक पांड्या की चोट पुरानी है। हार्दिक, जो पहले चोट से उबरकर अफगानिस्तान सीरीज के लिए वापसी के करीब थे पर बदकिस्मती से आखिरी प्रशिक्षण सत्रों के दौरान पैर में दोबारा चोटिल होने के कारण बाहर हो गये। इस कारण वह एक बार फिर खेल से दूर हो गए हैं। वह अभी बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिकवरी के दौर से गुजर रहे हैं। वहीं चयनकर्ता और टीम प्रबंधन की प्राथमिकता है कि ये दोनों खिलाड़ी जल्द से जल्द फिट होकर अपनी फॉर्म फिर हासिल करें, जिससे 2027 विश्व कप के लिए एक आदर्श टीम संयोजन तैयार किया जा सके। अफगानिस्तान सीरीज में कोहली की अनुपस्थिति में ईशान किशन नंबर तीन पर बल्लेबाजी कर रहे हैं, जबकि हार्दिक की जगह युवा नीतीश कुमार रेड्डी को मौका दिया जा रहा है। चयनकर्ता चाहेंगे कि हार्दिक को पूर्ण रूप से फॉर्म में लौटने और वनडे क्रिकेट से तालमेल बिठाने के लिए पर्याप्त अवसर मिलें।

फीफा विश्व कप 2026

जर्मनी ने कुरासाओ को 7-1 से रौंदा, काई हैवट्ज़ ने दागे दो गोल

एजेंसी, ह्यूस्टन

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-ई मुकाबले में जर्मनी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए रविवार देर रात इस टूर्नामेंट में पहली बार खेल रही कुरासाओ की टीम को 7-1 से करारी शिकस्त दी। जूलियन नागेल्समैन की टीम ने टूर्नामेंट की शुरुआत शानदार अंदाज में की और अपने आक्रामक खेल से एकतरफा जीत दर्ज की। जर्मनी की ओर से काई हैवट्ज़ ने दो गोल किए, जबकि फेलिक्स नेमचा, निको श्लोटरबेक, जमाल मुसियाला, नाथानियल ब्राउन और डेनिज उंडाव ने एक-एक गोल कर टीम की जीत को और बड़ी बना दिया।

मुकाबले की शुरुआत जर्मनी ने तेज अंदाज में की, लेकिन कुरासाओ ने भी कुछ समय तक मुकाबला रोचक बनाए रखा। मैच के 21वें मिनट में लिवानो कोमेनेन्सिया ने गोल कर स्कोर बराबर किया और इसके साथ ही विश्व कप इतिहास में कुरासाओ का पहला गोल भी दर्ज हो गया। हालांकि इसके बाद जर्मनी ने पूरी तरह मैच पर नियंत्रण कर लिया। तेज पासिंग, लगातार हमलों और शानदार फिनिशिंग के दम पर जर्मन टीम ने कुरासाओ की रक्षा पंक्ति को पूरी तरह तोड़ दिया।

पहले हाफ के बाद जर्मनी लगातार गोल करता गया और दूसरे हाफ में भी उसका दबदबा कायम रहा। काई हैवट्ज़ के दो गोलों के अलावा बाकी खिलाड़ियों ने भी स्कोरशीट पर नाम दर्ज कराया। इस बड़ी जीत के साथ जर्मनी ने ग्रुप-ई में मजबूत शुरुआत करते हुए अपने इरादे साफ कर दिए हैं, जबकि कुरासाओ को अपने अगले मुकाबले में वापसी की चुनौती का सामना करना होगा।

फीफा विश्वकप में बेहतर शुरुआत से ही मिलेगी सफलता : रोनाल्डो

एजेंसी, ह्यूस्टन

पुर्तगाल के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपनी टीम से कहा है कि उसे फीफा विश्वकप खिताब जीतने की चिन्ता छोड़कर बेहतर शुरुआत पर ध्यान देना चाहिये। रोनाल्डो के अनुसार बेहतर शुरुआत होने से ही टीम को खिताबी जीत मिलने की संभावना रहेगी। पुर्तगाल की टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 17 जून को कांगो के खिलाफ मैच से करेगी है। उन्होंने खिलाड़ियों से खिताब जीतने के शुरुआती दबाव को भूलकर टूर्नामेंट में एक मजबूत और सकारात्मक शुरुआत पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। रोनाल्डो ने स्पष्ट किया कि बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ने से पहले, हर मैच को एक-एक करके खेलना और धीरे-धीरे अपनी रणनीति को अमल में लाने पर ही विश्व कप जैसे कठिन मुकाबले में सफलता मिल सकती है एक प्रकार से देखा जाये तो ये जीत की कुंजी होगी। पुर्तगाल अपना पहला ग्रुप मैच

गौतरलब हैकि 48 शीर्ष टीमों के इस विशाल टूर्नामेंट में रोनाल्डो के कारण ही पुर्तगाल को स्वाभाविक रूप से एक मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। 41 वर्षीय रोनाल्डो, जो इतिहास रचते हुए अपना छठा विश्व कप खेलने जा रहे हैं, इस मामले में अर्जेंटीना के अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी के साथ सर्वाधिक विश्व कप खेलने का रिकॉर्ड साझा करेंगे। अपने अपार अनुभव और असाधारण नेतृत्व क्षमता के साथ, रोनाल्डो अच्छी तरह जानते हैं कि बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर किस तरह की मानसिकता की आवश्यकता होती है। उन्होंने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा, अच्छी शुरुआत करना, पहले और दूसरे मैच में अच्छा प्रदर्शन करना और फिर ग्रुप में पहले स्थान पर रहना जरुरी है।

उन्होंने कहा, इसके बाद हम केवल एक मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हमें धीरे-धीरे आगे बढ़ना होगा। अच्छी शुरुआत सबसे महत्वपूर्ण है। यह रवैया टीम को हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और अनावश्यक दबाव से बचने में मदद करेगा। पुर्तगाल की टीम ग्रुप के में है और अपना पहला मैच बुधवार को ह्यूस्टन के स्टेडियम में कांगो के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद, वे 23 जून को ह्यूस्टन में ही उज्बेकिस्तान से भिड़ेंगे। ग्रुप चरण का उनका अंतिम और निर्णायक मैच 27 जून को मियामी में कोलंबिया के खिलाफ होगा, जो टूर्नामेंट में उनकी आगे की यात्रा के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

रोनाल्डो ने अपनी टीम को केवल तकनीकी कौशल पर ही नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक तैयारी पर भी जोर देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा, टूर्नामेंट के आगे बढ़ने के साथ जब मुकाबला कड़ा हो जाएगा और मनोवैज्ञानिक और शारीरिक थकान अपना असर दिखाने लगेगी, तभी पता चलेगा कि असली चैंपियन कौन हैं। उनका यह बयान दर्शाता है कि विश्व कप जैसे प्रतिष्ठित और लंबे टूर्नामेंट में निरंतरता और मानसिक दृढ़ता कितनी मायने रखती है।

डियालो के आखिरी मिनट के गोल से आइवरी कोस्ट ने इक्वाडोर को 1-0 से हराया

एजेंसी, फिलाडेल्फिया। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-ई मुकाबले में आइवरी कोस्ट ने अंतिम क्षणों में शानदार वापसी करते हुए रविवार को इक्वाडोर को 1-0 से हरा दिया। मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल अमाद डियालो ने 90वें मिनट में दागा। मुकाबले के दौरान स्टेडियम में इक्वाडोर समर्थकों का दबदबा साफ दिखाई दे रहा था। पीले और नीले रंग में रंगे दर्शकों ने पूरे मैच में अपनी टीम का जोरदार समर्थन किया, लेकिन अंत में जीत आइवरी कोस्ट के हिस्से में गई। इक्वाडोर ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और कई अच्छे मौके बनाए। 24वें मिनट में जॉन येबोआ का जोरदार शॉट क्रॉसबार से टकरा गया, जबकि छह मिनट बाद एलन मिंडा भी गोल करने से चूक गए और उनका प्रयास भी लकड़ी से टकराया। दूसरी ओर आइवरी कोस्ट ने भी कुछ अवसर बनाए। एली वाही का प्रयास पोस्ट से टकराया जबकि सेको फोफाना और फ्रैंक केसी ने मिडफील्ड में टीम को मजबूती दी। जब मुकाबला गोलरहित ड्रॉ की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी 90वें मिनट में विलफ्रेड सिंगो ने शानदार मूव बनाते हुए गेंद अमाद डियालो तक पहुंचाई। डियालो ने बॉक्स के बाहर से बेहतरीन नियंत्रण दिखाते हुए सटीक शॉट लगाया और गेंद को नेट में पहुंचाकर आइवरी कोस्ट को जीत दिला दी।

फीफा विश्व कप 2026

यासिन अयारी के दो गोलों की बदौलत स्वीडन ने ट्यूनीशिया को 5-1 से रौंदा

एजेंसी, मोंटेरे

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-एफ मुकाबले में स्वीडन ने सोमवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्यूनीशिया को 5-1 से हराकर अपने अभियान की दमदार शुरुआत की। मोंटेरे स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में यासिन अयारी दो गोल दागकर जीत के नायक बने।

स्वीडन ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और सातवें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। यासिन अयारी ने बॉक्स के बाहर से जोरदार शॉट लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाया।

इसके बाद 30वें मिनट में स्टार स्ट्राइकर अलेक्जेंडर इसाक ने दूसरा गोल कर स्वीडन की बढ़त को दोगुना कर दिया।

पहले हाफ के अंतिम क्षणों में ट्यूनीशिया ने वापसी की उम्मीद जगाई। ओमर रेकीक ने शानदार हेडर लगाकर टीम के लिए गोल किया और स्कोर 2-1 कर दिया।

हालांकि दूसरे हाफ में स्वीडन ने मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। 59वें मिनट में विक्टर ग्योकेरेस ने तीसरा गोल कर ट्यूनीशिया की वापसी की संभावनाओं को लगभग खत्म कर दिया।

इसके बाद मैच में उतरे स्थानापन्न खिलाड़ी मटियास स्वानबर्ग ने मैदान पर आने के मात्र 18 सेकंड के भीतर गोल दागकर स्वीडन की बढ़त 4-1 कर दी।

इंजरी टाइम में एक बार फिर यासिन अयारी ने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर अपना दूसरा और टीम का पांचवां गोल किया। इस जीत के साथ स्वीडन ने ग्रुप-एफ में तीन अंक हासिल कर शानदार शुरुआत की, जबकि ट्यूनीशिया को अपने अगले मुकाबले में वापसी की चुनौती का सामना करना होगा।

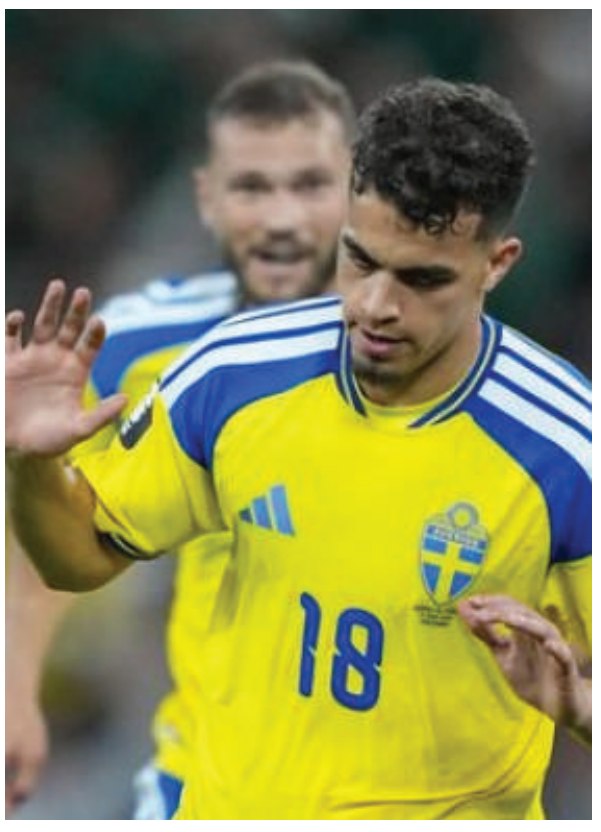

वेस्टइंडीज ने तीसरे टी-20 में श्रीलंका को 5 विकेट से हराया, सीरीज़ 2-1 से जीती

एजेंसी, जमैका। तेज गेंदबाज़ शमार जोसेफ की करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी और शेरफेन रदरफोर्ड की संयमित अर्धशतकीय पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने तीसरे और निर्णायक टी20 मुकाबले में सोमवार को श्रीलंका को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज़ 2-1 से अपने नाम कर ली। पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी रही। कमिल मिशारा और पथुम निसांका ने तेज रन बनाए और टीम ने शुरुआती ओवरों में मजबूत स्थिति बना ली। पांचवें ओवर तक स्कोर 48/1 पहुंच गया था और बड़ा स्कोर बनने की उम्मीद दिख रही थी। हालांकि इसके बाद मैच का रुख पूरी तरह बदल गया। तेज गेंदबाज़ शमार जोसेफ ने अपने पहले ही ओवर में दो बड़े विकेट लेकर श्रीलंका की लय तोड़ दी। मिशारा 23 गेंदों पर 28 रन बनाकर आउट हुए और इसके बाद श्रीलंका लगातार विकेट गंवाता चला गया।

चहल का टेस्ट खेलने का सपना अब शायद ही पूरा हो : रिपोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

स्पिन युजवेंद्र चहल सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपनी जादुई स्पिन से विरोधियों को नचाते रहे है पर लगता है उनका भारतीय टीम से टेस्ट खेलने का सपना शायद ही पूरा हो। चहल ने कई बार देश के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने की इच्छा जतायी है। एक रिपोर्ट के अनुसार घरेलू क्रिकेट में भी चहल ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर इसके बाद भी उन्हें अवसर नहीं मिला है। इसे उनके करियर की एक बड़ी विडंबना ही कहा जाएगा कि अच्छे प्रदर्शन के बाद भी वह जगह हासिल नहीं कर पाये। टी20 में अपनी स्पिन से बड़े-बड़े बल्लेबाजों को फंसाने वाले इस लेग स्पिनर को यह अवसर न मिल पाना कई प्रशंसकों के लिए भी हैरानी की बात भी रही है। यहां तक कि चहल के लिए भारतीय सीमित ओवरों की टीम में जगह भी मिलना अब कठिन हो गया है। पिछले काफी समय से वह सीमित ओवरों की टीम में भी जगह नहीं बना पाये हैं। ऐसा नहीं है कि चहल ने कोशिश नहीं की है, लेकिन प्रतिस्पर्धा इतनी कड़ी है कि छोटी सी भी गलती या फॉर्म में गिरावट से खिलाड़ी बाहर हो जाता है। चयनकर्ता अब भविष्य की ओर देख रहे हैं और युवा प्रतिभाओं को ज्यादा से ज्यादा अवसर देना चाहते हैं। ऐसे में चहल जैसे अनुभवी गेंदबाज की टीम इंडिया में वापसी तभी हो सकती है जब वह असाधारण प्रदर्शन करें। जिससे चयनकर्ताओं के लिए उनकी उपेक्षा संभव नहीं रहे।

इस बार विंबलडन में मिलेगी सबसे अधिक इनामी राशि

एजेंसी, लंदन। इस माह के अंत में शुरु हो रहे विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को पहले से अधिक इनामी राशि मिलेगी। पिछले कुछ समय से खिलाड़ियों ने राजस्व में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया था जिसके बाद ही विंबलडन ने अपनी कुल इनामी राशि में 20 फीसदी वृद्धि की घोषणा की। इस प्रतिष्ठित ग्रास कोर्ट ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट के एकल चैंपियन को अब पिछली बार की जगह पर रिकॉर्ड 36 लाख पाउंड (लगभग 48 लाख डॉलर) मिलेंगे, जो कि प्रतियोगिता के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी विजेता राशि है। ऑल इंग्लैंड क्लब की अध्यक्ष, डेबोरा जेवन्स ने कहा है कि खिलाड़ियों की मांग के बाद दैनिक भत्ते सहित कुल इनामी राशि छह करोड़ 42 लाख पाउंड (लगभग आठ करोड़ 58 लाख डॉलर) तक पहुंच जाएगी। यह महत्वपूर्ण बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब टेनिस खिलाड़ी लंबे समय से चार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंटों से होने वाली भारी कमाई में अपनी अधिक हिस्सेदारी की मांग कर रहे थे। हाल के महीनों में, इस मुद्दे पर खिलाड़ियों ने सामूहिक कार्रवाई की दिशा में ठोस कदम उठाने शुरू किये थे।

रोहित और कोहली के विकल्प पर बात होना स्वाभाविक : स्वान

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर ग्रीम स्वान ने कहा है कि भारतीय टीम के दिग्गज क्रिकेटर रोहित शर्मा और विराट कोहली अपने करियर के अंतिम चरण में हैं, इसलिए इनकी जगह किन क्रिकेटरों को जगह मिलेगी। इसपर बात होना स्वाभाविक है। स्वान ने कहा कि जब भी कोई खिलाड़ी अपने करियर के दूसरे हिस्से में पहुंचता है तो यह स्वाभाविक है कि लोग उसके उत्तराधिकारी की तलाश करने लगते हैं, चाहे उसने कितना भी अच्छा प्रदर्शन क्यों न किया हो। उन्होंने कहा, आप भले ही अपने खेल के

शीर्ष पर हों, फिर भी लोग सोचने लगते हैं कि रोहित या विराट के बाद कौन आएगा। यह बहुत सामान्य बात है। जैसे ही प्रदर्शन कमजोर होता है उत्तराधिकारी पर चर्चा तेज हो जाती है। साथ ही कहा कि यह स्थिति तब पैदा होती है जब प्रशंसक और विशेषज्ञ भविष्य की ओर देखने लगते हैं। स्वान के अनुसार, युवा प्रतिभाओं का उभरना इस दबाव को और अधिक बढ़ा देता है। उन्होंने कहा कि लगातार नई प्रतिभाओं के सामने आने से भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर स्वाभाविक रूप से अतिरिक्त दबाव बनता है। यह दबाव अनुभवी खिलाड़ियों को अपनी जगह बनाए रखने के लिए लगातार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे टीम में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बनता है। हालांकि, स्वान ने रोहित की वर्तमान फॉर्म की सराहना की। उन्होंने कहा कि रोहित के लिए आने वाले छह सप्ताह महत्वपूर्ण होंगे, खासकर आगामी इंग्लैंड श्रृंखला को देखते हुए।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, मंगलवार, 16 जून, 2026

रसोई में इन पौधों को लगाएं, नहीं पड़ेगी धूप की जरूरत

आप घर के किसी भी हिस्से में पौधे लगा सकते हैं। कुछ पौधे ऐसे भी हैं, जिन्हें सूरज की रोशनी की जरूरत नहीं पड़ती है और आप उन्हें घर के अंदर भी लगा सकते हैं।

घर को सजाने की बात हो या हवादार बनाने की, पौधें लगाना बहुत अच्छा विकल्प है। हालांकि, बहुत बार लोग घर के बाहर तो पौधे लगा लेते हैं, लेकिन अंदर नहीं। दरअसल हमें लगता है कि घर के अंदर सूरज की रोशनी नहीं आएगी, जिससे पौधे मर जाएंगे। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं, तो आप गलत है। इस आर्टिकल में जानें कि आप घर की रसोई में किन पौधों को लगा सकते हैं।

घर की रसोई में लगाएं एग्लोनिमा प्लांट

एग्लोनिमा प्लांट को आप अपनी रसोई में आसानी से लगा सकते हैं। इस पौधे को चीनी सदाबहार पौधे के नाम से भी जाना जाता है। खास बात यह है कि इस पौधे को ज्यादा देखभाल की जरूरत नहीं होती है। ऐसे में आप इसे आसानी से घर की रसोई में या किसी भी हिस्से में उगा सकते हैं।

पीस लिली पौधा कहां लगाएं?

पीस लिली पौधा सबसे अच्छे इनडोर फूलों वाले पौधों में से एक माना जाता है। इस पौधे को भी सूरज की रोशनी नहीं चाहिए होती है। पीस लिली पौधा वायु शुद्ध करने वाला भी होता है। ऐसे में आप इसे घर के किसी भी कोने में लगा सकते हैं। बस इस बात का ध्यान रखें कि आप इसे धूप से दूर रखें। इस पौधे पर जैसे ही धूप पड़ती है, वो मुरझा जाता है।

लकी बैम्बू प्लांट

कहा जाता है कि लकी बैम्बू प्लांट घर में सौभाग्य लाता है। इस पौधे को आप रसोई के माइक्रोवेव या फ्रिज के ऊपर, शो पीस की भी तरह सजा कर सकते हैं। पौधे को लंबा चलाने के लिए बस समय-समय पर उसमें पानी डालते रहें।

घर की रसोई में लगाएं मनी प्लांट

इन सभी पौधों के अलावा आप घर की रसोई में मनी प्लांट भी लगा सकते हैं। मनी प्लांट को आप पानी और मिट्टी दोनों में उगा सकते हैं।

ऑनलाइन पेमेंट को सुरक्षित बनाने के लिए ये टिप्स जरूर फॉलो करें

जब से नोटबंदी हुई है उसके बाद से ही भारत में ऑनलाइन पेमेंट्स का बोलबाला हो गया है। उसके पहले तक जहां लगभग 80त्न चीज़ें कैश चलती थीं वहीं अब कई सारे यूपीआई ऐप्स, पेमेंट वॉलेट और कैशलेस ऑप्शन आ गए हैं। वैसे तो हर रोज़ लगभग लाखों का लेन-देन होता है और इस कारण से गलती होने की गुंजाइश भी बहुत होती है। कई बार तो बस एक नंबर या फिर एक छोटे से लेटर की गलती के कारण हजारों का नुकसान हो जाता है। पिछले कुछ समय में ऑनलाइन पेमेंट्स को लेकर 55 प्रतिशत तक की ग्रोथ आई है। अब तो जहां स्मार्टफोन्स हैं वहां पर ऑनलाइन पेमेंट भी हो रही है। ऑनलाइन पेमेंट्स के इतने बढ़ने के कारण डिजिटल थेफ्ट और गलत जगह पर ऑनलाइन पेमेंट करने की समस्या भी बढ़ गई है। ऐसे में क्यों ना कुछ टिप्स को अपनाया जाए जिससे आप ऑनलाइन पेमेंट्स को सुरक्षित बना सकते हैं।

ऑनलाइन पेमेंट किसी एक सुरक्षित डिवाइस से ही करें

आपको हमेशा ऑनलाइन पेमेंट करते समय ये ध्यान रखता है कि आप अपना यूपीआई आईडी अलग-अलग डिवाइसेस में ना डालें। इस तरह से आप अपने ऑनलाइन पेमेंट्स को कुछ हद तक सुरक्षित बना सकते हैं।

एक ही पासवर्ड और आईडी ना रखें

अधिकतर लोग ये समझते हैं कि एक ही तरह के आईडी और पासवर्ड रखना ठीक होता है, लेकिन ऐसा नहीं है। इससे आपके सारे अकाउंट्स एक साथ हैक होने का खतरा होता है। ध्यान रखें कि यूपीआई आईडी और पासवर्ड सभी अलग-अलग होने चाहिए।

ई-कॉमर्स वेबसाइट्स में सेव करने से बचें

एक-दो साइट्स में तो फिर भी ठीक है, लेकिन कई बार लोग किसी भी साइट में अपने कार्ड डिटेल्स बिना सोचे समझे डाल देते हैं। ये बहुत ही अजीब बात है कि आप पहली बार किसी साइट पर जा रहे हैं और फिर भी अपनी ऑनलाइन पेमेंट से जुड़ी डिटेल्स डाल रहे हैं। जिन साइट्स को रेगुलर यूज करते हैं उनके अलावा आपको ऐसा किसी साइट के लिए नहीं करना चाहिए।

टेम्परेरी क्रेडिट कार्ड का करें इस्तेमाल

कुछ क्रेडिट कार्ड कंपनी इस तरह के टेम्परेरी क्रेडिट कार्ड्स देती हैं जो सिर्फ वन टाइम पर्चेज के लिए होते हैं। इन कार्ड्स का काम ही ये होता है कि इनसे रेगुलर पेमेंट्स नहीं की जा सके। इसके अलावा, अगर आप परमानेंट क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करना चाहती हैं तो ऐसे क्रेडिट कार्ड्स चुनें जिनकी लिमिट लो हो।

पब्लिक वाई-वाई सबसे बड़ा खतरा है

एक चीज़ बहुत ध्यान से समझें। पब्लिक वाई-फाई का इस्तेमाल करना और ऑनलाइन पेमेंट करना हैकर्स को दावत देना है। अगर आप पब्लिक वाई-फाई यूज भी कर रहे हैं तो भी पेमेंट करते समय अपने मोबाइल का डाटा यूज करें।

ऑनलाइन पेमेंट्स के इतने बढ़ने के कारण डिजिटल थेफ्ट और गलत जगह पर ऑनलाइन पेमेंट करने की समस्या भी बढ़ गई है। ऐसे में क्यों ना कुछ टिप्स को अपनाया जाए जिससे आप ऑनलाइन पेमेंट्स को सुरक्षित बना सकते हैं।

फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन से जुड़े ये डिटेल्स ध्यान रखने चाहिए।

दो बार चेक करें यूपीआई आईडी

एक और बात जिसका ध्यान आपको रखना चाहिए वो ये है कि अगर आप किसी को यूपीआई पेमेंट कर रहे हैं तो आप दो बार आईडी को जरूर चेक करें। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर आपने इसे गलत कर दिया तो पैसे वापस आना बहुत ही मुश्किल हो जाता है। किसी भी बड़ी पेमेंट को करने से पहले आप छोटा अमाउंट भेजकर देखें। अधिकतर लोग इसी जल्दबाजी में अपना नुकसान करवा बैठते हैं।

अपना सीवीवी किसी के साथ शेयर ना करें

आपको ये ध्यान रखना है कि अगर आप ऑनलाइन पेमेंट कर रहे हैं तो ऐसी डिटेल्स जो सिर्फ आपके कार्ड में मौजूद होती है वो सुरक्षित रखनी चाहिए। जैसे आपके कार्ड का सीवीवी किसी के साथ शेयर ना करें।

पेपर बैग फेंकने की बजाय बनाएं ये चीजें

पेपर बैग पर आसानी से कस्टम डिजाइन, लोगो और ब्रांडिंग की जा सकती है। इससे आप बच्चों की खेलने की चीजें बनाने के साथ-साथ उनके लिए डेकोरेटिव आइटम्स भी बना सकते हैं।

प्लास्टिक बैग की तुलना में पेपर बैग मिट्टी में आसानी से मिल जाते हैं। यह वातावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते। आप चाहे, तो इसे खुद ट्राइ भी कर सकते हैं। अगर आप एक प्लास्टिक की थैली को गार्डन में पत्थर के नीचे रखते हैं और वहीं उसके साइड में पेपर को पत्थर के नीचे रखते हैं। बारिश होने के बाद जब आप दोनों को देखने जाएंगे, तो प्लास्टिक वैसे का वैसे ही होगा। लेकिन पेपर का हाल खराब हो गया होगा। अगर आप उसे अपने हाथों या पैरों से मिट्टी पर रगड़ेंगे, तो वह पूरी तरह से मिट्टी में मिल जाएगा। लेकिन प्लास्टिक के साथ ऐसा नहीं होगा। इसलिए पेपर बैग का इस्तेमाल अब लोग ज्यादा करने लगे हैं। अगर आप इन पेपर बैग्स को फेंकना नहीं चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके काम आएगा। आज के इस आर्टिकल में हम आपको पेपर बैग से कुछ ऐसी चीज बना सकते हैं, जो बच्चों को पसंद आएगा।

पेपर बैग पपेट्स

बच्चे हर दिन नए-नए खिलौनों की जिद करते हैं। लेकिन बजट अच्छा नहीं होने की वजह से बच्चों की हर जिद पूरी नहीं की जा सकती। अगर आपके बच्चे छोटे हैं, तो आप अपने बच्चों के लिए घर पर ही पेपर बैग से चीजें बना सकते हैं। आप घर पर ही इससे पपेट्स बना सकते हैं। बच्चों को यह बहुत पसंद आएगा।

- इसके लिए आपको कलरफुल पेपर, गोंद, अलग-अलग रंग के मार्कर और कटआउट्स चाहिए होंगे।
- आप कटआउट्स की जगह आंखें और मुंह बनाने के लिए बटन का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- इसके लिए आप सबसे पहले पेपर बैग को उल्टा करके एक पपेट के रूप में तैयार करें।
- आप इसमें भालू, टेडी बियर या डॉल का डिजाइन बना सकते हैं।
- इसके बाद आप इसकी कटिंग करके रंगीन पेपर, गोंद, और मार्कर का उपयोग करके सजा लें।
- इसमें बच्चे अपनी पसंदीदा चीजें संभालकर रखेंगे। इसके अलावा आप इसे अपनी अलमारी में सजाकर भी रख सकते हैं।

पेपर बैग से बच्चों के लिए कलर बुक तैयार करें

- अगर बच्चे छोटे हैं, तो आप उनके लिए कलर बुक तैयार कर सकते हैं।
- पेपर बैग को छोटे टुकड़ों में काटें और इन्हें बुकमार्क्स के आकार में बनाएं।
- आप इसे अलग-अलग आकार में भी काट सकते हैं।
- जैसे आप गोल या त्रिभुज आकार बनाएं, इसके बाद इसे अलग-अलग रंग कर दें।
- बच्चों को अगर कलर समझने में परेशानी होती है, तो खेल-खेल में वह सीख जाएंगे।
- इसे आप अकेले न बनाएं। आप बच्चों की मदद से इसे बनाएं।

दोस्तों के साथ समय बिताने से होते हैं सेहत को कई फायदे

ज़िंदगी में दोस्ती का होना अपने आप में एक सुकून है। एक ऐसा इंसान जीवन में होता है जिससे आप खुलकर बात कर सकते हैं या जिसके साथ हंस सकते हैं। दोस्ती का फ़ायदा केवल यहीं तक सीमित नहीं है। यह रिश्ता हमें शारीरिक और मानसिक रूप से भी अच्छा महसूस कराता है।

संतुष्टि महसूस होती है

शोध बताता है कि दोस्त होने से जीवन में संतुष्टि महसूस होती है। यह आपको दूसरों पर भरोसा करने और सकारात्मक दृष्टिकोण रखने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे जीवन का आनंद लेने की संभावना बेहतर होती है। दोस्तों से मुलाक़ात कभी-कभार हो तो जीवन की संतुष्टि 69 फ़ीसदी तक कम हो सकती है। सप्ताह में एक से ज़्यादा बार दोस्तों से मिलने से संतुष्टि महसूस होती है और ज़िंदगी का आनंद बेहतर तरीक़े से ले पाते हैं।

तनाव और उलझन कम होती है

एक अध्ययन के अनुसार दोस्ती तनाव और उलझन के स्तर को कम करती है। किशोरावस्था में क़रीबी दोस्त होने से वयस्कता के दौरान मानसिक स्वस्थ्य बेहतर रहता है। वयस्क अवस्था में भी दोस्त की मौजूदगी मन को स्वस्थ रखती है।

मस्तिष्क को मज़बूती मिलती है

2019 का एक शोध बताता है कि दोस्त और उसका संबल संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली में सुधार करता है। दोस्ती से मानसिक तौर पर स्थिरता आती है जिसका फ़ायदा वृद्धावस्था में मिलता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, दोस्त होने से स्मरण क्षमता में सुधार होता है।

अकेलापन दूर होता है

दोस्त होने से अकेलेपन की भावना कम होती है। अकेलापन अवसाद बढ़ाता है और अन्य मानसिक व शारीरिक समस्याएं होने लगती हैं। अध्ययन के अनुसार, मित्रता समर्थन और आत्मीयता की भावना लाती है।

फिटनेस पर पड़ता है असर

दोस्तों के साथ व्यायाम करने से ज़्यादा फिट रहा जा सकता है। 2017 का एक अध्ययन बताता है कि जो लोग दोस्तों के साथ एक्सरसाइज़ करते हैं उनमें तनाव का स्तर कम पाया जाता है। ऐसे लोगों ने शारीरिक और मानसिक रूप से भी खुद को स्वस्थ पाया।

सहारा भी है दोस्ती

ज़िंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, जैसे नौकरी जाना, पारिवारिक समस्या या आर्थिक तनाव आदि। इन चुनौतियों का सामना करने में दोस्ती मदद करती है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, मंगलवार, 16 जून, 2026

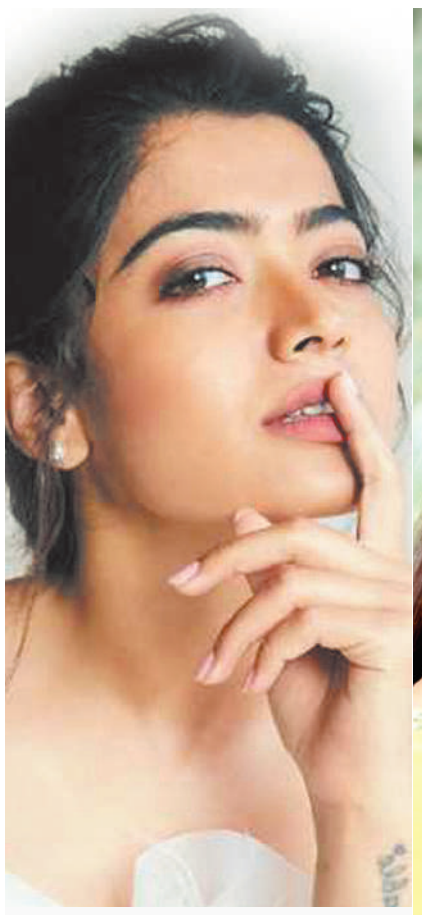

एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभाएंगी रश्मिका मंदाना?

कर्नाटक संगीत की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जिंदगी पर एक बायोपिक फिल्म बनने जा रही है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं।

मुख्य अभिनेत्री को लेकर सस्पेंस

फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी अलग-अलग जानकारी आ रही हैं। 123 तेलुगु के अनुसार, रश्मिका मंदाना को एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुना गया है। बताया जा रहा है कि हाल ही में इसके लिए उनके घर पर एक लुक टेस्ट भी हुआ है। हालांकि, कुछ समय पहले यह जानकारी आई थी कि रश्मिका या साई पल्लवी की जगह रुक्मिणी वसंत को इस रोल के लिए साइन किया गया है। लेकिन सबसे पहले चर्चा थी कि साई पल्लवी यह किरदार निभाएंगी और उन्होंने इसके लिए कर्नाटक संगीत सीखना भी शुरू कर दिया है। बहरहाल, फिल्म मेकर्स की तरफ से अभी तक किसी भी नाम पर आधिकारिक पुष्टि नहीं दी है।

बायोपिक का निर्देशन

एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक पर बन रही इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्ननुरी करेंगे। गौतम तिन्ननुरी को सुपरहिट फिल्म 'जर्सी' बनाने के लिए जाना जाता है। गौतम काफी समय से इस कहानी पर रिसर्च कर रहे हैं।

'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके लिए रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। फिल्म 'कॉकटेल 2', 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं।

स्लमडॉग 33 टेंपल रोड में मिलेगा इमोशन का फुल डोज!

संयुक्ता का किरदार दिल में बस जाएगा

स्लमडॉग - 33 टेंपल रोड का ट्रेलर आते ही इंटरनेट पर धूम मचा गई है - रॉ विजुअल्स, इंटेंस कहानी और दमदार कमाई ने ऑडियंस का ध्यान खींच लिया है। इस पूरे बज़ के बीच, संयुक्ता का किरदार सबसे ज्यादा चर्चा में है, और डायरेक्टर पुरी जगन्नाध का निर्देशन है कि इस बार दर्शकों को कुछ खास मिलने वाला है। ट्रेल लॉन्च इवेंट में पुरी जगन्नाध ने पहली बार संयुक्ता के साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया। उन्होंने एक्ट्रेस की एनर्जी, डेडिकेशन और हर दिन सेट पर लाई गई उनकी पॉज़िटिव वाइब्स की जमकर तारीफ़ की। उन्होंने कहा, 'ये पहली बार था जब मैंने उनके साथ काम किया और ये एक्सपीरियंस कमाल का रहा। वो बेहद एनर्जेटिक हैं और सेट पर एक अलग ही पॉज़िटिव एनर्जी लेकर आती हैं। वो हर चीज़ में पूरी तरह इनवॉल्व रहते हैं। उनके साथ काम करना वाकई शानदार रहा। फिल्म में वो वरलक्ष्मी का किरदार निभा रही हैं - एक ऐसा रोल जिसकी जर्नी बहुत खूबसूरत है। मुझे पूरा यकीन है कि ऑडियंस उनकी मेहनत को पसंद करेगी और उनके किरदार से गहराई से जुड़ जाएगी।'

पुरी की ये बातें साफ इशारे देती हैं कि संयुक्ता का किरदार, वरलक्ष्मी, फिल्म की इमोशनल जर्नी का एक अहम हिस्सा होने वाला है। ट्रेलर जहां उनके रोल को लेकर सस्पेंस बनाए रखती है, वहीं पुरी की कामयाब से ये तो पक्का है कि ये किरदार लेवल्ड, इम्पैक्टफुल और यादगार होने वाला है। पिछले कुछ सालों में समयुक्ता ने अपने रोल्स के चुनाव और नैचुरल एक्टिंग से हर बार ऑडियंस को इम्प्रेस किया है। हर प्रोजेक्ट के साथ वो अपनी वर्सेटिलिटी साबित करती हैं, और स्लमडॉग - 33 टेंपल रोड उनकी फिल्मोग्राफी में एक और रोमांचक चैप्टर जोड़ने के लिए तैयार है। जब डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ और को-स्टार

विजय सेतुपति दोनों ही उनकी कामयाब कर रहे हों, तो एक्सपेक्टेशन का लेवल अपने आप हाई हो जाता है। अब जैसे-जैसे स्लमडॉग - 33 टेंपल रोड की रिलीज करीब आ रही है, ऑडियंस बेसब्री से इंतजार कर रही है कि समयुक्ता वरलक्ष्मी बनकर स्क्रीन पर क्या कमाल दिखाती हैं। इस फिल्म के अलावा भी समयुक्ता के पास दिलचस्प प्रोजेक्ट्स की लाइन लगी है - स्वयंभू, द ब्लैक गोल्ड और अमेज़न की ओरिजिनल सीरीज गुव्वाला चेरुवु घाट, जो उन्हें आज की सबसे प्रॉमिसिंग एक्ट्रेसेस में और मजबूती से स्थापित कर रहे हैं।

शिल्पा शेट्टी ने करियर के सबसे मुश्किल दौर का सुनाया किस्सा

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी को फिटनेस क्वीन, टीवी स्टार, बिजनेसवुमन और प्रेरणादायक शख्सियत के तौर पर जाना जाता है, लेकिन उनका सफर हमेशा आसान नहीं रहा। एक समय ऐसा भी आया था जब उन्हें फिल्में मिलनी लगभग बंद हो गई थीं और कई प्रोड्यूसर्स उन्हें अपनी फिल्मों से बाहर कर देते थे। खुद शिल्पा ने बताया था कि उन्हें लगने लगा था कि उनका करियर पीछे जा रहा है, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत की, आखिरकार अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहीं। 8 जून 1975 को कर्नाटक के मंगलुरु में जन्मी शिल्पा शेट्टी का असली नाम अश्विनी शेट्टी है। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह अपने पिता के काम में हाथ बंटाने लगी थीं। इसी दौरान एक फैशन शो में हिस्सा लेने का मौका मिला। वहां एक फोटोग्राफर ने उनकी तस्वीरें खींचीं, और यही तस्वीरें उनके लिए मॉडलिंग की दुनिया का दरवाजा खोल गईं। मॉडलिंग में सफलता मिलने के बाद उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। शिल्पा ने 1993 में फिल्म 'बाजीगर' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान और काजोल थे। फिल्म सुपरहिट साबित हुई और शिल्पा की भी खूब चर्चा हुई। 1990 के दशक में वह 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'छोटे सरकार', 'आओ प्यार करें', 'हथकड़ी', 'औजार' और 'परदेसी बाबू' जैसी कई चर्चित फिल्मों का हिस्सा रहीं और दर्शकों के बीच लोकप्रिय होती गईं। सफलता का यह सफर हमेशा नहीं रहता है। शिल्पा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि करियर के एक दौर में उन्हें काम मिलना बंद हो गया था। कई बार ऐसा हुआ जब उन्हें फिल्म के लिए चुना गया, लेकिन बाद में प्रोड्यूसर्स ने उन्हें फिल्म से बाहर कर दिया। लगातार मिल रही निराशा ने उन्हें परेशान जरूर किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

साल 2000 में आई फिल्म 'धड़कन' ने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म में उनके अभिनय को खूब सराहागया, और वह एक बार फिर चर्चा में आ गईं। इसके बाद उन्होंने 'रिश्ते', 'फिर मिलेंगे', 'दस' और 'लाइफ इन ए... मेट्रो' जैसी फिल्मों में काम किया। खासकर 'फिर मिलेंगे' में एचआईवी पीडित महिला के किरदार ने उनके अभिनय की नई पहचान बनाई। फिल्मों के साथ-साथ शिल्पा ने टीवी की दुनिया में भी अपनी मजबूत जगह बनाई। ब्रिटेन के चर्चित रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी बिग ब्रदर' में हिस्सा लेकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की। शो में नस्लीय टिप्पणियों का सामना करने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और विजेता बनकर उभरीं। इस जीत ने उन्हें दुनिया भर में लोकप्रिय बना दिया।

कंगना रनौत स्टारर 'तनु वेड्स मनु : द नेक्स्ट चैप्टर' की तैयारियां तेज, इसी साल शुरू होगी शूटिंग

फिल्म फ्रेंचाइजी 'तनु वेड्स मनु' के प्रशंसकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। इस सुपरहिट सीरीज का तीसरा भाग 'तनु वेड्स मनु : द नेक्स्ट चैप्टर' के बारे में नई जानकारी सामने आई है। फिल्म की शूटिंग इसी साल शुरू होगी। इसी साल फिल्म फ्लोर पर आ जाएगी। इस मोस्ट अवेटेड फिल्म की घोषणा इरोज इनोवेशन द्वारा हाल ही में जारी की गई नई कंटेंट लिस्ट के दौरान की गई। फिल्म का निर्देशन मिताक्षरा कुमार करेंगी, जो इससे पहले 'हीरामंडी' और 'द एम्पायर' जैसे चर्चित प्रोजेक्ट्स में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। इस फिल्म का निर्माण रुद्रक सोमा ज्योति लिमिटेड के सहयोग से किया जाएगा। 'तनु वेड्स मनु' फ्रेंचाइजी पहले ही दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बना चुकी है और अब इसके नए चैप्टर को लेकर आ रही है। इरोज इनोवेशन ने अपनी नई कंटेंट रणनीति के तहत तीन प्रमुख पहलों की घोषणा की है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण 'इरोज ब्रम्ह्मांड' है, जो भारतीय पौराणिक कथाओं और लोककथाओं से प्रेरित एक नया सिनेमाई ब्रह्मांड होगा। इसके तहत नौ ओरिजिनल प्रोजेक्ट्स तैयार किए जाएंगे। इनमें 'नंदी - वॉर ऑफ कैलाश', 'द्वारका : गेटवे टू द यूनिवर्स', 'विमान वॉर्स', 'महाभारत 5000 एडी' 'यक्षिणी', 'ब्रह्मराक्षस', 'गरुड़', 'कुंभयन्न' और 'मनसा देवी' शामिल हैं। इन सभी प्रोजेक्ट्स को आपस में जोड़कर एक व्यापक और रोचक कहानी की दुनिया तैयार की जाएगा। दूसरी पहल 'इरोज यूनिवर्स' है, जिसमें कई लोकप्रिय फिल्म टाइटल्स को नए रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। इस सूची में 'तनु वेड्स मनु - द नेक्स्ट चैप्टर' के अलावा 'फोबिया', 'इंग्लिश विंग्लिश', 'देसी बॉयज', 'रंगीला' और 'तेरे नाम' जैसी चर्चित फिल्में शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, इन कहानियों को फिल्मों, एनीमेशन, माइक्रोड्रामा और कैरेक्टर बेस्ड कंटेंट के जरिए नए अंदाज में दर्शकों तक पहुंचाया जाएगा। तीसरी पहल 'इरोज रीमास्टर्ड' है, जिसकी शुरुआत रजनीकांत स्टारर फिल्म 'कोचादाइयां' से होगी। भारत की पहली मोशन-कैप्चर फीचर फिल्म मानी जाने वाली इस फिल्म को सौंदर्या रजनीकांत के रचनात्मक नेतृत्व में नए सिरे से रीस्टोर और रीइमैजिन किया जाएगा। इरोज़ इनोवेशन के संस्थापक और चेयरमैन किशोर लुल्ला ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य पौराणिक कथाओं, लोकप्रिय फिल्मों और क्लासिक सिनेमा को एक मंच पर लाकर ऐसी कहानियां पेश करना है जो हर पीढ़ी के दर्शकों को जोड़ सकें। वहीं, को-फाउंडर और को-प्रेसिडेंट रिधिमा लुल्ला ने कहा कि यह नई कंटेंट लिस्ट कहानी कहने के नए और रचनात्मक तरीकों के प्रति कंपनी की महत्वाकांक्षा को दिखाती है।

बंटवारे का खौफ और लोगों का दर्द समझा

कभी नौकरी ढूंढ रहे और एमबीए की तैयारी कर रहे वेदांग आज बॉलीवुड के चर्चित युवा चेहरों में गिने जाते हैं। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि स्टारडम, बॉक्स ऑफिस और सोशल मीडिया की दुनिया में कदम रखने के बाद भी उनकी सबसे बड़ी चिंता सफलता नहीं, बल्कि अवसर हैं।

हाल ही में बातचीत के दौरान वेदांग ने कहा, 'मेरे लिए सबसे बड़ा दबाव सफलता का नहीं, बल्कि अवसरों का है। मेरी बस यही दुआ रहती है कि मुझे लगातार काम मिलता रहे, फिल्में मिलती रहें और ऐसे मौके मिलते रहें, जिनसे मैं खुद को एक अभिनेता के तौर पर साबित कर सकूं। सफलता मिल जाए तो बहुत अच्छी बात है, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा डर इस बात का है कि कहीं मौके मिलने बंद न हो जाएं।'

बॉक्स ऑफिस भी कोई चीज होती है

आज जब फिल्मों की सफलता पहले दिन के कलेक्शन और वीकेंड नंबरों से तय होने लगी है, तो वेदांग स्वीकार करते हैं कि शुरुआत में उन्हें इस दुनिया की ज्यादा समझ नहीं थी। वह कहते हैं, 'जब मैंने 'द आर्चीज' की थी और उसके बाद 'जिगरा' की, तब मेरे लिए सबसे बड़ी बात यही थी कि मैं फिल्मों का हिस्सा बन गया हूं। लोग मुझे बड़े पर्दे पर देख सकते हैं। मुझे सच में यह नहीं पता था कि बॉक्स ऑफिस, ओपनिंग कलेक्शन और नंबर जैसी चीजें कितनी बड़ी होती हैं। मैं सिर्फ फिल्मों और अभिनय को लेकर उत्साहित था। हां, लेकिन पिछले कुछ साल में मेरी सोच बदली है। धीरे-धीरे मुझे समझ आया कि यहां सक्सेस और बॉक्स ऑफिस नंबर्स को कितना महत्व दिया जाता है। शायद यही मेरा सबसे बड़ा बबल बर्स्ट था। लेकिन मैं आज भी कोशिश करता हूं कि खुद को सिर्फ आंकड़ों तक सीमित न रखूं।'

इम्तियाज सर का नाम सुना और हां कर दी

अपनी अगली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' के बारे में बात करते हुए वेदांग बताते हैं कि इस बार फैसला लेना उनके लिए मुश्किल नहीं था। बकौल वेदांग, 'जब मुझे पता चला कि इम्तियाज अली सर इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं और मुझे इस किरदार के लिए देखा जा रहा है, तो मैंने लगभग उसी समय हां कह दी थी। मुझे न स्क्रिप्ट की जरूरत थी और न किसी दूसरी जानकारी की। मेरे पास सिर्फ फिल्म का आइडिया था, लेकिन इम्तियाज सर के साथ काम करने का मौका अपने आप में बहुत बड़ी बात थी।'

पगड़ी पहनी तो लगा कि बड़ी जिम्मेदारी है

इस फिल्म में वेदांग पहली बार एक सिख किरदार निभा रहे हैं। यही वजह है कि यह फिल्म उनके लिए कई स्तरों पर खास बन गई। वह कहते हैं, 'मेरे लिए यह सिर्फ एक नया लुक नहीं था, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी थी। पगड़ी पहनना और इस किरदार को निभाना बहुत खूबसूरत एहसास था। फिल्म 1940 के दशक के उस भारत की कहानी है, जब देश का बंटवारा नहीं हुआ था। मैं उस दौर के बारे में ज्यादा नहीं जानता था। लोग कैसे रहते थे? कैसे बात करते थे? उनका रहन-सहन कैसा था? ये सब जानना और समझना मेरे लिए काफी दिलचस्प रहा। एक एक्टर के तौर पर मुझे उस दुनिया को करीब से जानने और उसे जीने का मौका मिला, जिसमें मुझे बहुत मजा आया।'

बंटवारे पर बनी फिल्म की तैयारी के दौरान वेदांग ने उस दौर और उससे जुड़ी कहानियों को करीब से समझा। वो कहते हैं, 'इस फिल्म की शूटिंग के दौरन मैंने पार्टिशन के बारे में बहुत कुछ सीखा। इससे पहले मैंने सिर्फ अपने माता-पिता, नाना-नानी और परिवार के लोगों से कहानियां सुनी थीं। लेकिन फिल्म की रिसर्च के दौरान मुझे बंटवारे का खौफ, लोगों का दर्द और उस दौर की तकलीफ को समझने का मौका मिला। एक अभिनेता के तौर पर भी यह मेरे लिए बहुत जरूरी था।'

कभी किसी का बेटा तो कभी रिश्तेदार बना देते हैं

इंटरनेट की दुनिया में अफवाहों से बचना मुश्किल है। हालांकि वेदांग इन्हें बहुत गंभीरता से नहीं लेते। वह कहते हैं, 'मैं अपने बारे में फैली ज्यादातर अफवाहों पर ज्यादा ध्यान नहीं देता, लेकिन कभी-कभी कुछ बातें बहुत फनी होती हैं। सबसे मजेदार तब लगता है जब लोग मुझे अलग-अलग फिल्मी परिवारों से जोड़ देते हैं। कोई कहता है मैं किसी का बेटा हूं, कोई किसी और से मेरा रिश्ता निकाल देता है। इनमें से ज्यादातर बातें पूरी तरह गलत होती हैं, लेकिन उन्हें पढ़कर कभी-कभी हंसी जरूर आ जाती है।'